धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सुप्रभात
रांची, मंगलवार
11.02.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | माघ, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 211

12 वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत के साथ जुड़ें ...: राजनाथ

न्यूज डायरी

पूजा सिंघल के खिलाफ कोर्ट पहुंचे इडी अधिकारी

रांची। आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल के निलंबन वापस के बाद इडी ने उनकी पोस्टिंग कहीं नहीं करने को लेकर पीएमएलए कोर्ट में आवेदन दिया है। इडी की ओर से दिये गये आवेदन पर पूजा सिंघल के वकील ने सोमवार को जवाब दाखिल कर दिया है। अदालत ने दाखिल जवाब पर सुनवाई के लिए 14 फरवरी की तारीख निर्धारित की है। अपने आवेदन में इडी ने कहा कि पूजा सिंघल आपराधिक मुकदमा का सामना कर रहीं है। ऐसे में निलंबन मुक्त के बाद उनकी पोस्टिंग की जाती है तो सुनवाई प्रभावित हो सकती है। इडी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला भी दिया है। पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सोमवार को पूजा सिंघल व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुई।

शिबू सोरेन का दिल्ली में नियमित चेकअप

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता शिबू सोरेन की नियमित जांच कराने विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे हैं। जानकारी के अनुसार गंगाराम हॉस्पिटल में उनका चेकअप किया जा रहा है। हेल्थ चेकअप की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनकी वापसी होगी।

कुंभ से लौट रही कार दुर्घटनाग्रस्त , छह घायल

धनबाद। प्रयागराज से संगम में स्नान कर कोलकाता जा रहा परिवार सोमवार को धनबाद के तोपचांची के मानटांड़ के पास दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में छह लोग घायल हो गये। घायलों को इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच में भर्ती किया गया। घायल वाहन चालक सोमनाथ ने बताया कि वह कल शाम 4 बजे प्रयागराज से निकला था। तोपचांची के पास झपकी आने से यह हादसा हो गया।

उद्योग लगाने का बेहतर माहौल बनायें : सीएस

रांची। राज्य में निवेश को लेकर सीएम हेमन्त सोरेन का प्रयास रंग पकड़ने लगा है। कोलकाता में संपन्न इंवेस्टर मीट में श्री सोरेन और उद्योगपतियों के साथ बैठक के बाद झारखंड को 28 हजार 306 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने उद्योग निदेशालय को राज्य में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को बेहतर माहौल देने का निर्देश दिया है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	: 80200 रु./10 ग्राम
चांदी	: 100000 रु./प्रति किलो

नागरिक सुरक्षा की दिशा में हेमंत सरकार की बड़ी पहल

आपात स्थिति में बटन दबाते ही मिलेगी मदद

प्रमुख स्थानों पर लगे 50 इमर्जेंसी कॉल बॉक्स

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर नागरिक सुरक्षा को बेहतर और चुस्त बनाने के प्रयास शरूि कर दिये गये हैं। किसी भी आपात स्थिति में सिर्फ एक बटन दबाते ही लोगों को तुरंत मदद मिलेगी। इसके लिए रांची शहर के महत्वपूर्ण 50 चौक चौराहों पर पीले रंग का इमरजेंसी कॉल बॉक्स लगाया गया है। इस बॉक्स में लगे लाल बटन

के दबाते ही आप कमांड कंट्रोल सेंटर से जुड़ जायेंगे। आप अपनी समस्याएं और स्थिति से वहां तैनात अधिकारी को बता सकेंगे। समस्या बताते ही स्मार्ट सिटी और पुलिस की टीम आपकी मदद के लिए संबंधित एजेंसी से संपर्क कर आपको राहत दिलायेगी। इसके लिये ना आपको मोबाईल फोन की जरुरत है ना ही किसी नंबर को याद रखने की जरुरत। बस आपके आसपास पीले रंग का बॉक्स होना चाहिए।

किस-किस प्रकार की मदद : सड़क दुर्घटना, चेन स्नेचिंग, गोलीबारी, मारपीट, छेड़खानी या कोई अन्य आपराधिक वारदात होती है तो तुरंत मदद के लिए इस बॉक्स का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्यक्षदर्शी भी मदद पहुंचाने के लिये कॉल कर सूचना दे सकता है। यदि कहीं आग लग जाये तो भी फायरब्रिगेड से संपर्क साधने के लिये इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। (शेष पेज 11 पर)

कहां- कहां हैं पैनिक बटन

फिलहाल कांके रिंग रोड, मेन रोड ओवरब्रिज, सहजानंद चौक, शनि मंदिर चौक, हरमू चौक, अरगोड़ा चौक, सेटेलाइट चौक, कांके रोड, बिरसा चौक, मेकन चौक, सुजाता चौक, कोकर चौक समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर बॉक्स लगाया गया है। सीएम के निर्देश पर रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन ने राजधानी वासियों की सुरक्षा को लेकर लगातार कई इंतजाम किये हैं। एक तरफ जहां कमांड कंट्रोल एंड कम्यूनिकेशन सेंटर की मदद से पूरे शहर में स्वचालित यातायात प्रबंधन किया जा रहा है तो दूसरी ओर अपराध नियंत्रण और उसके उद्भेदन में भी कमांड सेंटर से मदद ली जा रही है।

द्रौपदी मुर्मू ने संगम में लगायी पुण्य की डुबकी

राजेंद्रबाबू के बाद महाकुंभ नहाने वाली दूसरी राष्ट्रपति

महाकुंभ नगर(एजेंसी)। महाकुंभ के 29वें दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार पूर्वान्ह गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन त्रिवेणी पर आस्था की डुबकी लगायी और राष्ट्र की सुख समृद्धि की कामना की। ऐसा करके वह कुंभ में संगम स्नान करने वाली दूसरी राष्ट्रपति बन गयी। इससे पहले देश की आजादी के बाद 1954 में पड़े कुंभ में देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया था। उसके बाद द्रोपदी मुर्मू दूसरी राष्ट्रपति हैं जिन्होंने कुंभ में आकर संगम स्नान किया। राष्ट्रपति ने संगम में उतर कर आचमन किया और सूर्य को अर्घ्य दिया और पवित्र जल को मस्तक से लगाया। उसके बाद उन्होंने मां गंगा को पुष्प और नारियल अर्पित किया।

बाद में अक्षय वट और लेटे हनुमान जी के दर्शन कर आशीर्वाद भी लिया। राष्ट्रपति ने पूजा के समय गुलाबी रंग की साड़ी पहन रखी थी। स्नान के बाद तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राष्ट्रपति से जेटी पर ही पूजन कराया। राष्ट्रपति ने संगम में डुबकी लगाने से पहले राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ जेटी पर कलरव कर रहे साइबेरियन पक्षियों को दाना चुगाया।

गंगा आरती कर नारियल-चुनरी चढ़ाई

इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रपति का एयरपोर्ट पर स्वागत किया। एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सीधे महाकुंभ मेला क्षेत्र में पहुंची और अरैल घाट से जेटी के जरिये संगम स्नान करने निकलीं।

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा आज से

2100 केंद्रों पर सुबह 9.45 बजे से एक्जाम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से ली जाने वाली मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो जायेंगी। ये परीक्षाएं तीन मार्च तक चलेंगी। इन परीक्षाओं को लेकर जैक और जिला प्रशासन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मैट्रिक की परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 9:45 बजे से दोपहर एक बजे तक होगी। वहीं इंटरमीडिएट की परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। परीक्षा को देखते हुए राज्य के सभी जिलों में परीक्षा केंद्रों के आसपास एहतियात के तौर पर निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है।

मैट्रिक के 1305, इंटर के 795 सेंटर : राज्य में मैट्रिक के लिए 1305 और इंटर के लिए 795 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग ने होने वाले जैक मैट्रिक-इंटर परीक्षा को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर ली है। राज्य के विभिन्न जिलों में अनुमंडल पदाधिकारी के स्तर पर अपने अधिकारिता

क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले परीक्षा केंद्रों पर निषेधाज्ञा लागू कर दिया गया है।

30 मिनट पहले सेंटर पर पहुंचे

परीक्षार्थी तय समय से करीब आधे घंटा पहले सेंटर पर पहुंच जायें। अपने साथ एडमिट कार्ड और स्कूल आइडी कार्ड ले जाना न भूलें। नीले या काले रंग वाले बॉल पेन साथ ले जायें। पेंसिल, स्केल, इरेजर, शार्पनर भी रखें।

ये चीजें नहीं ले जायें

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस। नकल करना सख्त मना है। ऐसे करने की कोशिश की तो परीक्षा केंद्र से निष्कासित किये जा सकते हैं। (शेष पेज 11 पर)

पीएम कौशल विकास में झारखंड के तीन लाख को प्रशिक्षण : केंद्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को सरकार ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत झारखंड में तीन लाख दस हजार लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री जयंती चौधरी सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जन शिक्षण संस्थान में करीब 80 हजार और नेशनल अपरेंटिस प्रमोशन स्कीम के तहत 43 हजार और आईटीआटी क्राफ्ट्समैन के तहत दो लाख लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी क्षेत्रों के विकास को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने का काम कर रही है। झारखंड में पांच हजार वंदन विकास केद्र विकसित किये गये है। राज्य में पीएम जनमन योजना के तहत 1250 उद्यमियों को प्रशिक्षित किया गया है। श्री चौधरी ने एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि स्किल इंडिया डिजिटल योजना 13 सितंबर 2023 को शुरू किया गया और अब तक एक करोड़ तीस लाख इस पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। सरकार की अन्य योजनाएं भी इस पोर्टल पर दिखाई देती है। इस योजना का दायरा बहुत व्यापक है। इस पोर्टल पर कौशल विकास से संबिधित जारी सभी योजनाओं को ट्रैक कर सकते हैं।

कुंभ से लौट रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत

चरही घाटी के पास दो वाहनों से टाटा सूमो की टक्कर

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग, रांची। चरही बिरसा मैदान के पास सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गयी। रांची और आसपास के निवासी सभी यात्री प्रयागराज कुंभ स्नान कर टाटा सूमो से लौट रहे थे। तेज रफ्तार के कारण चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में टक्कर मार दी। उसी समय पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने भी सूमो को टक्कर मार दी। इससे यह हादसा और भयावह हो गया। सूमो में दस लोग सवार थे। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गयी। पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। मृतकों में अंश देवी गुमला की रहने वाली है। संजू देवी और सोनी देवी रांची आदिवासी चौक आईटीआई की रहने वाली हैं। घायलों में रंजू देवी और उमा देवी मां-बेटी हैं। दोनों आईटीआई चौक के पास की रहने वाली हैं। पुनीता देवी बुंडू, असिता देवी मांडर और ज्योति देवी भी रांची की रहने वाली हैं। घायल रंजू देवी ने बताया 9 फरवरी को महाकुंभ में स्नान कर रात में रांची के लिए निकले थे।

हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गयी। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को वाहन से निकाला। मृत और घायल महिलाएं एक ही परिवार की बतायी जा रही हैं। चरही पुलिस घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। (शेष पेज 11 पर)

परीक्षा पे चर्चा : मोदी ने छात्रों को दिये टेंशन छू-मंतर करने के टिप्स

बैटर सिर्फ बॉल देखता है, बाहरी शोर नहीं सुनता

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के दौरान 10वीं और 12वीं के छात्रों से संवाद किया। इस कार्यक्रम के आठवें संस्करण में नेतृत्व के पाठ से लेकर ध्यान, परीक्षा बनाम ज्ञान से लेकर एक बल्लेबाज की तरह ध्यान केंद्रित करने तक, कई विषयों पर छात्रों के साथ बात की। पारंपरिक टाउन हॉल प्रारूप से हटकर मोदी ने इस बार अधिक अनौपचारिक व्यवस्था को प्राथमिकता दी और लगभग 35 छात्रों से यहां सुंदर नर्सरी में अधिक गहन एवं मुक्त बातचीत की। कार्यक्रम का राष्ट्रव्यापी प्रसारण देश के विभिन्न भागों से छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने देखा। परीक्षार्थियों से उन्होंने कहा, क्रिकेटर सिर्फ बॉल को देखता है, स्टेडियम का शोर नहीं सुनता। उसी तरह आप सबको ऑडियंस का प्रेशर नहीं लेना है। आपको खुद को हर स्थिति में चुनौती देते रहना है। आप खुद को कैसे परीक्षा के दौरान तनाव से दूर रख सकते हैं। छात्रों को आहार से लेकर व्यवहार और विचार तक का गुरु मंत्र दिया।

परीक्षार्थियों को पीएम का गुरुमन्त्र

- बेहतर का प्रयास करें अंक के दबाव में न आयें
- स्वस्थ शरीर के लिए नींद बेहद जरूरी
- पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य का ध्यान जरूरी
- रपीक्षार्थियों को एकाग्रता का पाठ पढ़ाया
- लीडर को टीम वर्क सीखना जरूरी
- मन की बात अभिभावक से खुलकर करें

बेहतर नींद जरूरी : पीएम मोदी ने कहा, नींद पूरी आती है या नहीं, इसका पोषण से बहुत लेना-देना होता है। शरीर की फिटनेस के लिए नींद बेहद जरूरी है। कितने घंटे सोना है, यह बहुत जरूरी हो जाता है। जीवन में प्रगति हासिल करने के लिए नींद बेहद जरूरी है। आपको पर्याप्त पानी पीना चाहिए। इसके अलावा, खाने-पीने का भी खास ध्यान रखना चाहिए।

अंक के दबाव में न आयें : एक छात्रा ने कहा कि पीएम से पूछा कि अगर हमारे परीक्षा में अच्छे अंक नहीं आये, तो हमारा फ्यूचर अच्छा नहीं होगा। इस पर पीएम ने कहा कि यह हमारे समाज में घुस गया है कि अगर हमारे अच्छे अंक नहीं आयेंगे, तो हमारा फ्यूचर अच्छा नहीं होगा। हम इसे लेकर अपने माता-पिता को समझा तो नहीं सकते हैं, लेकिन इसके लिए हमें खुद को तैयार करना होगा। आप सिर्फ बेहतर करने का प्रयास करें। अंक के दवाब में नहीं आना है। (शेष पेज 11 पर)

NATIONAL HEALTH MISSION
स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

परिवार कल्याण दिवस

प्रत्येक माह की 11 तारीख को
आयुष्मान आरोग्य मंदिर/शहरी स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
में परिवार नियोजन की सेवाएं
अवकाश की स्थिति में आगामी कार्य दिवस पर

परिवार कल्याण के लक्षित समूह-
- नव विवाहित दम्पत्ति
- एक बच्चे वाले योग्य दम्पत्ति
- जटिल गर्भावस्था वाली महिलाएं
- दो या दो से अधिक बच्चों वाले योग्य दम्पत्ति
- युवक–युवती

गतिविधियाँ
- परिवार नियोजन पर परामर्श
- अस्थाई विधियों का वितरण एवं अन्य परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता
- धात्री माता एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य संबंधी सलाह
- पोस्टर पेटिंग एवं स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिता
- आदर्श दम्पत्ति का सम्मान

जोड़ी जिम्मेदार जो प्लान करे परिवार

''विकसित भारत की नई पहचान,
परिवार नियोजन हर दम्पति की शान !''

परिवार नियोजन की विधियाँ
स्थायी विधियाँ: पुरुष नसबंदी, महिला बंध्याकरण
अस्थायी विधियाँ: इंजेक्शन एम.पी.ए, आपातकालीन गर्भ निरोधक गोली, गर्भ निरोधक गोलियाँ, कॉपर 375 380 A, कंडोम

फिक्स डे एप्रोच के तहत प्रत्येक सप्ताह के
मंगलवार या शुक्रवार को परिवार नियोजन की स्थायी विधियां उपलब्ध हैं।

अधिक जानकारी के लिए जिला अस्पताल अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र/ए.एन.एम./सी.एच.ओ./सहिया से सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार
104 108
PRNO 345997 (Health Med Edu and Family Welfare) IPRD 24-25

खबर एक नजर में

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में नामांकन की तिथि बढ़ी

रांची। आदर्श विद्यालय योजना के तहत संचालित 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में नामांकन की तिथि बढ़ा दी गई है। अब छात्र 20 फरवरी 2025 तक आवेदन कर सकेंगे। **आवेदन प्रक्रिया शुरू** : राज्य में संचालित 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में 16,225 रिक्त सीटों के लिए 20 जनवरी 2025 से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई थी। छात्र अब बढ़ी हुई तिथि तक आवेदन कर सकते हैं।

ब्रिटेन के डेलिगेट के साथ संजय सेठ की बैठक

रांची। बेंगलुरु में आयोजित एरो इंडिया कार्यक्रम में देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ कि सोमवार को ब्रिटेन के डेलिगेट्स के साथ बैठक हुई। इस बैठक में ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के माननीय मंत्री लॉर्ड वर्नोन कोकर उपस्थित थे। भारत और यूके के बीच मजबूत होते रक्षा सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई।

जेपीएससी प्रथम के आरोपियों की एबीपी पर आंशिक सुनवाई

रांची। जेपीएससी प्रथम सिविल सेवा भर्ती घोटाले के चार्जशीटेड पांच आरोपियों की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई। मामले में अनंत कुमार, हरिवंश पंडित, योगेंद्र प्रसाद, बिजय कुमार एवं राजीव कुमार की याचिका पर सुनवाई हुई। जो पूरी नहीं हो सकी। अदालत ने तीन याचिकाकर्ताओं की याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 21 फरवरी, विजय कुमार की याचिका पर 19 एवं राजीव कुमार की याचिका पर 11 फरवरी निर्धारित की है जबकि मामले में आरोपी अफसरों अरविंद कुमार लाल, लखीराम बास्की, संजय पांडे, अंजना दास एवं कुमुदिनी टुडू की अग्रिम जमानत पर आदेश 14 फरवरी को अदालत सुनायेगी। घोटाले पर संज्ञान लेने के बाद अब तक 12 आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिये अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। मालूम हो कि सीबीआई कोर्ट ने 16 जनवरी को 47 भ्रष्ट अफसरों समेत 74 लोगों के खिलाफ संज्ञान लेते हुये समन जारी किया है।

उच्च नैतिकता के प्रतीक थे अटल बिहारी वाजपेयी : सीपी सिंह

रांची। भाजपा विधायक सी पी सिंह ने कहा है किअटल बिहारी वाजपेयी ने अपने जीवन में हमेशा उच्च नैतिकता और ईमानदारी को महत्व दिया। श्री सिंह सोमवार को रांची महानगर कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम माना और भ्रष्टाचार से दूर रहने की कोशिश की। वह भारतीय संस्कृति और हिन्दू परंपराओं के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा रखते थे लेकिन उन्होंने भारत की विविधता को भी सम्मानित किया। उनकी दृष्टि थी कि भारत एकता में विविधता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यह वर्ष भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म शताब्दी वर्ष है। सभी देशवासी गौरवान्वित है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनेकों ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहे एवं अटल जी की सोच साकार हो रही है। इस अवसर पर रांची महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि अटल जी का आदर्श अटल और अडिग था। उन्होंने हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों के प्रति निष्ठा बनाये रखी। उन्होंने कहा कि 14 जनवरी से 15 मार्च तक अटल जी की स्मृति में जिले भर में कार्यक्रम किये जायेंगे।

सीएम का प्रयास रंग लाया, झारखंड को मिले 28 हजार करोड़ से अधिक निवेश का प्रस्ताव

झारखंड में उद्योग लगाने के लिए बेहतर माहौल दे उद्योग निदेशालय: मुख्य सचिव

- उद्योगों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाई पावर कमिटी की बैठक
- सिंगल विंडो सिस्टम को ज्यादा कारगर और पारदर्शी बनायें

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य में निवेश को लेकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का प्रयास रंग पकड़ने लगा है। पिछले सप्ताह कोलकाता में संपन्न इंवेस्टर मीट में मुख्यमंत्री और उद्योगपतियों के साथ बैठक के बाद झारखंड को 28 हजार 306 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। निवेशक झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्पादन इकाई लगाने के लिए इच्छुक हैं। इनमें से कुछ के प्रस्ताव स्वीकृत भी किये जा चुके हैं। इन प्रस्तावों से राज्य में परोक्ष और अपरोक्ष रूप से 17 हजार 823 लोगों को रोजगार मिलेगा।

इधर मुख्य सचिव अलका तिवारी ने उद्योग निदेशालय को राज्य में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को बेहतर माहौल देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि सिंगल विंडो सिस्टम को ज्यादा कारगर और पारदर्शी बना कर हम झारखंड में जहां नये उद्योगों को आकर्षित कर सकते हैं, वहीं पहले से चल रहे उद्योगों को नई उर्जा दे सकते हैं।

उद्योग निदेशालय को अपनी क्षमता में वृद्धि करने और कमियों को दूर करने पर बल देते हुए उन्होंने राज्य के संसाधन आधारित उद्योगों पर फोकस करने का निर्देश दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि देश का 80 प्रतिशत तसर का उत्पादन करने वाला झारखंड आज भी ज्यादातर ककून बेच रहा है, जबकि राज्य में ही ककून का वैल्यू एडिशन कर तैयार माल का वितरण और विपणन किया जा सकता है। उन्होंने विजन के साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने पर जोर दिया। वह सोमवार को उद्योग निदेशालय के साथ हाई पावर कमिटी की बैठक कर रही थीं।

ये करेंगे निवेश

झारखंड में सबसे अधिक 8485 करोड़ रुपये का स्टील और पावर प्लांट सरायकेला के निमडीह में लगाने का प्रस्ताव एसएम स्टील एंड पावर लिमिटेड की ओर से मिला है। वहीं वोलटॉक्स रेल प्राइवेट लिमिटेड ने चाकुलिया में रेलगाड़ी का चक्का और वंदे भारत के डिब्बे बनाने के लिए 3967.84 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव झारखंड सरकार को समर्पित किया है। उसी तरह लक्ष्मी मेटालिक्स लिमिटेड ने स्टील और पावर प्लांट के लिए 3800 करोड़, सुप्रीम मेटल्स एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने स्टील उत्पादन के लिए 2976 करोड़, द इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 1270 करोड़, जय सस्पेंशन लिमिटेड ने 250 करोड़, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने 500 करोड़, गजानन फेरो प्राइवेट लिमिटेड ने 1050 करोड़, रामकृष्णा फॉर्जिंग लिमिटेड ने 173.44 और 139.58 करोड़, एसएम स्टील एंड पावर लिमिटेड ने चतरा में 1600 करोड़ और हजारीबाग में 2800 करोड़, बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 1070 करोड़ और स्कीकॉर्प मार्केटिंग वेंचर प्राइवेट लिमिटेड ने जूते बनाने वाले कपड़े के उत्पादन के लिए 225 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया है।

सिर्फ वेबसाइट पर मेरिट लिस्ट जारी करने के मामले में फैसला सुरक्षित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति (वर्ष 2016) में जेएसएससी की ओर से जारी मेरिट लिस्ट की जानकारी नहीं होने पर नियुक्ति से वंचित प्रार्थियों की अपील याचिका पर सोमवार को सुनवाई पूरी हो गयी। सुनवाई पूरी होने के बाद जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया। निर्मल पाहन एवं अन्य ने खंडपीठ में अपील याचिका दायर कर एकलपीठ के आदेश को चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई के दौरान जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने अदालत को बताया कि सोनी कुमारी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में मेरिट लिस्ट जारी की गयी है। आयोग ने इस संबंध में नोटिस जारी करते हुए यह स्पष्ट कहा था कि मेरिट लिस्ट आयोग की वेबसाइट पर ही उपलब्ध रहेगी। प्रार्थियों ने आयोग की वेबसाइट नहीं देखी, तो यह प्रार्थयों की गलती है, न कि आयोग की। प्रार्थियों की ओर से अदालत को बताया गया है कि वह सुदूर क्षेत्र में रहते हैं। मेरिट लिस्ट के संबंध में उन्हें किसी प्रकार की सूचना नहीं मिल सकी। इस कारण अंतिम रूप से चयनित होने के बाद भी वह अपना प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए समय पर उपलब्ध नहीं हो सके। यह उनके अधिकार का हनन है। आयोग को विधिवत उन्हें जानकारी देनी चाहिए थी। पहले मेल और मैसेज से सूचना दी जाती थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया।

जनादेश का अपमान कर रही झारखंड सरकार : बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि फरवरी महीने की 11 तारीख होने के बावजूद बहनों के खाते में मंइयां सम्मान की राशि नहीं भेजी गयी है। वादे के अनुरूप कल तक सभी बहनों के खाते में मंईयां सम्मान योजना की राशि चली जानी चाहिये लेकिन अब तक सरकार पिछले जनवरी माह की राशि का भी भुगतान नहीं कर पायी है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी अध्यक्ष पद की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार की ओर से कोई पहल नहीं हो रही है। हेमंत सोरेन की एग्जाम कैलेंडर वाली घोषणा जुमला साबित हुई है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों और विधवा महिलाओं का पेंशन लंबित है। हजारों गरीब परिवार राशन से वंचित है। हेमंत सोरेन सरकार द्वारा जनहित के मुद्दों को नजरअंदाज करना जनता का अपमान है।

दो दिनी दौरे पर 14 को रांची आ रही हैं राष्ट्रपति, रहेगी चाक चौबंद व्यवस्था

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर 14 फरवरी को रांची आ रही हैं। वह 15 फरवरी को वापस दिल्ली लौट जाएंगी। इस दौरान वह बीआइटी मेसरा के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। उनके रांची आगमन पर तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में समीक्षा की गयी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रोटोकॉल के अनुसार राष्ट्रपति के दौरा के दौरान पूरी व्यवस्था चाक चौबंद रखें। जहां जरूरी हो, विभाग एक दूसरे से समन्वय बना कर तैयारियों को पुख्ता करें।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने आबाध विद्युत आपूर्ति का निर्देश दिया। वहीं एयरपोर्ट के निदेशक को हवाईअड्डा पर वीआईपी लाउंज को व्यवस्थित रखने को कहा। इस दौरान राष्ट्रपति के मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार अलग- अलग व्यवस्था के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। राष्ट्रपति के आगमन के दौरान स्वागत के लिए बुके की व्यवस्था, राष्ट्रीय गान, कारकेड, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन और आवासन की व्यवस्था, विद्युत और ध्वनि विस्तारक की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल और आवासन स्थल पर मेडिकल व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था, आवागमन मार्ग को दुरुस्त करना सहित कई अन्य जरूरी व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की गयी।

भाजपा ने कहा- महिला सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार का नाकाम

महिला की सुरक्षा पर राज्य सरकार विफल : राफिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा है कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा के मुद्दे पर विफल रही है। उन्होंने राज्य सरकार की महिला सुरक्षा पर कड़ी आलोचना की है। हाल ही में सदर अस्पताल परिसर के डॉक्टर स्टाफ क्वार्टर के तीसरे तल्ले में दो लड़कियों के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आयी। यह घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर भी महिलायें सुरक्षित नहीं हैं। राज्य में पिछले कुछ दिनों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें महिलायें असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उदाहरण के तौर पर हाल में ही रिम्स में एक दवाई लेने आयी महिला के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई थी। तब ही सरकार को चौकस हो जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा के मुद्दे पर पूरी तरह से सोई हुई है। न तो राज्य महिला आयोग का गठन हुआ है और न ही अधिकांश पुलिस थानों में महिला पुलिस कांस्टेबल्स की पर्याप्त संख्या है। जिन थानों में महिला पुलिस कांस्टेबल्स हैं, उनकी संख्या बेहद कम है। इसके अलावा राज्य में फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का अभाव है। इससे अपराधियों को सजा मिलने में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से मांग की है कि वह महिला सुरक्षा के मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई करे।

आरोपी राजीव कुमार एवं अमित अग्रवाल की डिस्चार्ज याचिका खारिज

रांची। कोलकाता कैश कांड मामले में आरोपी अधिवक्ता राजीव कुमार एवं अमित कुमार अग्रवाल की ओर से दाखिल डिस्चार्ज याचिका सोमवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा ने खारिज कर दी है। इससे दोनों की मुश्किलें बढ़ गई है। अदालत ने 7 फरवरी को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के पश्चात याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। आरोपी राजीव कुमार ने बीते 9 दिसंबर को और अमित अग्रवाल ने 20 जनवरी को मामले में अपने आप को निर्दोष बताते हुये डिस्चार्ज याचिका दाखिल की है। मालूम हो कि अधिवक्ता राजीव कुमार को 50 लाख रुपये नगद के साथ कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

बेंगलुरु में एशिया के सबसे बड़े एयरो इंडिया शो का शुभारंभ

करीब सवा लाख करोड़ के रिकॉर्ड पर पहुंचा घरेलू रक्षा उत्पाद : संजय सेठ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि सवा लाख करोड़ के रिकॉर्ड पर घरेलू रक्षा उत्पादन पहुंच गया है। श्री सेठ सोमवार को बेंगलुरु में एरो इंडिया शो का भव्य उदघाटन पर बोल रहे थे। इसका उदघाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। एशिया के सबसे बड़े इस एयर शो में दुनिया भर के 90 देश शामिल हो रहे हैं। इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र से जुड़े दुनिया के 900 से ज्यादा प्रदर्शक इसमें अपनी भागीदारी निभायेंगे। इस शो में भारतीय सेना के द्वारा भी कई प्रदर्शनी की जायेगी।

श्री सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत ने रक्षा क्षेत्र को आगे बढ़ाने और मजबूती प्रदान करने का जो संकल्प किया है, उसका सकारात्मक और शानदार परिणाम अब दुनिया भर में दिख रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय के द्वारा वर्ष 2025 को इयर्स ऑफ रिफॉर्म घोषित किया गया है। यह रिफॉर्म के प्रति रक्षा मंत्रालय की प्रतिज्ञा और कर्मशीलता को भी दिखाता है। इसके लिए सिर्फ मंत्रालय के स्तर पर ही निर्णय नहीं लिये जा रहे हैं। बल्कि इसमें सैन्यबलों और रक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों सहित अन्य समूहों की समुचित भागीदारी है। इसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए रक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 21000 करोड़ के रिकॉर्ड को पार कर चुका है।

रांची के खेलगांव में राज्यपाल ने किया ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट का उद्घाटन

पुलिस बल किसी भी राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा, शांति व कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ : राज्यपाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम, खेलगांव, रांची में आयोजित 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025 का उद्घाटन किया। इस पुलिस मीट में 15 फरवरी तक देश के कई राज्यों की पुलिस टीम, पैरामिलिट्री और सुरक्षा एजेंसियों के जांबाज अनुसंधान, राइफल-रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता, पुलिस वीडियोग्राफी और बैंड प्रतियोगिता में अपना हुनर दिखाएंगे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल पुलिस बल की कार्यकुशलता को प्रदर्शित करता है, बल्कि आपसी सहयोग, नवीन तकनीकों के आदान-प्रदान और पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल किसी भी राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ हैं। वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनहित एवं राज्यहित में समर्पित भाव से कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों, चुनाव कार्यों, प्राकृतिक आपदाओं या उग्रवाद से निपटने की चुनौती, हर परिस्थिति में पुलिसकर्मी पूरी निष्ठा, साहस और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उनका यह बलिदान, त्याग एवं सेवा की भावना सभी को प्रेरित करता रहेगा। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीकों और विशिष्ट कौशल से सुसज्जित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व में लागू किए गए नए आपराधिक कानून हमारे न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

प्रतियोगिता के लिए 45 निर्णायक मंडली: प्रतियोगिता में पुलिस और अर्द्धसैनिक संगठन के कुल 1228 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इनमें 1160 पुरुष व 68 महिला प्रतिभागी हैं। ड्यूटी मीट में डॉग स्क्वायड की 21 टीमें भी हिस्सा ले रही हैं, जिसमें 128 श्वान हैं। कुल 45 निर्णायक मंडली बनायी गयी है। **इन प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे प्रतिभागी:** राइफल रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता, बैंड प्रतियोगिता, साइंटिफिक एंड टू इन्वेस्टिगेशन, पुलिस फोटोग्राफी, कंप्यूटर अवेयरनेस, पुलिस वीडियोग्राफी, एंटी कंपोनेंट चेक जिसमें श्वान दस्ता भी शामिल रहेगा। विधि विज्ञान परीक्षा, लिखित मेडिको लीगल मौखिक परीक्षा, पुलिस फोटोग्राफी परीक्षा, पुलिस वीडियोग्राफी परीक्षा, क्राइम इन्वेस्टिगेशन लॉ रूल्स तथा कोर्ट जजमेंट, लिफ्टिंग पैकिंग पुलिस पोर्ट्रेट, ऑब्जर्वेशन, कंप्यूटर साक्षरता, श्वान प्रशिक्षण व एंटी सबोटेज चेक में भाग लेंगे प्रतिभागी।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'स्मार्ट पुलिसिंग' की परिकल्पना की गई है, जिसमें पुलिस बल को अधिक संवेदनशील, आधुनिक, सतर्क, जवाबदेह और तकनीक-प्रेरित बनाने का आह्वान किया गया है। पुलिस सेवा केवल कानून व्यवस्था के संधारण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में शांति, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी इसका योगदान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। राज्यपाल ने आशा जतायी कि यह आयोजन पुलिस बल को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रेरित करेगा और उनकी क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाएगा। जनमानस और पुलिस के बीच विश्वास और समन्वय को और मजबूत करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए।

गृह विभाग ने मंजूरी के लिए वित्त विभाग को भेजा प्रस्ताव

झारखंड में संगठित गिरोहों के अपराधियों पर घोषित होगा एक करोड़ रुपये का इनाम

- विधि ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दी, अब वित्त विभाग के स्तर पर इस पर किया जा रहा मंथन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नक्सलियों और उग्रवादियों की तरह झारखंड में सक्रिय बड़े संगठित आपराधिक गिरोहों के अपराधियों पर एक करोड़ का इनाम घोषित होगा। झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा प्रस्ताव भेजे जाने के बाद गृह विभाग ने सारे पहलुओं पर विचार कर एक प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव को सरकार की सहमति के लिए विधि और वित्त विभाग के पास भेजा गया है। मिली जानकारी के मुताबिक विधि ने इस पर अपनी सहमति दे दी है। अब वित्त विभाग के स्तर पर इस पर मंथन चल रहा है। वित्त विभाग से प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही, संगठित आपराधिक गिरोह के अपराधियों पर इनाम घोषित हो जाएगा।

अपराधियों पर 10 लाख लेकर 30 लाख रुपये तक का इनाम किया गया है तय

अपराधियों पर 10 लाख से लेकर 30 लाख रुपए तक का इनाम तय किया गया है। राज्य में दर्जन भर से ज्यादा संगठित अपराधी गिरोह सक्रिय हैं। इन गिरोहों से झारखंड ही नहीं बल्कि ओडिशा, बिहार, बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश के अपराधी भी जुड़े हैं, जो यहां आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के बाद अपने गृह राज्य भाग जाते हैं और पुलिस हाथ मलती रह जाती है। आम लोगों की मदद से ऐसे अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस मुख्यालय ने सात शातिर अपराधियों पर इनाम की घोषणा करने की रणनीति तैयार की है।

इन अपराधियों पर घोषित होगा इनाम

धनबाद में सक्रिय प्रिंस खान पर 30 लाख रुपये के इनाम का प्रस्ताव रखा गया है। प्रिंस खान पर धनबाद जिले के अलग-अलग शहरों में 50 से अधिक मामले दर्ज हैं। बबलू उर्फ भरत नारायण पर पुलिस ने 10 लाख रुपये का इनाम रखा है। इसका संबंध पांडेय गिरोह से है। इसके खिलाफ 8 से 10 मामले दर्ज हैं। इसी प्रकार पांडेय गिरोह के ही एक और अपराधी विकास साव पर 10 लाख रुपये का इनाम रखा गया है। इसका संबंध भी पांडेय गिरोह से है। डब्ल्यू सिंह पर पुलिस ने 20 लाख का इनाम रखा है। इसके खिलाफ 40 मामले दर्ज हैं। अगली कड़ी में पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के गोपी खान पर 20 लाख का इनाम रखा है। इसके खिलाफ लगभग दो दर्जन मामले दर्ज हैं।

दूसरे राज्यों के अपराधी भी निभा रहे अहम भूमिका

झारखंड में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोह में बिहार, छत्तीसगढ़ और बंगाल के 28 से अधिक अपराधी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये सभी अपराधी अखिलेश सिंह, अमन साहू, प्रिंस खान, अमन श्रीवास्तव और विकास तिवारी गिरोह से जुड़े हैं। अमन साहू और अखिलेश सिंह गिरोह में सबसे अधिक दूसरे राज्य के अपराधी जुड़े हैं।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने जनता दरबार में की लोगों से मुलाकात

शिकायतों के निष्पादन से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री सोमवार को जनता दरबार में जिला के शहरी एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। लोगों की शिकायतों को सुनते हुए उन्होंने निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जनता दरबार में दाखिल-खारिज, 15वें वित्त आयोग की योजनाओं में अनियमितता आदि से संबंधित आवेदन आये।

केस-1 : सुनीता सिंह द्वारा फ्लैट का दाखिल-खारिज अस्वीकृत किये जाने का आवेदन जनता दरबार में दिया गया। इस पर जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा अंचल अधिकारी को मामले के निष्पादन के लिए दिशा-निर्देश दिया गया।

केस-2 : राहे प्रखंड प्रमुख द्वारा सभी पंचायतों में 15वें वित्त आयोग की योजनाओं में अनियमितता के संबंध में शिकायत की गयी। शिकायत पर जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा उपविकास आयुक्त आयुक्त एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

केस-3 : राकेश कुमार द्वारा खेलगांव थाना क्षेत्र में स्थानीय असामाजिक तत्वों द्वारा गृह निर्माण कार्य रोके जाने की शिकायत की गयी। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा मामले की जांच करने का निर्देश संबंधित अंचल अधिकारी को दिया गया। इनके अतिरिक्त जनता दरबार में आये अन्य मामलों को भी सुनते हुए उपायुक्त द्वारा निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। साथ ही उन्होंने शिकायतों के निष्पादन से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये।

पारदर्शी शासन व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध : डीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सोमवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित कॉन्फ्रेंस कक्ष में रांची जिलान्तर्गत अवस्थित पंचायतों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत होने के निमित्त 'टॉक टू डीसी' ऑनलाइन संवाद किये जाने को लेकर पूर्वाभ्यास किया गया। पूर्वाभ्यास क्रम में सभी सम्बंधित पदाधिकारी/कर्मी/ऑपरेटर एवं रांची जिला के सभी प्रखंडों के कुल 305 पंचायत के पंचायत सचिवालय में बैठने वाले सभी प्रज्ञा केंद्र संचालक लिंक के माध्यम से कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। जिला प्रशासन द्वारा शुरू की जाने वाला एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें ग्रामीण जनता को किसी भी प्रकार की समस्या के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है, वह अपने निकटतम पंचायत सचिवालय में जाकर बिल्कुल निः शुल्क रूप से अपनी समस्या दे सकते हैं।

उपायुक्त द्वारा सीधे तौर पर शिकायत सुना जाएगा जिसमें सम्बंधित विभाग के अधिकारी पदाधिकारी शामिल रहेंगे, ताकि उनके समस्या का तत्काल निष्पादन किया जा सकें।

जिला प्रशासन से जनता अपनी समस्या सीधे तौर पर रख पाएंगे। जिसका त्वरित निष्पादन कराना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने विशेष रूप से कहा की पारदर्शी प्रशासन के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध है। जिला प्रशासन जनता की समस्या को दूर करने के लिए लगातार प्रयासरत्त है।

राज्यपाल ने जिला स्कूल के बच्चों के साथ देखा परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम

चर्चा से तनाव कम होने के साथ आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच में होती है वृद्धि : संतोष गंगवार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल) के बच्चों एवं शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा पे चर्चा विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी पहल है। यह न केवल परीक्षा संबंधी तनाव कम करने का माध्यम है, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करता है।

राज्यपाल ने कहा कि परीक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह धैर्य, समर्पण और आत्मविश्वास की परीक्षा भी होती है। परीक्षा पे चर्चा यह सिखाता है कि तनाव से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ एक स्पष्ट योजना बनाकर परीक्षाओं का सामना किया जाये। राज्यपाल ने कहा कि जिला स्कूल का गौरवशाली इतिहास रहा है। पूर्व में धारणा थी कि जिला स्कूल में जिसका नामांकन होता था, वह समाज का बहुत मेधावी विद्यार्थी होते थे। हमारे विद्यार्थी एवं शिक्षक जिला स्कूल की उत्कृष्टता की दिशा में व्यापक रूप से कार्य करें। वे अन्य विद्यालयों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि पढ़ाई को केवल परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि ज्ञान को आत्मसात करें। नियमित अभ्यास करें, समय का सही प्रयोग करें एवं आत्मविश्वास बनाए रखें।

राज्यपाल ने कहा कि आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री जी हमेशा इस बात पर बल देते हैं कि हमें परीक्षा को एक अवसर की तरह देखना चाहिए, न कि किसी दबाव की तरह। हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखें, परिश्रम में कमी न करें। कठिनाइयाँ आएंगी, लेकिन जो विद्यार्थी हर चुनौती को सीखने का अवसर मानता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी से संवाद कर सभी को प्रोत्साहित किया एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विकसित भारत@2047 में अपना सक्रिय योगदान देने को कहा।

राष्ट्रपति का झारखंड दौरा : प्रोटोकॉल के अनुसार समय पर सारी तैयारियां पूरी करें

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14-15 फरवरी 2025 को आ रही हैं रांची

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सोमवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित कार्यालय कक्ष में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 14-15 फरवरी 2025 को प्रस्तावित रांची परिभ्रमण कार्यक्रम की तैयारी से संबंधित बैठक की। राष्ट्रपति के परिभ्रमण कार्यक्रम की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार समय पर सारी तैयारियां सुनिश्चित रूप से पूरा कर ले।एयरपोर्ट, राजभवन एवं कार्यक्रम स्थल के लिए नोडल पदाधिकारियों एवं सहायक नोडल पदाधिकारियों को आपसी समन्वय करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, उत्कर्ष कुमार, पीडीआइटीडीए जिला नजारत उप समाहर्ता रांची, डॉ. सुदेश कुमार एवं जिला जन संपर्क पदाधिकारी रांची, उर्वशी पांडेय उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

डॉ संजय कुमार चुने गये एसोसिएशन ऑफ न्यूरोसाइंटिस्ट ईस्ट इंडिया संगठन के अध्यक्ष

रांची। न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन डॉ संजय कुमार को पूर्वी भारत के न्यूरो साइंस एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के लिए चुना गया है। इससे पहले डॉ संजय एसोसिएशन में लंबे समय तक सचिव के पद पर अपना योगदान दे चुके हैं। वर्तमान मे डॉ संजय झारखण्ड न्यूरोसाइंसेस सोसाइटी के सचिव के साथ-साथ झारखण्ड पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी हैं। अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक चुनौती है, क्योंकि न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में अभी काफी कुछ करना बाकी है। उन्होंने कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा कि झारखण्ड के साथ-साथ पूर्वी भारत के सभी राज्यों में न्यूरोसाइंस को एक नये आयाम तक पहुँचाया जा सके।

नुक्कड नाटक एवं एलइडी वैन के माध्यम से अफीम की खेती के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान

रांची। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार जिला के विभिन्न स्थानों में लगातार नुक्कड नाटक एवं एलईडी वैन के माध्यम से अफीम की खेती के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को नामकुम थाना अंतर्गत बूटियो गांव में जिला जनसंपर्क कार्यालय, रांची से संबद्ध कला दलों द्वारा नाटक का मंचन कर लोगों को नशा एवं अफीम की खेती के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दी गयी। ग्रामीणों को बताया गया कि कहीं भी मादक पदार्थ अथवा अफीम की खेती की जानकारी मिले तो टोल फ्री नंबर 112 पर इसकी सूचना दें, जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखते हुए शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जायेगी।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में ठोस साक्ष्य के अभाव में बरी

रांची। अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार की अदालत ने सोमवार को पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के जुर्म में जेल में बंद रहकर ट्रायल फेस कर रहा अमित कुमार महतो को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। अमित कुमार महतो को उक्त आरोप में बुंडू पुलिस ने 20 फरवरी 2024 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से वह जेल में ही था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता पीयूष कुमार मिश्रा ने बताया कि झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर स्पीडी ट्रायल हुआ। मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से दो जांच अधिकारी समेत 9 गवाहों को प्रस्तुत किया था। लेकिन, घटना को साबित नहीं किया जा सका। उसकी पत्नी की मृत्यु में किसी प्रकार का साक्ष्य उसके खिलाफ नहीं पाया गया। दोनों की शादी 2014 में हुई थी। दोनों से दो बच्चे भी हैं। घटना को लेकर आरोपी के खिलाफ बुंडू थाना में 20 फरवरी 2024 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातु में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातु में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल कार्यक्रम सफरनामा का आयोजन ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आरंभ हवन से हुआ हवन उपरान्त विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान किया गया। अपने आशीर्वचन में प्राचार्य डॉ तापस घोष ने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में स्मरणीय सफलता की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समय का सदुपयोग कर आप अपेक्षित अंक हासिल कर सकते हैं।

कार्यालयों में दलाल-बिचौलिया न आएं, यह सुनिश्चित करें पदाधिकारी : मंजूनाथ भजन्त्री

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी अधिकारियों से समय पर दफ्तर आने और आम लोगों की समस्या संवेदनशील होकर सुनने और उसका त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया है। समाहरणालय के आसपास के अतिक्रमण को हटाने का भी निर्देश दिया। वह सोमवार को समाहरणालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आम लोगों की शिकायत 24 घंटे सुन रही है। उपायुक्त ने कहा कि लगातार शिकायत प्राप्त होती है कि कार्यालयों में दलाल और बिचौलिया अपना पैठ जमाए हैं। कार्यालयों में दलाल, बिचौलिया किसी भी परिस्थिति में न आएं, यह संबंधित सभी अधिकारी सुनि>ित करने पर ध्यान दें। ऐसे तत्वों पर जिला प्रशासन कानूनी कार्रवाई करेगी। आमजन भी ऐसी शिकायतें सीधेतौर पर जिला प्रशासन को कर सकते हैं। जिला प्रशासन दलाल और बिचौलिया पर कड़ी कार्रवाई करेगा। इसके लिए सतत निगरानी भी रखी गई है।

केंद्रीय शांति समिति के प्रस्तावों पर विचार : बैठक में केंद्रीय शांति समिति के प्रस्तावों पर विचार करते हुए उपायुक्त ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों ने ट्रैफिक, नशा-पान एवं सामाजिक कार्यों में अपना सहयोग देने की बात कही थी। इस पर संबंधित पदाधिकारी कार्य करें।

योजनाओं में अनियमितता की जांच के आदेश

शिकायतों की जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरकारी योजना में अनियमितता, असामाजिक तत्वों द्वारा घर बनाने से रोके जाने के मामले की उपायुक्त ने जांच के आदेश दिए हैं। सोमवार को समाहरणालय में लोगों की शिकायत सुनने के बाद उपायुक्त ने जांच के आदेश दिए। दाखिल-खारिज और योजनाओं में गड़बड़ी की शिकायतें अधिक थीं। सुनीता सिंह ने उपायुक्त से कहा कि उनका दाखिल-खारिज का आवेदन अस्वीकृत किए जाने की शिकायत की। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अंचलाधिकारी को मामले का निष्पादन करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया। राहे प्रखंड प्रमुख ने सभी पंचायतों में 15वें वित्त आयोग की योजनाओं में अनियमितता बरते जाने की शिकायत की। इस पर उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

खेलगांव थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के द्वारा गृह निर्माण में बाधा डालने की शिकायत राकेश कुमार ने की। उपायुक्त ने अंचलाधिकारी को इसकी जांच करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में आये मामलों को भी सुनते हुए उपायुक्त ने इसके निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने शिकायतों के निष्पादन से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिया।

28 फावरी तक ई-केवाइसी नहीं कराने पर राशन कार्ड से कट सकता है नाम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिले के राशनकार्डधारकों को ई-केवाईसी जल्द कराने को कहा गया है। 28 फरवरी तक ई-केवाईसी नहीं कराने पर राशन कार्ड से नाम हटा दिया जाएगा। रांची की एसओआर मोनी कुमारी ने सभी से ई-केवाईसी की प्रक्रिया तेजी से पूरी करने का निर्देश दिया है। ई-केवाईसी ऑनलाइन, प्रज्ञा केंद्रों और राशन डीलरों के साथ कराया जा सकता है। जिले में ई-केवाईसी का काम अभी 57 प्रतिशत ही हुआ है। सभी राशनकार्ड धारकों को अपना आधार सीडिंग भी कराना होगा।

इसके लिए लाभुकों को सीडिंग कराने का निर्देश दिया गया है। जिले में अभी 63 फीसदी आधार सीडिंग हो सका है। ई-केवाईसी के लिए राशन कार्ड में परिवार के जिन सदस्यों का नाम दर्ज है, उनका आईडी प्रूफ, पते का प्रमाण, आधार नंबर और अन्य दस्तावेज ऑनलाइन देकर ई-केवाईसी कराना होता है। लोग इसे अपने घर से ऑनलाइन और प्रज्ञा केंद्रों से जाकर करा सकते हैं। हालांकि, सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपने डीलरों के पास जाकर केवाईसी कराने को कहा जा रहा है।

पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद लाभुकों की ओर से दी गई जानकारी को सत्यापित किया जाता है। राशन कार्ड ई-केवाईसी से यह निश्चित हो जाता है कि राशन कार्डधारक के परिवार में शामिल सभी सदस्यों को राशन कार्ड योजना का लाभ दिया जा रहा है। इसी के साथ सरकार और राशन कार्डधारक के बीच राशन दुकानदार भी धोखाधड़ी नहीं कर पाता है।

ई-केवाइसी से लाभ

धोखाधड़ी की रोकथाम : यह सुनिश्चित होता है कि राशन कार्ड का उपयोग सिर्फ सही और योग्य लोगों ही कर रहे हैं।

सटीकता : राशन कार्डधारकों के विवरण को सटीक और अद्यतन रखा जा सकता है।

सरलता : डिजिटल प्रक्रिया होने के कारण यह सरल और तेज है, जिससे लाभुकों को कम समय में सेवा मिलती है।

पारदर्शिता : यह प्रक्रिया पारदर्शी होती है और किसी भी प्रकार की अनियमितताओं को रोकने में मदद करती है।

पुलिस ने लूटपाट में शामिल दो युवकों को किया गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लूटपाट में शामिल दो युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि आठ फरवरी की रात 9.30 बजे लालपुर थाना क्षेत्र के आरके मार्केट के पास स्थित रोड पर अपने घर जा रहे एक युवक से बाइक पर सवार दो युवकों द्वारा मोबाईल लूट लिया गया था। जिसके बाद लालपुर थाने मे इसकी शिकायत की गई थी। जिसके आधार पर लालपुर थाना द्वारा कार्रवाई करते हुए टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए रितिक सोनी और अशोक कुमार सिंह गिरफ्तार किया गया। इनके पास से घटना में प्रयुक्त बाइक और लूटे गये मोबाईल को बरामद किया गया है।

मेगा ट्रेड फेयर में कई उत्पादों पर मिल रही भारी छूट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मोहराबादी मैदान में सात फरवरी से चल रहे 16वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में सोमवार को भी हजारों की संख्या में लोग अपने परिवार और दोस्तों संग पहुंचे और खरीदारी की। खासतौर पर महिलाओं की भीड़ कपड़ों, आर्टिफिशियल ज्वेलरी वाले स्टॉल पर अधिक उमड़ रही है। फेयर में कई स्टॉलधारक छूट दे रहे हैं। फर्नीचर वाले हैंगर में दिल्ली की कंपनी वूडलैंडर फर्नीचर में 80 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। यहां सोफा और डाइनिंग टेबल सेट उपलब्ध है। सोफा की शुरूआती कीमत 55 हजार रुपए और डाइनिंग टेबल सेट 60 हजार से दो लाख रुपए तक में मिल रहा है। इन सभी फर्नीचरों पर पांच से 10 साल की वारंटी भी दी जा रही है। साथ ही ब्रांडेड सोफा कम बेड फैक्ट्री प्राइस पर उपलब्ध है। फेयर में पीतल से बने रसोई घर में प्रयोग होने वाली सामाग्री भी मिल रहा है। इसके अलावा यूपी के कन्नौज का इत्र भी बिक रहा है। यहां 200 से लेकर पांच हजार रुपए तक में उपलब्ध है। वहीं थाइलैंड का ड्रेस भी लोगों को लुभा रहा है। एक हजार रुपए में एक से बढकर डिजाइनर कपड़े लोगों को आकर्षित कर रहा है। चैंबर अध्यक्ष परेश गप्तानी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से बताया कि ट्रेड फेयर में सोमवार को भी अच्छी खासी भीड़ रही। प्रोजेक्ट चेयरमेन अमित शर्मा और शैलेश अग्रवाल ने बताया कि ट्रेड फेयर में मंगलवार से आधार का स्टॉल लगाया जा रहा है। यहां आधार में नाम जोड़ने और अपडेट आदि का काम होगा। फेयर में कई नये स्टॉल लगने की उम्मीद है। वहीं, बच्चों के मनोरंजन के लिए किड्स जोन भी है। जहां बच्चे झुले, टॉय ट्रेन, मिक्की माउस आदि का आनंद ले सकते हैं।

ढाई साल के वेतन और समायोजन की मांग को लेकर होटल कर्मचारियों ने किया नग्न प्रदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डोरंडा स्थित अशोका होटल के कर्मचारियों ने सोमवार को होटल के मुख्य गेट के सामने अपनी ढाई साल के वेतन और समायोजन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। किचन विभाग के कर्मचारी सुरेंद्र शर्मा, जीतु सिंह, पंकज कुमार, अखिलेश्वर मांझी, राम प्रसाद राम, मनोज कुमार गुप्ता, सुरेंद्र लाल शर्मा, दीपक सहाय और ओमप्रकाश ने बताया कि होटल में पहले 32 कर्मचारी काम करते थे, लेकिन अब केवल छह कर्मचारी ही बचे हैं।

इनमें से दो कर्मचारी फरवरी और जून में रिटायर हो जाएंगे, जबकि बाकी 26 कर्मचारियों में से कुछ ने वीआरएस (वॉलेंटरी रिटायरमेंट) ले लिया है और कुछ रिटायर हो चुके हैं। इन कर्मचारियों का लगभग सात से आठ लाख रुपये प्रति कर्मचारी बकाया है। इस बकाए को प्राप्त करने के लिए उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री, आईटीडीसी और अन्य संबंधित विभागों को लिखित आवेदन भी दिए हैं। इसके बावजूद, ढाई साल से बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि अब तक इंतजार करते हुए सात साल बीत चुके हैं, लेकिन फिर भी बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया।

19 मार्च 2018 से बंद हो गया होटल : अशोका होटल को बिना पिलर के 30 कमरे का होटल बनाया गया था। इसमें एक बैंक्वेट हॉल भी था। होटल में 5000 लोगों की स्टैंडिंग क्षमता और 2000 से ज्यादा लोगों की सीटिंग कैपेसिटी थी। लेकिन 19 मार्च 2018 से होटल बंद हो गया है।

एग्रोटेक किसान मेला के समापन समारोह में पहुंचे राज्यपाल संतोष गंगवार, कहा

जब अन्नदाता सुखी होंगे, तभी हम सभी भी सुखी रह सकेंगे

- कृषि विश्वविद्यालय अथवा कृषि अनुसंधान केंद्र का दायित्व है कि वे किसानों के हित की सोचें

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार सोमवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एग्रोटेक किसान मेला-2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि किसी भी कृषि विश्वविद्यालय अथवा कृषि अनुसंधान केंद्र का दायित्व है कि वे किसानों के हित की सोचें। वैज्ञानिक एवं शोधकताओं को सदैव किसानों के लाभ के लिए तत्पर तथा सक्रिय रहना चाहिए। कहा गया है कि अन्नदाता सुखी भवः। इसलिए जब अन्नदाता सुखी होंगे, तभी हम सभी भी सुखी रह सकेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां 70% से अधिक आबादी गांवों में निवास करती है और कृषि उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। उन्होंने कहा कि वे किसानों की कठिनाइयों और चुनौतियों से भली-भांति अवगत हैं। वह अथक परिश्रम करते हैं, लेकिन कई बार उन्हें उनके श्रम का उचित मूल्य नहीं मिल पाता, जो हम सभी के लिए चिंता का विषय है। किसानों को उनकी फसल एवं उपज का उचित मूल्य मिले और उनकी आय में वृद्धि हो, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत हैं।

दलहन से किसानों को अच्छी आमदनी हो सकती है

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की भूमि सब्जी उत्पादन, वानिकी एवं फूल उत्पादन के लिए भी उपयुक्त है। यहां के किसान यदि इन क्षेत्रों में कृषि करें तो उन्हें अच्छी आमदनी हो सकती है। उन्होंने कहा कि गर्व की बात है कि झारखंड को दलहन की अच्छी पैदावार के लिए कई बार कृषि कर्मण पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की स्थिति में सुधार के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से देश के किसानों को सहायता पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया गया। नतीजा मोटे अनाजों की महत्ता को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली। राज्यपाल ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इस मेले के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक उपकरणों और कृषि विशेषज्ञों से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ होगा। इसके साथ ही, उन्हें एक-दूसरे से उन्नत कृषि तकनीकों पर विचार-विमर्श करने का भी अवसर मिला होगा।

बहुफसली खेती की ओर ध्यान देना होगा

राज्यपाल ने कहा कि हमें एक-फसली तक सीमित न रहकर बहुफसली खेती की ओर ध्यान देना होगा। किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें प्राथमिक कृषि से माध्यमिक कृषि की ओर बढ़ना होगा। हमारे किसान आत्मनिर्भर बनें तथा हमारा राज्य कृषि के मामले में न केवल आत्मनिर्भर बनें, बल्कि अन्य राज्यों को निर्यात भी करें। कृषि वैज्ञानिकों को पूरी निष्ठा एवं लगन से कार्य करना होगा। उन्हें किसानों के बीच खेतों में जाना होगा तथा यह जानकारी देनी होगी कि कौन-सा भू-भाग किस प्रकार की खेती एवं फसल के लिए उपयोगी है। हमारे कृषि वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों को केवल प्रयोगशाला में अनुसंधान तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि उन्हें विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर किसानों के बीच रहकर कार्य करना होगा।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए विद्यार्थी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सोमवार को भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में सीआईटी के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा से संबंधित तैयारियों को लेकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से तनावमुक्त रहने, सही पोषण, उचित निद्रा, आत्मबल का विकास समेत स्वविवेक से निर्णय लेने आदि विषयों पर अपने विचार साझा किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब भी दिया। कार्यक्रम दिन के 11 बजे से ऑनलाइन आयोजित था। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की उप प्राचार्य प्रो. रसिका नवनीत सिंह, डीन (आईक्यूएसी) डॉ नवीन सिन्हा, डीन (आरएनडी) डॉ रितेश कुमार, सीएसई विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार वर्मा के अलावे सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक मौजूद थे। कार्यक्रम का सफल आयोजन संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग की देखरेख में संपन्न हुआ।

एडवोकेट एसोसिएशन चुनाव की दोबारा मतगणना कराने पर बार कौंसिल को नोटिस

रांची। झारखंड हाईकोर्ट एडोवोकेट एसोसिएशन की दोबारा मतगणना कराने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने झारखंड राज्य बार कौंसिल को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। सोमवार को चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने बार कौंसिल को यह बताने को कहा है कि मतगणना पर रोक लगाने का आदेश देना उसके अधिकार क्षेत्र में है या नहीं। याचिका अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि 23 जनवरी को हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिशएन का चुनाव था। चुनाव में करीब 100 मत गलत तरीके से डाले गए। इसका विरोध करने पर चुनाव कमेटी ने चुनाव रद्द कर अपनी रिपोर्ट बार कौंसिल को भेजी। बार कौंसिल ने दोबारा मतगणना कराने का निर्देश दिया। प्रार्थी का कहना था कि बार कौंसिल दोबारा मतगणना कराने का आदेश नहीं दे सकती है। इसलिए चुनाव रद्द कर दिया जाना चाहिए। इस पर अदालत ने बार कौंसिल को यह बताने को कहा है कि मतगणना दोबारा कराने का आदेश देने का अधिकार उसे है या नहीं। साथी ही अदालत ने प्रार्थी से कहा कि चुनाव रद्द कराने के मामले में हाईकोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इसके लिए प्रार्थी को उचित फोरम में अपनी बात रखनी चाहिए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में वादकारी वादों का करा सकते हैं निस्तारण : कविता कुमारी खाती

रांची। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा संचालित जस्टिस-ऑन-व्हील्स मोबाईल वैन सोमवार को चान्हो प्रखंड के पतरातू पंचायत पहुंचा। इस अवसर पर एलएडीसी डिपुटी चीफ कविता कुमारी खाती, पीएलवी, हरिलाल करमाली, सुमती कुमारी, अलमा एक्का, उषा कुमारी, निलश्याम कुमार कश्यप एवं संजीत उरांव उपस्थित थे। इस मौके पर एलएडीसी डिपुटी चीफ कविता कुमारी खाती ने रेप-गैंगरैप में पीड़ितों को मिलनेवाली मुआवजा के बारे में जानकारी दी। डायन बिसाही पर बोली कि किसी को भी डायन कहना गलत है। डायन कहकर लोगों को प्रताड़ित करना कानुनन अपराध है। उन्होंने आगामी 22 फरवरी को आयोजित होनेवाली विवाह और चेक अनादरण से संबंधित विशेष लोक अदालत की जानकारी दी, कहीं कि वादकारी उक्त तिथि को अपने वादों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से करा सकते हैं।

मंत्री ने बेड़ो में बीडीओ, सीओ व कर्मियों के आवास भवन निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित तहसील कचहरी परिसर में सोमवार को ग्रामीण विकास मद से प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी आवास, पर्यवेक्षक, आवास, तृतीय व चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों के आवास निर्माण कार्य का कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने नारियल फोड़कर व शिलापट्ट का अनावरण करके शिलान्यास किया। मौके पर मंत्री ने कहा कि आवास का निर्माण हो जाने से पदाधिकारी के साथ-साथ अन्यकर्मियों को एक ही छत के नीचे रहने की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। झारखंड के सभी प्रखंड में बीडीओ सह सीओ एवं अन्य कर्मियों का आवास काफी पूर्व ही जर्जर हो चुका था। प्रखंड मुख्यालय में आवास नहीं रहने के कारण पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रखंड मुख्यालय में रहने पर परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने विभाग के पदाधिकारियों व संवेदक से कहा कि भवन निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए ससमय पर कार्य पूरा करें। गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सरकार द्वारा संचालित सभी विभागों की योजनाओं का लाभ उठाने को कहा। इस दौरान ग्रामीणों ने परंपरागत नाच गान के साथ मंत्री का स्वागत किया। वहीं मौके पर जिप सदस्य बेरोनिका एक्का, उपप्रमुख मोदस्सिर हक, सीओ प्रताप मिंज, बीपीओ संजय तिर्की, थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान, जेई सद्दाम अंसारी, परवेज आलम, करमा उरांव, नवल किशोर सिंह,मो फहीम व मो शमशाद, मकबुल अंसारी समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

10 मार्च को होली मिलन महोत्सव में स्वामी सदानंद महाराज पधारेंगे

- श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक सोमवार को ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल की अध्यक्षता मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम, पुंदाग मे संपन्न हुई। बैठक मे ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण मंदिर एवं अपना घर आश्रम मे किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा भावी कार्यो एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तय किया गया। बैठक मे निर्णय लिया गया कि 10 मार्च को श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मे होली मिलन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। होली मिलन महोत्सव मे परमहंस डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहकर सबों को आशीर्वाद देंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्री राधा कृष्ण मंदिर के परिसर मे प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को श्री प्रणामी सत्संग भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नगर के प्रमुख धार्मिक संस्थाओं के भजन मंडलियों को आमंत्रित किया जाएगा। जानकारी देते हुए ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि बैठक में-ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, चिरंजी लाल खंडेलवाल, संजय सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, सुरेश भगत,विष्णु सोनी, मनीष सोनी, ज्ञानचंद शर्मा, मधुसूदन, विद्या देवी अग्रवाल सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

श्री वैष्णवी महोत्सव पर निकली कलश यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। देवी-दर्शन वैष्णो धाम के प्रांगण में सोमवार को त्रैगुणी-त्रिमूर्ति श्री 1008 मां भगवती श्रीवैष्णवी देवी जी का एक दिवसीय श्रीवैष्णवी महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः 8 बजे श्रीगणेश पूजन, मण्डप पूजन, हनुमत ध्वजारोहन और कलश-जल-यात्रा के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। ढोल गाजे बाजे एवं छउ नृत्य के साथ कलश जल-शोभायात्रा निकाली गयी। जिस यात्रा में आचार्य रवि शास्त्री महाराज का रथ मार्गदर्शन कर रहा था। शोभा यात्रा देवी-दर्शन से शुरू होकर गेतलातु ग्राम भ्रमण करते हुए जुमार नदी से जल भर कर पुनः देवी-दर्शन में मां वैष्णवी के दरबार में प्रवेश किया। शोभा यात्रा पंक्तियों में मुख्य यजमान डॉ. रंजीत कुमार, सपत्नीक डॉ. वंदना कुमारी उनके प्रतिनिधि के साथ पुरोहित विद्वानों की मंत्राध्वनि के मार्गदर्शन में पंक्तिबद्ध थे। जिनके पीछे समस्त भक्तगण जयकारे के साथ चल रहे थे। कलश यात्रा के बाद भक्तगणों ने श्रद्धा के साथ पुंगल प्रसाद एवं महाप्रसाद ग्रहण किया।

शब ए बरात की अवकाश दिए जाने की मांग

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मुख्य सचिव अलका तिवारी से बिहार के तर्ज पर शब ए बरात का सार्वजनिक अवकाश 14 फरवरी को देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस दिन इबादत और रोजा रखा जाता है इसलिए सार्वजनिक अवकाश दिया जाये, ताकि इस त्योहार को हर्षोल्लास और उमंग से मनाया जा सके। महासंघ के राज्याध्यक्ष जहीर ने कहा कि 14 फरवरी को अवकाश दिए जाने से सभी त्योहार को पूरे उत्साह से मना पाएंगे।

टाटीसिलवे में भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 15 फरवरी से

- 14 फरवरी को कथा स्थल से निकलेगी भव्य कलश यात्रा, 2100 महिलाएं होंगी शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। टाटीसिलवे के ईईएफ मैदान में 15 से 22 फरवरी तक श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन होने वाला है। प्रख्यात कथा वाचक इंद्रेश जी उपाध्याय 8 दिन तक भागवत प्रेमियों को भागवत के सभी प्रसंगों का उल्लेख कर श्रद्धालुओं का आनंदित करेंगे। सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर आयोजन समिति के कार्यालय में प्रेसवार्ता कर तैयारियों की जानकारी दी गई। अध्यक्ष रासेश्वर नाथ मिश्र ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा आयोजन समिति टाटीसिलवे द्वारा तीसरी बार कथा का आयोजन किया जा रहा है। इससे पूर्व में 2014 व 2016 में कथा का आयोजन किया जा चुका है। इस बार विश्व प्रसिद्ध कथा वाचक के श्रीमुख से भागवत प्रेमी कथा का अमृतपान करेंगे। रासेश्वर नाथ मिश्र ने बताया कि कथा के आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। पंडाल निर्माण कार्य अंतिम रूप ले रही है। कथा स्थल पर ही भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है, यहां 8 दिन भगवान विराजमान रहेंगे। कथा में आने वाले श्रद्धालु मंदिर में भगवान का दर्शन कर सकेंगे। 15 से 22 फरवरी तक कथा दोपहर 3 बजे से शुरू होगी। कथा के दौरान हर दिन कथा के बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद का वितरण किया जाएगा। आठों दिन अलग-अलग तरह के प्रसाद भोग का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा भक्तिपाठ यूट्यूब चैनल में कथा का लाइव प्रसारण होगा। कथा के मुख्य संरक्षक राज्यसभा सदस्य प्रदीप वर्मा और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हैं।

विशाल कलश यात्रा में शामिल होंगी 2100 महिलाएं : कोषाध्यक्ष उमेश प्रसाद ने बताया कि कथा से पूर्व 14 फरवरी को विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा कथा स्थल से निकलकर स्वर्णरेखा नदी तक जाकर वापस कथा स्थल लौटेगी। इसमें शामिल होने वाले 2100 कलश यात्रियों का निबंधन कार्य प्रगति पर है।

खबर एक नजर में

इंडियन ओवरसीज बैंक का मना 89वीं स्थापना दिवस

रांची। इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपनी 89वीं स्थापना दिवस को सोमवार को भव्यता और महत्वपूर्ण सामुदायिक कल्याण पहलों के साथ मनाया। इस अवसर पर बैंक ने झारखंड राज्य के विभिन्न स्थानों पर मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया। रक्तदान शिविर के साथ-साथ एक मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर क्लब रोड शाखा में आयोजित किया गया। जिससे स्थानीय समुदाय को महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। सीआरएम मनीष कुमार ने व्यक्तिगत रूप से ग्राहकों से मुलाकात की और उनके निरंतर समर्थन के लिए अपना दिल से आभार व्यक्त किया।

डीपीएस के शिक्षक को पितृशोक

रांची। डीपीएस रांची के शिक्षक अमित पांडेय के पिता प्रो. रमेश चंद्र पांडेय का निधन हो गया। प्रो रमेश चंद्र पाण्डेय सेवानिवृत प्रोफेसर व पूर्व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान योगदा सत्संग महाविद्यालय धुर्वा के निधन से शिक्षक समाज आहत है। इनका शालीन एवं सामाजिक व्यक्तित्व छात्रहित को समर्पित रहा है, जो सामाजिक मूल्यों का उत्कृष्ट उदाहरण एवं प्रेरणाश्रोत है। वह अपने पीछे पत्नी और बच्चों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए समस्त कार्यक्रम उनके निवास स्थान प्रेमनगर, रोड नंबर 6, लटमा रोड, सिंहमोड़, हटिया, रांची से संपन्न होगा।

आदिवासी छात्र संघ ने जैक अध्यक्ष को मांग पत्र सौंपा

रांची। आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में रविवार को झारखण्ड अधिविद्य परिषद अध्यक्ष नटुवा हांसदा से शिष्टाचार मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि इनकी मांगों पर विचार किया जायेगा। इस दौरान राँची विश्वविद्यालय अध्यक्ष मनोज उरांव, रांची जिला अध्यक्ष राजू कुमार उरांव, डॉ. श्यामा प्रसाद विश्वविद्यालय अध्यक्ष विवेक तिर्की, श्यामा प्रसाद उप कोषाध्यक्ष पायल बांडो, दिनेश उरांव, राहुल उरांव, लक्ष्मण उरांव, देवदर्शन उरांव, संदीप उरांव आदि शामिल थे।

मीना सिन्हा मीनल की दो पुस्तकों का विमोचन

रांची। विश्व पुस्तक मेला नई दिल्ली में रविवार को झारखंड की लेखिका 'मीनू' मीना सिन्हा की दो पुस्तकों का विमोचन किया गया। उनकी छठवीं पुस्तक 'अखंड अहिवात' और 'इंडिया नेटबुक्स' तथा सातवीं पुस्तक 'कश्मीर से कन्याकुमारी' लिटिल बर्ड प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन फारुख आफरीदी, राजेश कुमार, प्रताप सहगल, राम स्वरूप दीक्षित, डॉ. संजीव कुमार, डा. मीरा सोनी, कुसुमलता सिंह के द्वारा किया गया।

संत माईकल्स विद्यालय में परीक्षा पे चर्चा का सीधा प्रसारण

रांची। संत माईकल्स विद्यालय जाजपुर में सोमवार को परीक्षा पे चर्चा- 2025 का सीधा प्रसारण कक्षा 6 से लेकर 11 तक के छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को दिखाया गया। विद्यार्थी इस चर्चा को लेकर काफी उत्साहित थे। प्रधानमंत्री जी जिस प्रकार बच्चों के मन में उठ रहे प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे, उससे उनकी सकारात्मक सोच की झलक बखूबी मिल रही थी। बच्चे भी सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित हो रहे थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सुभाष कुमार ने बच्चों के उत्साह की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से दिखाने में विद्यालय प्रबंधन का अहम योगदान रहा।

उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को ज्ञापन सौंपा

रांची। एनएसयूआई के राज्य उपाध्यक्ष अमन अहमद ने सोमवार को उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रांची विश्वविद्यालय द्वारा नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति प्रक्रिया संचालित है और अभ्यर्थियों का शैक्षणिक दस्तावेज सत्यापन किया जा रहा है। इस नियुक्ति में यूजीसी की अहर्ता सम्बन्धी नियमावली का अक्षरशः अनुसरण किया जा रहा है जबकि यूजीसी ने स्वयं ही राज्य सरकार एवं राज्य विश्वविद्यालयों से कहा है कि अपने राज्य में संचालित विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति हेतु राज्य लोक सेवा आयोग नियुक्ति नियमावली बना सकती है और इसी नियमावली से नियुक्ति की जानी चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलपियांड का द्वितीय विजेता बना शिवांस दत्ता

रांची। हिंदी ओलपियांड फाउंडेशन द्वारा आयोजित एवं रक्षा मंत्रालय एवं विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलपियांड में प्रतियोगी शिवांस दत्ता, कक्षा-3, गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल रांची को विद्यालय स्तर पर द्वितीय स्थान दिलाकर रजत पदक जीता है।

बदतर सड़क और जर्जर बिजली पोल से बदहाल राजधानी

संजीव मिश्रा

रांची। राजधानी रांची में मूलभूत समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। यहां की सड़कें और बिजली बदहाल अवस्था में है। खराब सड़कें देखकर ऐसा महसूस नहीं होता है यह राजधानी रांची की सड़क है। राजधानी के ज्यादातर इलाकों में सड़कों पर गहरे गड्ढे हैं। जिसकी वजह से हादसे होते रहते हैं। राजधानी के मोराबादी, थड़पखना, रातू रोड, नयासराय, बरियातू, कर्बला चौक की सड़कों की हालत खस्ता है। आलम यह है कि इनको दोबारा बनाने की जगह मिट्टी और गिट्टी डालकर इन्हें ठीक किया गया है। सड़कों पर गहरे गड्ढे सड़क हादसों को दावत दे रहे हैं। प्रशासन सो रहा है शायद उसे किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है।

सबसे अधिक मोरहाबादी से बोड़ेया जाने वाली सड़क की स्थिति जर्जर हो गयी है जिससे प्रतिदिन भारी जाम लगता है। चिरौंदी से करमटोली चौक तक 3 किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग 45 मिनट का समय लग जाता है।

बिजली के अलावा टेलीफोन व इंटरनेट के तार के जाल गलियों में देखे जा सकते हैं : राजधानी के नयासराय, कोकर से कांटाटोली जाने वाला रास्ता, मोराबादी कुसुम विहार, घाघरा सहित अन्य इलाके में लटकते बिजली के तार यहां के निवासियों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। बिजली के अलावा टेलीफोन व इंटरनेट के तार के जाल गलियों में देखे जा सकते हैं। तार के बोझ से खंभे झुक गए हैं। इस कारण तार नीचे तक लटक गए हैं। तारों के जंजाल की वजह से यहां के निवासियों के बीच हमेशा हादसे का डर बना रहता है। अक्सर शॉर्ट-सर्किट की घटनाएं भी होती रहती हैं। अधिकांश बिजली के खंभे को पत्तियां इस तरह जकड़ चुकी हैं कि वह खंभे कम वृक्ष ज्यादा नजर आते हैं।

शहर के अधिकांश इलाकों में स्ट्रीट लाईट नहीं जलती : कहने को तो राजधानी की सड़कों पर स्ट्रीट लाईट लगी हैं, लेकिन आप मोराबादी कुसुम विहार, करमटोली से मेन रोड जाने वाली सड़क, नामकुम ओवरब्रिज, कर्बला चौक सहित अन्य इलाकों की स्ट्रीट लाईट का भी हाल बेहाल है।

शहर के विकास में जो भी संभव होगा शीघ्र किया जायेगा : मंत्री

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि नगर विकास मंत्री बने हुए मात्र दो माह हुआ है। मेरे संज्ञान में ये बातें आई है तो इसको लेकर जल्दी समीक्षा बैठक की जाएगी और राज्य के विकास के लिए खास करके राजधानी के विकास के लिए जो संभव होगा यथाशीघ्र किया जायेगा।

आम लोगों ने कहा : डोरंडा निवासी अब्दुल रबनवाज ने कहा कि हमें गर्व होता है कि हम राजधानी में रहते हैं। लेकिन शहर का हाल देखने पर निराशा हाथ लगती है। वहीं मोरबादी निवासी हिया ने कहा कि झारखंड बनने पर खुशी हुई, पर विकास के मामले में हम पिछड़ गए।

सड़क हादसे में श्रद्धालुओं की मौत का मामला

कुंभ स्नान कर लौट रही थी सोनिया

- परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल
- गांव में पसरा है मातमी सन्नाटा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। यूपी से महाकुंभ स्नान कर रातू के नवांसोसो लौट रही केरली पब्लिक स्कूल, रांची की शिक्षिका 34 वर्षीया सोनिया कुमारी की सड़क हादसे में मौत के बाद गांव में मातमी सन्नाटा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अप्रैल में उसकी शादी होने वाली थी। वह मनोहर प्रमाणिक की पुत्री और पांच बहन में छोटी थी। हजारीबाग के सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के उपरांत, शाम 6 बजे उसका शव को पैतृक घर लाया गया। मृतका का एक झलक पाने के लिये भीड़ उमड़ पड़ी। शव को देख लोग फफक पड़े। माहौल पूरी तरह गमगीन था। सबकी आंखें नम थी। देर रात उनकी अंत्येष्ठि कर दी गयी। शवयात्रा में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा भाई दीपक प्रमाणिक व बहन लक्ष्मी देवी हैं। वह बुंडू में रहती हैं। उसकी मां बेटी के घर राउरकेला गयी थी। बताते चलें, कि सोनिया, स्कूल की शिक्षिकाओं के साथ भाड़े की सुमो विकटा में शनिवार को प्रयागराज गयी थीं। सोमवार की सुबह वापसी के दौरान हजारीबाग के चौपारण स्थित एक मालवाहक ट्रक ने सूमो को अपनी चपेट में ले लिया। इससे सोनिया समेत तीन श्रद्धालु महिलाओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी थी। वहीं, दुर्घटना में सूमो के परखच्चे उड़ गये। हादसे से लोग स्तब्ध हैं।

चुरी कोलयरी गेट के पास अपराधियों ने सात राउंड फायरिंग कर चेताया

लिफ्टर सीसीएल कर्मी के पैर में लगी गोली, घायल

- अपराधियों के टारगेट में हैं डीओ होल्डर व लिफ्टर

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। एनके एरिया अंतर्गत चुरी कोलयरी गेट के स्थित मंगू होटल के पास तीन बाइक में सवार लगभग सात हथियारबंद अज्ञात अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दहशत फैलाया। जानकारी के अनुसार चुरी परियोजना के पास मंगू होटल में लोकलसेल में लगे लिफ्टर व डीओ होल्डर खड़े थे। इस दौरान तीन बाइक में सवार छः से सात अपराधी आकर पूछताछ करते हुए लिफ्टर व डीओ होल्डर का नाम पूछने लगे। इसी दौरान लिफ्टरों को देख निशाना साध कर गोली चलाने लगा। अपराधियों के अंधाधुंध फायरिंग में लिफ्टर सीसीएल कर्मी प्रदीप साहू को पैर में गोली लग गया। गोली लगने से प्रदीप जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद घायल अवस्था मे उसे केंद्रीय अस्पताल डकरा लाया गया। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए राँची भेजा गया। वही घटना के बाद चुरी परियोजना में लोकल सेल पूरी तरह रुक गया। पूरे कोयलांचल क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। घटना के बाद नजदीक में सीआईएसएफ कैम्प से पूरे दल बल के साथ जवान मौजूद हो गए। घटना के बाद खलारी पुलिस उपाधीक्षक आरएन चौधरी मौके पर पहुँचकर जांच पड़ताल कर खोखा बरामद किए। घटना के बाद पुलिस अपराधियों को धरपकड़ के गश्ती जारी है।

खबर एक नजर में

जिला परिषद अध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक

सोनाहातू। जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत ने सोमवार को सोनाहातू प्रखंड कार्यालय में अंचल व प्रखंड कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक किया। इस दौरान? उन्होंने प्रखंड क्षेत्र में चल रहे विकास योजनाओं के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं की बारी बारी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में पंचायत के जन प्रतिनिधियों की भूमिका अहम होती है। अतः इनके सम्मान में कोई कमी कभी भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रखंड को बेहतर बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मिलकर काम करें। गांवों में पलायन एक समस्या है योजनाओं के माध्यम से रोजगार का सृजन करें ताकि पलायन को रोका जा सके। इन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का निगरानी करने को कहा। मौके पर जिप उपाध्यक्ष बीना चौधरी, पूर्व जिप अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, जिप सदस्य मंजू सिंह मुंडा, उप प्रमुख सबिता देवी,बीडीओ खगेश कुमार, सीओ मनोज महथा, बीपीओ गोपाल ठाकुर, चिकित्सा प्रभारी डॉ जयराम शर्मा, मुखिया अबनी सिंह मुंडा, सविता देवी, पंसस धरनी देवी, जगदीश महतो, जगन्नाथ सिंह मुंडा, अंचल निरीक्षक बंकिम चंद्र गांगुली, समेत सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

मैट्रिक परीक्षा की सारी तैयारी पूरी

चान्हो/मांडर। जैक बोर्ड द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा 2025 के सफल संचालन को लेकर इससे जुडी सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। गई है। मैट्रिक परीक्षा के लिए मांडर में चार और चान्हो प्रखंड में कूल छह केंद्र बनाए गए हैं। मांडर बीपीओ गुलाम सरवर ने बताया कि मांडर प्रखंड से कूल 1464 बच्चे 2025 मैट्रिक परीक्षा में शामिल होंगे, जिसके लिए 4 केंद्र बनाए गए हैं। गवर्मेंट हाई स्कूल सोसई आश्रम में 195, संत अन्ना हाई स्कूल मिशन में 555, संत जेवियर हाई स्कूल मांडर में 335 और प्लस 2 स्कूल सोसई में 379 विद्यार्थियों के लिए सेंटर बनाया गया है। वहीं चान्हो प्रखंड के 1711 परिक्षार्थियों के लिए छह केंद्र बनाए गए हैं। बीपीओ मो इम्तियाज के अनुसार प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल ओपा में 302, उत्क्रमित हाई स्कूल सोस में 312, वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज पोडाटोली में 329, अपग्रेड हाई स्कूल चान्हो में 290, प्रोजेक्ट हाई स्कूल टांगर में 231 और सरस्वती शिशु मंदिर बिजुपाड़ा में 247 बच्चे परीक्षा देंगे।

जीपीहाई स्कूल हेसल में 10 वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई '

अनगडा। प्रखंड के हेसल गांव स्थित जीपी मध्य एवं उच्च विद्यालय हेसल में दसवीं के छात्र-छात्राओं को विदाई दी गई। इस विदाई समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में रांची विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कॉमर्स के डीन डॉ अमर कुमार चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर कुमुद कला मेहता उपस्थित थे। डॉ अमर कुमार चौधरी डॉक्टर कुमुद कला मेहता विद्यालय के प्राचार्य ब्रजेश कुमार महतो एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया विदाई समारोह में वर्ग नवी के छात्र-छात्राओं के द्वारा विदाई गीत एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसने सबका मन मोह लिया।

स्कूल के समीप बिजली का करंट प्रवाहित है गाय की हुई मौत

ओरमांझी। कस्तुरबा गांधी अवासीय विद्यालय ओरमांझी के समीप बिजली ट्रांसफार्मर की अर्थिंग तार में बिजली प्रभावित थी। एक गाय की चपेट में आकर मौत होने के बाद लोगों को इसकी जानकारी हुई। बताया गया कि सोमवार को चेतनबारी निवासी बिरसा महतो की दुधारू गाय चरते हुए जैस ही बिजली ट्रांसफार्मर की पास पहुंची, तार के चपेट में आ गई। जिस स्थान पर घटना हुई वहां सड़क किनारे ही बिजली का ट्रांसफार्मर लगा है, और तार रास्ते में ही लगा है। बताया गया कि उक्त रास्ते से स्कूली बच्चों के साथ काफी संख्या में लोगों का आना जाना लगा रहता है। बिजली करंट होने की जानाकरी किसी को नही थी। कोई भी उस करंट की चपेट में आ सकता था। वहीं पिड़ित का बेटा आनंद महतो ने कहा गाय प्रति दिन दोनो टाइम दुध देती थी। गाय लगभग 50 हजार की थी। घटना के बाद पहुंचे लोगों द्वारा बिजली विभाग की लापरवही के प्रति नाराजगी जताते हुए किसान को मुआवजा देने की मांग की गई है।

फसल सुरक्षा पर एक दिनी किसान गोष्ठी आयोजित

रातू। कृषि विभाग के फसल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत सोमवार को एक दिनी किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कनीय पौधा संरक्षण कार्यालय, रांची की ओर से प्रायोजित गोष्ठी में प्रखंड के दर्जनों कृषक शामिल हुये। इसमें महिलाएं भी थीं। कार्यक्रम में प्रमुख संगीता तिर्की, उप प्रमुख रियाजुल अंसारी, बीडीओ शैलेंद्र कुमार चौरसिया बतौर अतिथि थे। बीटीएम मुन्नी कुजूर ने गोष्ठी का संचालन करते हुये अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रखंड के पौधा संरक्षण केंद्र प्रभारी रघुनंदन प्रजापति, अब्दुल कादिर व अमित भूषण बतौर मास्टर ट्रेनर कृषकों को आर्गेनिक खेती के लिये प्रेरित कर मिट्टी की उर्वरक क्षमता बढ़ाने और कृषि ऊपज दोगुना करने में गोबर खाद की उपयोगिता खास पर जोर दिया। मौके पर कृषक मित्र नरेश प्रामाणिक, शिवकुमार महतो, सुनिल तिर्की, महतिम उरांव, कादिर अंसारी, बंधन महतो, जाकिर हुसैन व अजय मुंडा आदि मौजूद थे।

विश्वनाथ भगत की चतुर्थ पुण्यतिथि आज

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के बारीडीह गांव स्थित पड़हा जतरा मैदान में सोमवार को पड़हा संचालन समिति की एक बैठक हुई। बैठक में मंगलवार पूर्व विधायक सह पड़हा संचालन समिति के संरक्षक स्व विश्वनाथ भगत की चतुर्थ पुण्यतिथि स्मृति दिवस मनाई जाएगी। जिसमें झारखंड के आंदोलनकारियों, पड़हा राजा, दीवान व पड़हा प्रेमियों को समय से शामिल होने की आग्रह किया है। बैठक में केंद्रीय पड़हा संचालन समिति के अध्यक्ष जुगेश उरांव, सचिव धनंजय कुमार राय, 12 व 21 पड़हा के सचिव चरवा उरांव, लीला मुंडा, रशीद मीर, भोला उरांव, बबलू उरांव सहित कई लोग मौजूद थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के सभागार में विदाई सह आशीर्वाद-दीक्षा समारोह

खलारी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के सभागार में विदाई सह आशीर्वाद-दीक्षा समारोह का आयोजन कर कक्षा बारहवीं के छात्रों को विदाई दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के सचिव लोकनाथ राणा, उपाध्यक्ष अवधेश सिंह एवं सीसीएल ट्रेनर राकेश रौशन जी थे। मौके पर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में छात्रों के मंगलमय भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सदैव प्रगति करते रहने की प्रेरणा दी। वही प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा ने छात्रों को जीवन में सदैव अनुशासित जीवन शैली को अपनाने की सलाह दी। समारोह में छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें वर्ग द्वादश का छात्र नवीन कुमार को मिस्टर फेयरवेल एवं सरस्वती कुमारी को मिस फेयरवेल के खिताब से नवाजा गया। कार्यक्रम में 12वीं के छात्रों ने अपने अनुभव कथन में कहा कि शिक्षकों से मिला मार्गदर्शन हमें जीवन भर याद रहेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्यारहवीं के छात्रों का योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकेतर कर्मचारियों ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

स्कूल है दूर छात्रों को मिली साइकिल

साइकिल मिलने के बाद छात्र अतिथि के साथ।

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के राज्यकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुरूम के स्कूली 11 छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि बीरेंद्र मुंडा ने सभी को साइकिल दिया और कहा क्लयाण योजन के तहत सभी बच्चों को साइकिल दिया गया है। विद्यालय आने वाले कई छात्र-छात्राएं स्कूल से दूर रहते हैं। उन्हे स्कूल से आने में सुविधा होगी। वहीं साइकिल मिलने से सभी छात्र-छात्राएं काफी खुश थें। मौके पर शिक्षक सुनीता देवी, गीता देवी, गांव के जयवीर बेदिया, बालक बेदिया, मालती देवी व महेंद्र उरांव आदि उपस्थित थें।

सीएचसी बेड़ो का कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया औचक निरीक्षण

निरीक्षण करतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की।

- व्यवस्था की कमियों को दूर करने का दिया निर्देश

बेड़ो। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को बेड़ो प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। मंत्री ने अस्पताल में उपलब्ध दवाओं व वैक्सीन की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न वार्डों निरीक्षण किया। साथ ही पदाधिकारियों को व्याप्त कमियों को शीघ्र ही सुधार करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री मरीज वार्ड पहुंचे। मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लिया। साथ ही नवजात शिशु एवं उनकी माताओं से मिलकर उनकी स्वास्थ्य की भी जानकारी लिया। वहीं मंत्री ने बीपीएम अमिता लाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सफल संचालन की व्यवस्था के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

उदय बीएड कालेज में खेल प्रतियोगिता शुरू

खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते अतिथि।

ओरमांझी। उदय मेमोरियल बीएड कॉलेज केदल में सोमवार को तीन दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन हुआ। कालेज के सचिव संतोष महतो, निदेशक राजेश कंडरवार उदघाटन किया। इस अवसर पर बीएड व डीएलएड विभिन्न विभाग व सदन के प्रशिक्षु छात्र छात्राओं द्वारा परेड किया गया। वहीं प्राचार्य डॉ चन्दन कुमार पंकज ने कहा वार्षिक खेल प्रतियोगिता में जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, वॉलीबाल, कैरम, शोटपुट थ्रो, चेस, टेबल टेनिस, दौड़, कब्ड्डी, बैडमिंटन, बाधा दौड़, रस्सा-कस्सी, जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता को लेकर छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह है। मौके पर उपप्राचार्या दयामनी कुमारी, डीएलएड विभागाध्यक्ष स्वाती अंजना टोप्पो, जनसूचना पदाधिकारी मुकेश कुमार कंडरवार, कार्यालय प्रबंधक रूपेश कुमार कंडरवार, अलका कुमारी, निर्मला कुमारी, संदीप कुमार महतो, जन्मजय महतो व प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं उपस्थित थें।

महिला सहित चार लोग घायल

मांडर। थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला सहित चार लोग घायल हो गये। घायलों में मांडर के पुनगी निवासी पिता-पुत्री पचास वर्षीय गोयन्दा उरांव और चौबीस वर्षीय ममता उरांव और बाजरा नरकोपी के रोशन उरांव 17 व राहुल उरांव 18 वर्ष शामिल हैं। घायलों में गोयंदा, रोशन और राहुल को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज हेतु रिम्स रेफर किया गया है। पहली घटना सोमवार दोपहर करीब दो बजे एनएच 75 में मांडर टोल प्लाजा के निकट की है जहां हनहट से एक शादी समारोह में शामिल होकर घर जा रहे पिता पुत्री की बाइक को पीछे चल रहे दूसरी बाइक ने धक्का मार दिया जिससे वह सड़क पर गिर कर घायल हो गये। दूसरी घटना सोमवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे मांडर टांगरबसली रोड में पापड़ भट्ठा के निकट की है जहां बाइक सवार रोशन उरांव व राहुल उरांव को एक टर्बो ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: डीआरएमईएनजीजी आरएनसी-13-2025, दिनांक: 10.02.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/अभियांत्रिकी/दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** रांची मंडल के अधिकार क्षेत्र के लिए बाकुडीह/बड़हरवा/पिनरगड़िया/पाकुड़/राजग्राम/तालझड़ी क्वैरी साइडिंग पर 50 मिमी. आकार के 107745 घन मीटर मशीन चूर्ण कड़े स्टोन ट्रैक बैलास्ट की आपूर्ति तथा रेलवे वैगनों/हॉपरों में लदायी (माप गंतव्य पर लिया जायेगा)। **निविदा मूल्य:** ₹ 15,73,05,545.10। **जमा बयाना राशि:** ₹ 9,36,500। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 03.03.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। ऑनलाइन निविदा के लिए निविदादाता वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-1119)

कार्यालय जिला परिषद, गुमला

बन्दोबस्ती हेतु अति अल्पकालीन आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये सिसई प्रखण्ड अन्तर्गत सैरात (सिसई बाजार टांड मेला) की बन्दोबस्ती हेतु दिनांक 22.02.2025 को अनुमण्डल पदाधिकारी, गुमला के कार्यालय परिसर पर अपराह्न 3:00 बजे डाक बोली लगायी जायेगी जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्रम	सैरात का नाम	न्यूनतम डाकबोली	जमानत की राशि	आवेदन प्रपत्र शुल्क
01	प्रखण्ड सिसई अन्तर्गत सैरात (सिसई बाजार टांड मेला)	17,52,000.00 (सतरह लाख बावन हजार मात्र)	1,75,200.00 (एक लाख पचहतर हजार दो सौ मात्र)	1800.00 (एक हजार आठ सौ रू0 मात्र)

उक्त डाकबोली में भाग लेने हेतु नियम एवं शर्तें कार्यालय जिला परिषद, गुमला के सूचना पट्ट एवं गुमला जिले के वेबसाईट (gumla.nic.in) पर देखा जा सकता है।

सचिव,
जिला परिषद, गुमला

PR 346193 Rural Development(24-25)#D

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा (जिला पंचायत शाखा)

:: अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना ::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंचायती राज विभाग, झारखण्ड, रॉची के पत्रांक 466 दिनांक 01.03.2023 एवं पत्रांक 180 दिनांक 24.01.2025 एवं दिनांक 08.02.2025 को निविदा निस्तारण समिति की बैठक की कार्यवाही के कंडिका सं0- क (iv) एवं ख (iv) में लिए गए निर्णय के आलोक कोडरमा जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में चयनित कुल-13 पंचायत ज्ञान केन्द्रों में उपलब्ध करायी जाने वाली सामग्रियों एवं कुल -37 चयनित पंचायत ज्ञान केन्द्रों में उपलब्ध करायी जाने वाली पुस्तकों में एकरूपता एवं गुणवत्ता रखने के उद्देश्य से Rate Contract करने हेतु सामग्री एवं पुस्तक के लिए अलग-अलग अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है, जो उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिशद्, कोडरमा की अध्यक्षता में खोला जाएगा।

क्र0	इकाई	विवरणी
1	विज्ञापनदाता का नाम	उप विकास आयुक्त, कोडरमा
2	निविदा/कोटेशन प्राप्त करने की तिथि	दिनांक- 17/02/2025 के 2:00बजे अपराह्न तक
3	निविदा/कोटेशन जमा करने की स्थान	जिला पंचायत राज कार्यालय, कोडरमा
4	निविदा निस्तारण की तिथि	दिनांक- 17/02/2025 के 03:00 बजे अपराह्न से
5	निविदा निस्तारण का स्थान	जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार, कोडरमा

निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ कार्यालय के सूचना पट्ट एवं जिले के अधिकारिक वेबसाईट www.koderma.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/-
उप विकास आयुक्त-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, कोडरमा।

PR.NO.346220 Panchayati Raj(24-25):D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय रामगढ़

email:-sp-ramgarh@jhpolice.gov.in

आवश्यक सूचना
सर्वसाधारण के लिए

उपरोक्त माण्डू थाना कांड सं0-122/2024, दिनांक-28/05/2024 धारा-366(ए) भा0द0वि0 एवं 04 पोक्सो एक्ट के फरार प्राथमिकी अभियुक्त 1.संतोष साव उर्फ पाण्डेय, उम्र-करीब 32 वर्ष, पिता-स्व0 महाबीर साव, सा0-सिमरबेड़ा, थाना-विष्णुगढ़, जिला-हजारीबाग का द0प्र0स0 की धारा-82 के तहत माननीय न्यायालय से इश्तिहार निर्गत किया गया है।

Court of Sri Alok Dubey, P.D.J. Ramgarh (Jharkhand)
Schedule XLII High Court (M)31,C(Old Priocess No,4)
PROCLAMATION REUIRING THE APPERANCE OF A PERSON ACCUSED
[Form No. 4 Schedule II Act 2 1974.](Section 82 of the code of Criminal Procedure.)

1. नाम एवं सील पता चूंकि मेरे पास नालिश की गई है(1)
फरार अभियुक्त 1. संतोष साव उर्फ पाण्डेय, उम्र-करीब 32 वर्ष, पिता-स्व0 महाबीर साव, सा0-सिमरबेड़ा, थाना-विष्णुगढ़, जिला-हजारीबाग
2. **किया है या करने पर उसपर**
शुबहा है। जो व मुजीब दफा मजमूअए ताबीरात हिन्द
के सजा लायक है (2) माण्डू थाना कांड सं0-122/2024, दिनांक-28/05/2024 धारा-366(ए) भा0द0वि0 एवं 04 पोक्सो एक्ट
3. **नाम फरार प्राथमिकी अभियुक्त संतोश साव उर्फ पाण्डेय, उम्र-करीब 32 वर्ष, पिता-स्व0 महाबीर साव, सा0-सिमरबेड़ा, थाना-विष्णुगढ़, जिला-हजारीबाग**
और व तामिल वारंट गिरफ्तारी जो बाद अर्जा जारी
हुआ वा यह कैफियतदी गई कि (3) जब
4. **फरार हुआ है या रूपेश है**
तर्के वारन्ट मजकुर सपर जारी न हो सकेपाये नहीं जाते और चूकिब-तशफ्फी हमारे साबित किया गया है कि (4)
5. माकामा सा0-(1)संतोश साव उर्फ पाण्डेय, उम्र-करीब 32 वर्ष, पिता-स्व0 महाबीर साव, सा0-सिमरबेड़ा, थाना-विष्णुगढ़, जिला-हजारीबाग धारा-366(ए) भा0द0वि0 एवं 04 पोक्सो एक्ट।

फरार मजकूर इसलिए
बजरिये इस के इश्तिहार दिया जाता है कि
02/02/2025
मजकूर साकिन
ब-मौकाम(5)
अ-हुजूर(6)

6. **इस अदलतव रूबरू मेरे।**

ब-तारीख 02 माह 02 नालिश मजकूर 2025
करे जवाब देही के लिए हाजिर हो
आज तारीख 02 माह 01 सन् 2025

Sd-Sri Alok Dubey,
P.D.J. Ramgarh (Jharkhand)

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदी फरार प्राथमिकी अभियुक्त संतोश साव उर्फ पाण्डेय, कही मिलते/देखते है तो इसके संबंध में पुलिस अधीक्षक का कार्यालय रामगढ़/Court of Sri Alok Dubey, P.D.J. Ramgarh के न्यायालय में इसकी सूचना दे ताकि निम्नांकित फोन नंबर पर सम्पर्क कर इसकी जानकारी दे।

पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रामगढ़:-9631076114
थाना प्रभारी माण्डू थाना रामगढ़:-9431706324

PR.NO.346154 Police(24-25):D

पुलिस अधीक्षक, रामगढ़।

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा

(Phone: 06541.222288, E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

-बंदोबस्ती हेतु आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतरा जिला परिषद क्षेत्रान्तर्गत कार्यालय परिसर में डाकबंगला एवं सभाकक्ष 16 कमरा एवं उपस्कर सहित Builtup Area-5254.50 sft) का आवंटन खुला डाक के माध्यम से तीन वर्षो के लिए किया जाना है। बन्दोवस्ती डाकवक्ता के द्वारा बोली गई अधिकतम डाक की राशि पर आवंटित किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 13.02.2025 से 20.02.2025 तक "चतरा जिला परिषद कार्यालय" के एक खिड़की से फार्म 10000/-(दस हजार रू0) की डिमाण्ड ड्राफ्ट जो "उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद चतरा" के नाम से भुगतेय हो जमा कर फार्म प्राप्त कर सकता है। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 21.02.2025 को (कार्यालय कार्य अवधि) है। इसके पश्चात् आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। यह राशि किसी भी परिस्थिति में लौटाया नही जायेगा। डाकबोली हेतु समर्पित आवेदन के समीक्षोपरान्त दिनांक 24.02.2025 को 02.00 बजे अपराह्न डाकबोली "जिला परिषद सभाकक्ष" में प्रारम्भ की जायेगी।

भवन का नाम एवं विशिष्टियां	न्यूनतम डाक की राशि (एक वर्ष के लिए)	जमानत की राशि (तीन वर्षो के लिए)
कार्यालय परिसर में डाकबंगला एवं सभाकक्ष 30 कमरा एवं उपस्कर सहित कुल कमरो की संख्या- 16 (Attach with Bathroom) हॉल की संख्या -01 किचन की संख्या -01 संख्या स्टोर रूम की संख्या -01 (उक्त डाकबंगला पूर्ण रूपेण सुसज्जीकृत है।	12 लाख	3 लाख साठ हजार

1. बन्दोबस्ती प्रक्रिया खुली डाक के माध्यम से अपनाई जायेगी।
2. डाक बोली में उसी डाकवक्ता को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी, जो वांछित कागजात (Technical Bid) की अहर्ता रखता हो।
3. आधुनिक डाकबंगला की बन्दोबस्ती की न्यूनतम डाक की राशि मो0 1200000 (बारह लाख रू0) प्रति वर्ष, तीन वर्ष के लिए-3600000 (छत्तीस लाख रू0) के लिए निर्धारित की गयी है। उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
4. सुरक्षित/जमानत की राशि मो0 360000/- (तीन लाख साठ हजार रू0) बैंक ड्राफ्ट द्वारा **"उप विकास आयुक्त-सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद चतरा"** के पदनाम से जिला परिषद,चतरा कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्ताओं की जमानत की राशि सफल डाकबक्ता के साथ एकरारनामा के तुरन्त बाद वापस कर दी जायेगी।
5. सफल डाकवक्ता को उच्चतम डाक की राशि का 50%जमानत राशि के रूप में एवं 50% राशि भवन संचालन के लिए छः माह का अग्रिम एकरारनामा के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
6. जिला परिषद में किसी भी प्रकार का बकाया रखने वाले व्यक्ति/फर्म बन्दोबस्ती हेतु डाक में भाग नही लेगे।
7. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
8. अन्य डाक की नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी जिला परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट एवं WWW.chatra .nic.in पर देखा जा सकता है, जो इस सूचना का एक अभिन्न अंग होगा।

उप विकास आयुक्त-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद चतरा

PR.NO.346209 District(24-25):D

कार्यालय, अनुमण्डल पदाधिकारी -सह-अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमरिया (चतरा)।

-: निषेधाज्ञा आदेश :-

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163

उपायुक्त, चतरा के आदेश ज्ञापांक-254/स्था0, दिनांक-08.02.2025 के आलोक में झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, रॉची द्वारा संचालित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा-2025 एवं वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा-2025, दिनांक-11.02.2025 से 03.03.2025 तक प्रथम पाली में (पूर्वाह्न-9.45 से 1.00 बजे अपराह्न तक) तथा द्वितीय पाली में (अपराह्न 2.00 बजे से 5.15 बजे अपराह्न तक) संचालित होगी। इस संदर्भ में सिमरिया अनुमण्डल अन्तर्गत पड़ने वाले विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, चतरा के द्वारा की गई है। उक्त अवसर पर निर्देशित है कि परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा समाप्ति तक केन्द्रों के 200 मीटर परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू करने की कार्रवाई की जायेगी।

तद्नुसार उक्त परीक्षा में विधि-व्यवस्था बनाये रखने एवं परीक्षा को कदाचार मुक्त तथा शान्ति पूर्ण संपन्न कराने हेतु निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर 200 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा आदेश लागू करना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः **मैं सन्नी राज(भा0प्र0से0) अनुमण्डल दण्डाधिकारी-सह-अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमरिया भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए परीक्षा अवधि के दौरान विभिन्न परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा आदेश लागू करता हूँ।** परीक्षा केन्द्र जिस पर निषेधाज्ञा आदेश प्रभावी रहेगा, इनकी विवरणी निम्नवत् है :-

क्र0	वर्षिक माध्यमिक परीक्षा-2025, परीक्षा हेतु परीक्षा केन्द का नाम	थाना/प्रखण्ड क्षेत्र का नाम	इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान, वाणिज्य) परीक्षा-2025 परीक्षा हेतु परीक्षा केन्द का नाम	थाना/प्रखण्ड क्षेत्र का नाम	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1.	गंगा स्मारक उच्च विद्यालय, गिद्धौर।	गिद्धौर	एस0एस0+2 उच्च विद्यालय, सिमरिया।	सिमरिया।	
2.	मध्य विद्यालय, गिद्धौर।		सिमरिया इंटर कॉलेज, सिमरिया।		
3.	जनता उच्च विद्यालय, पत्थलगडा।	पत्थलगडा	किसान उच्च विद्यालय, डाढी।		
4.	उत्क्रमित उच्च विद्यालय, नावाडीह, पत्थलगडा।		उत्क्रमित उच्च विद्यालय, नावाडीह, पत्थलगडा।	पत्थलगडा।	
5.	राज्य संपोषित उच्च विद्यालय, सिमरिया।	सिमरिया।	उत्क्रमित उच्च विद्यालय, लमटा, लावालौंग।	लावालौंग।	
			एस0एस0+2 उच्च विद्यालय, टण्डवा।	टण्डवा।	
			परियाजना बालिका उच्च विद्यालय, टण्डवा।		
6.	किसान उच्च विद्यालय, डाढी, सिमरिया।		राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, टण्डवा।		
7.	सिमरिया इंटर कॉलेज, सिमरिया।				
8.	बुनियादी विद्यालय, सिमरिया।				
9.	मध्य विद्यालय, बगरा मोड, सिमरिया।	सिमरिया।	मध्य विद्यालय, गिद्धौर।	गिद्धौर।	
10.	उत्क्रमित उच्च विद्यालय, लावालौंग।	लावालौंग।	-	-	
11.	उत्क्रमित उच्च विद्यालय, लमटा, लावालौंग।				
12.	वनांचल इंटर कॉलेज, टण्डवा।	टण्डवा।			
13.	राज्य संपोषित उच्च विद्यालय, टण्डवा।				
14.	परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, टण्डवा।				
15.	राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, टण्डवा।				
16.	उच्च विद्यालय, बचरा।				

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा आदेश निम्न शर्तों के साथ लागू रहेगा :-

1. परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि के अन्दर कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से न तो मजमा लगायेगें और न ही ऐसा करने के लिए किसी को उकसायेगें।
2. कोई भी व्यक्ति घातक हथियार यथा लाठी, भाला, गड़ासा, तलवार एवं अन्य किसी भी तरह का आग्नेयास्त्र लेकर निषेधाज्ञा क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा।
3. अद्योहस्ताक्षरी के बगैर अनुमति का ध्वनि विस्तारक यंत्र यथा लाउडस्पीकर, किसी भी प्रकार का नारेबाजी, रैली, किसी भी प्रकार का सामूहिक कार्यक्रम आदि का प्रयोग निषेधाज्ञा क्षेत्र में नहीं किया जाएगा।
4. परीक्षा केन्द्र आदि के नजदीक किसी भी व्यक्ति के मटरगश्ती आदि करने पर पूर्णतः रोक रहेगी।
5. कोई भी व्यक्ति किसी परीक्षार्थी को कदाचार करने में न तो सहयोग करेगा और न ही चिट पूर्जा आदि पहुंचाने में प्रयास करेगा। ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर ऐसे व्यक्तियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी।
6. परीक्षा केन्द्रों पर प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी/परीक्षार्थी/पुलिस बल अथवा परीक्षा कार्य से जुड़े हुए कर्मियों/पदाधिकारियों को छोड़कर किसी का भी प्रवेश वर्जित रहेगा।
7. निषेधाज्ञा आदेश के अधीन यह आदेश विशिष्ट व्यक्तियों या विशेष स्थान या क्षेत्र में निवास करने वाले व्यक्तियों को अथवा आम जनता को जब वे उस राह से ही किसी विशेष स्थान या क्षेत्र में जाते रहते हैं या जायें निर्दिष्ट किया जा सकेगा।
8. इस धारा के अधीन निषेधाज्ञा किसी मृत व्यक्ति के दाह संस्कार अथवा धार्मिक कार्यक्रम शादी-विवाह के कार्यक्रम में शामिल व्यक्तियों के विरूद्ध शिथिल रहेगा।
9. यह निषेधाज्ञा अपने कर्त्तव्य पर तैनात पुलिस कर्मियों/दण्डाधिकारियों/परीक्षा कार्य से जुड़े हुए कर्मियों के विरूद्ध प्रभावी नहीं रहेगा।

आज दिनांक-08.02.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से यह निषेधाज्ञा आदेश निर्गत किया गया, जो दिनांक-11.02.2025 से दिनांक-03.03.2025 तक कह तिथि तक प्रभावी रहेगा।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
सिमरिया।

PR 346232 (District) 24-25 (D)

बाल विवाह एक कलंक

पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। जिससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती हैं और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े हैं कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की है। दरअसल, यह शुरूआत उन राज्यों को लेकर की गई है,जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। तथ्य यह भी कि समाज में गरीबी और बाल विवाह में सीधा रिश्ता है। एक अध्ययन के अनुसार 75 फीसदी बाल विवाह गरीब परिवारों में होते हैं। जो कालांतर गरीबी के नये दुश्चक्र को जन्म देते हैं। निश्चित रूप से हमारे समाज में गरीबी व रूढ़िवाद के चलते इस कुप्रथा को बल मिलता है। अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि संपन्न, शिक्षित और प्रगतिशील समाजों में बाल विवाह के मामले सामान्यतः नजर नहीं आते। वहीं दूसरी ओर लिंगभेद की सोच भी इन विवाहों को बढ़ावा देती है। अभिभावक विषम परिस्थितियों के चलते अल्पवयस्क लड़कियों का विवाह करके जल्दी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्वतंत्रता से पूर्व देश में वर्ष 1929 में बाल विवाह निषेध कानून बनने के बावजूद इस कुप्रथा पर अंकुश क्यों नहीं लग पाया। पहले धारणा थी कि असुरक्षाबोध के चलते बाल विवाह को बढ़ावा मिलता रहा है। कम से कम स्वतंत्र भारत में बाल विवाह की सोच नहीं रहनी चाहिए थी।

कार्टून वर्ल्ड

मेष : योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन : लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क : सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यो का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह : अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या : बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यो में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला : कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

प्रजनन दर बढ़ाए बिना कैसे हल हो आबादी का सवाल?

हमें गिरती जन्मदर की समस्या का हल तलाशना चाहिए मगर इसके लिए महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने हेतु प्रोत्साहित करने के बजाय अन्य विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए। जब से राजनेताओं और बुद्धिजीवियों ने इस सत्य को समझा है कि जनांकिकी ही नियति है, तब से वे जनसंख्या को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। यूरोप और अमेरिका में उन्होंने अवैध प्रवासियों का आगमन रोककर ऐसा करने का प्रयास किया क्योंकि प्रवासियों के कारण उनकी जनांकिकी बिगड़ रही है। भारत में हम केवल कुल प्रजनन दर (टीएफआर) बढ़ाकर ऐसा करने पर विचार कर रहे हैं। प्रति महिला 2.1 की कुल प्रजनन दर को आबादी के स्तर को स्थिर रखने के लिए उचित माना जाता है।

अक्टूबर में आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों में घटती टीएफआर की बात कहते हुए संकेत दिया कि वे परिवारों को और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे की ताजा रिपोर्ट तथा ऐसी ही अन्य रिपोर्ट के मुताबिक जहां तमिलनाडु की टीएफआर 1.8 और आंध्र प्रदेश की 1.7 है वहीं बिहार 3 की टीएफआर के साथ सबसे ऊपर है। उत्तर प्रदेश और झारखंड की टीएफआर क्रमशः 2.4 और 2.3 है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने यह मुद्दा उठाया और कहा कि महिलाओं को तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। हालांकि उन्होंने खुलकर यह नहीं कहा, लेकिन वह शायद मुस्लिमों की तुलना में हिंदुओं की कम होती प्रजनन दर की बात कर रहे थे।

दक्षिण के राज्यों की बात करें तो अगली जनगणना और परिसीमन के बाद उन्हें लोक सभा में कुछ सीटें गंवानी होंगी और वहां जन्मदर बढ़ाना प्राथमिकता नजर आ रहा है। यह कारगर नहीं होने वाला। महिलाएं केवल कुछ लाभ पाने या राजनीतिक वजहों से अधिक बच्चे नहीं पैदा करना चाहेंगी। जन्म दर में कमी आनी तब शुरू होती है जब आर्थिक हालात सुधरते हैं और महिलाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार मिलते हैं। जैसे-जैसे आर्थिक स्थिति सुधरती है, बच्चों को पालने का खर्च भी बढ़ता है क्योंकि स्कूली शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं महंगी होती हैं। ऐसे में केवल नकदी या मातृत्व अवकाश से बात नहीं बनेगी।

राजनेता और समाज विज्ञानी सोचते हैं कि उनके पास मानवीय व्यवहार को निर्देशित करने या प्रोत्साहित करने के उपाय हैं लेकिन माओ के चीन या पोल पॉट के कंबोडिया जैसे दमनकारी शासकों की तरह उनके पास ऐसी ताकत नहीं होती। बात यह नहीं है कि आप प्रोत्साहनों और दंडों की उचित प्रणाली लागू करके निजी व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकते, बल्कि यह है कि केवल इसी पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करना अंततः विपरीत परिणाम देगा।

कुछ ऐसी वजहें जिनके चलते शायद टीएफआर को नियंत्रित करके जनसंख्या नियंत्रण कर पाना मुश्किल हो सकता है। इससे सामाजिक तनाव भी बढ़ सकता है। पहली बात अगर सरकार ज्यादा बच्चों को पैदा करने को प्रोत्साहन देती है तो संभव है कि यह बात गरीबों या अवैध प्रवासियों को प्रोत्साहन दे।

दूसरी बात, किसी प्रदेश में लोक सभा सीटें कम होने के डर से टीएफआर को प्रभावित करने का विचार संविधान की इस भावना के विपरीत है कि जनसंख्या बढ़ने पर कुछ समूहों या श्रेणियों के लिए सीटें बढ़ा दी जाएं। 2001 की जनगणना में बढ़ी आबादी को देखते हुए लोक सभा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सीटें क्रमश 79 से बढ़ाकर 84 और 41 से बढ़ाकर 47 कर दी गईं। अगर यह स्वीकार्य है तो इसी तर्क पर उत्तर प्रदेश, बिहार या झारखंड की हिस्सेदारी बढ़ने का विरोध करना बेतुका है। दक्षिण के राज्यों के हितों के बचाव के अन्य तरीके अपनाए जा सकते हैं। तीसरा, दक्षिण भारत के राज्य लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण करके राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप कदम उठाए हैं जबकि अब उनका लक्ष्य बदला हुआ नजर आता है। घटती प्रजनन दर की बात करें तो वे वास्तव में देश की जरूरत के अनुरूप काम नहीं कर रहे हैं। देश का प्रजनन दर आधारित जनांकिकीय लाभ हिंदी क्षेत्र से आ रहा है न कि दक्षिण से। ऐसे में पुरस्कृत तो उत्तर भारत को होना चाहिए।

- आर जगन्नाथ

> **महिलाएं केवल कुछ लाभ पाने या राजनीतिक वजहों से अधिक बच्चे नहीं पैदा करना चाहेंगी। जन्म दर में कमी आनी तब शुरू होती है जब आर्थिक हालात सुधरते हैं और महिलाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार मिलते हैं। जैसे-जैसे आर्थिक स्थिति सुधरती है, बच्चों को पालने का खर्च भी बढ़ता है क्योंकि स्कूली शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं महंगी होती हैं। ऐसे में केवल नकदी या मातृत्व अवकाश से बात नहीं बनेगी।**

चौथा, जनांकिकीय में बदलाव की असली समस्या सामाजिक तनाव की है। अगर किसी देश या समाज में जनसंख्या की कमी को प्रवासियों से पूरा किया जाता है तो एक सांस्कृतिक टकराव उत्पन्न होता है जिससे निपटने की जरूरत है। केवल परिवारों के निर्णय के स्तर पर जनांकिकी के रुझानों से उलझना मूर्खता होगी। जहां तक बाद अधिक लोक सभा सीटों की है, दक्षिण भारत को हिंदी क्षेत्र से अधिक से अधिक रहवासियों को अपने यहां स्थायी रूप से बसने को आमंत्रित करना चाहिए और उन्हें तमिल या तेलुगू सीखने को कहना चाहिए ताकि प्रवासी स्थानीय संस्कृति के साथ अच्छी तरह घुलमिल जाएं।

प्रजनन दर को प्रोत्साहित करने के बजाय यह अधिक वास्तविक लक्ष्य है। हालांकि प्रदेशों को महिलाओं और बच्चों के अनुकूल बनाने में कोई समस्या नहीं है, यह भी अच्छी बात है। घटती टीएफआर वाले देशों और राज्यों को उन तकनीक और कारोबार में निवेश करना चाहिए जो बुजर्ग आबादी की देखभाल में काम आए। वे सरकारी और निजी नौकरियों में सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं। कामकाजी आयु में अधिक बचत को प्रोत्साहित किया जा सकता है। अब जबकि नए योगदान करने वाले लगातार कम हो रहे हैं तब पेंशन बहुत अधिक नहीं हो सकती। इसमें सरकारी कर्मचारियों और सशस्त्र बलों की पेंशन भी शामिल है। सरकार वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए स्वचालित तकनीकों को भी प्रोत्साहन दे सकती है क्योंकि उनकी देखभाल के लिए ज्यादा बच्चे नहीं हैं।

खासतौर पर प्रवासियों के आगमन के साथ ऐसा होने पर सामाजिक अस्थिरता और अनचाहे तनाव आते हैं। राज्यों के लिए बेहतर होगा कि वे प्रवासियों को लेकर नियम सख्त करें। उन्हें जोर देना चाहिए कि दूसरी संस्कृतियों से आने वाले लोग स्थानीय संस्कृति सीखें और अपनाएं। डेनमार्क में अगर आपको नागरिकता चाहिए तो आपको स्थानीय भाषा और संस्कृति का ज्ञान होना जरूरी है। आपको डेनमार्क और वहां के समाज के साथ जुड़ाव जाहिर करना होगा। इसके साथ ही उन्हें डेनमार्क के लोकतांत्रिक मानकों सहित स्थानीय मूल्यों का पालन करना होगा।

भारत में जहां बहुसंख्यक समुदाय धार्मिक समूहों द्वारा हिंदुओं का धर्म परिवर्तित किए जाने को लेकर भयभीत रहता है वहां प्रवासियों को आने देने की एक शर्त यह होनी चाहिए कि वे धर्म परिवर्तन की गतिविधि में नहीं शामिल होंगे और हिंदू संस्कृति और मूल्यों का सम्मान करेंगे। नए प्रवासियों को अलग सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करके रहने की इजाजत नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे अलगाववादी मानसिकता तैयार होती है।

लेटर टू एडिटर

तकनीक का खतरा

लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी में विस्फोटक रखकर किए गए धमाके दिल दहला देने वाले हैं। यह नई तकनीक का खतरनाक उपयोग दर्शाता है। पहले से ही लोग साइबर अटैक से चिंतित हैं, अब मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे गैजेट्स भी खतरा बन गए हैं। इस्राइल ने युद्ध में दुश्मनों को नुकसान पहुंचाने के लिए जो तरीका अपनाया है, वह न केवल नया है, बल्कि खतरनाक भी। विशेषज्ञों को मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों से होने वाले संभावित खतरों के खिलाफ उपाय खोजने चाहिए।

- रविन्द्र सिंह, रांची

संदेह के घेरे में

प्राचीन काल में विभिन्न शक्तियों का दुरुपयोग मानव जाति के लिए हानिकारक होता था। आज विज्ञान की सुविधाओं का भी दुरुपयोग हो रहा है। राष्ट्रविरोधी तत्व तकनीक का दुरुपयोग कर सकते हैं।यह स्थिति चिंता का विषय है।

-प्रिया सिन्हा, हजारीबाग

एक्स - ट्वीट

पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है - आपकी जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है। जरा सोचिए - अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच ?1500 से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12% से बढ़ाकर 18% करने जा रही है। यह घोर अन्याय है -

- राहुल गांधी, सांसद

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बिगाड़ा आम आदमी पार्टी का खेल

सुरेश हिंदुस्तानी

सामयिक

कहा जाता है कि जिसको जल्दी सफलता मिलती है, वह उस सफलता को यथावत नहीं रख सकता। संघर्षों से मिली सफलता अपने साथ स्थायित्व और अनुभव दोनों लेकर आती है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि के बाद अपना असर खो देते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकते। दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और पार्टी में दूसरे नंबर के नेता मनीष सिसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराजेय मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाने का रास्ता तैयार हो गया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो इसका संकेत मिलता है कि आम आदमी पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया। इससे विपक्ष का वोट विभाजित हो गया। इसका आशय यह भी है कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो आशातीत समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर कांग्रेस का अंदरूनी समर्थन नहीं होता तो आम आदमी पार्टी राजनीतिक आकाश में चमक नहीं बिखेर पाती। जहां तक पंजाब में आम आदमी पार्टी के सरकार बनाने की बात है तो यह देखा गया कि वहां चुनाव के समय दिल्ली की योजनाओं को प्रचारित किया गया, जिसका राजनीतिक लाभ पार्टी को मिला।

दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि इस बार अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस को आईना दिखाने के प्रयास में अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। अगर अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस की बात मानकर गठबंधन कर लेते तो चुनाव परिणाम की तस्वीर कुछ और होती, लेकिन अरविन्द केजरीवाल का अहंकार उन्हें ले डूबा। हम जानते हैं कि एक बार आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि ह्लमोदीजी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को इस जन्म में तो हरा नहीं सकते ह्व ऐसी भाषा को सुनकर यही लगता है कि केजरीवाल को अहंकार हो गया था। दूसरी बात यह कि उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे, इन सब आरोपों पर उन्होंने हमेशा भाजपा पर निशाना साधने का काम किया। केजरीवाल की तरफ से भाजपा पर लगाए गए तमाम आरोपों को दिल्ली की जनता ने झूठ माना। केजरीवाल इस तथ्य को भूल गए कि भाजपा का दिल्ली में व्यापक राजनीतिक प्रभाव है। लोकसभा चुनाव में बार-बार भाजपा को दिल्ली की सभी सीटें प्राप्त होना, इसे प्रमाणित करता है। विधानसभा में भाजपा को भले कम सफलता मिली रही हो लेकिन इससे भाजपा के राजनीतिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता।

दिल्ली चुनाव में इस बार जिस प्रकार से आधुनिक संचार तकनीक का प्रयोग किया गया, उसने भी केजरीवाल की कथनी और करनी की भिन्नता को उजागर किया। केजरीवाल एक बात पर टिके दिखाई नहीं दिए। वे कभी कुछ तो कभी उसके विपरीत दिखाई दिए। यमुना साफ करने के नाम पर बार-बार वादे करना केजरीवाल के लिए भारी पड़ गया। यह बात सही है कि वादे करना सरल है, उनको पूरा करना उतना ही कठिन है। केजरीवाल जो वादे कर रहे थे, वे वही वादे थे, जो उन्होंने दस वर्ष पूर्व किए थे। उनमें से कई बड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए जा सके। सबसे बड़ा वादा यमुना साफ करने का ही था। इसके अलावा भ्रष्टाचार समाप्त करने के नाम पर गठित आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके थे। हद तो तब हो गई, जब वे अपनी सरकार को जेल से ही चलाने लगे। उधर, उनको जमानत मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय में जा सकते हैं और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केजरीवाल अभी भी आरोपी हैं, इसलिए उनका मुख्यमंत्री बनना असंभव ही था, क्योंकि अगर वे चुनाव जीतते तो बिना काम के मुख्यमंत्री ही रहते। ये सब भ्रष्टाचार के आरोप के कारण ही हुआ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों पर उठते सवाल

-प्रियंका सौरभ

संस्थान

भारतीय संस्थानों से निकले एसटीईएम स्नातकों की एक बड़ी संख्या ऐसी है जिनमें आवश्यक कौशल का अभाव है। यह उद्योग और अनुसंधान प्रगति में बाधा डालता है। संस्थागत रैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने से कई शिक्षण-केंद्रित संस्थानों ने अक्सर निम्न-गुणवत्ता वाले आउटलेट में प्रकाशन पत्र और पेटेंट को प्राथमिकता दी है, कई संस्थानों में संकाय पर अत्यधिक बोझ है, पेशेवर विकास के लिए बहुत कम समय या प्रोत्साहन है। संकाय भर्ती अक्सर स्थानीयकृत होती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन और दृष्टिकोण की विविधता सीमित हो जाती है। क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी पहलों के लिए कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होती है लेकिन सीमित योग्य कर्मियों और अपर्याप्त प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे के कारण इन पहलों का उपयोग कम होने का खतरा है। वर्तमान संरचना संसाधनों, पाठ्यक्रम या संकाय के आदान-प्रदान की सुविधा नहीं देती है, जिससे शिक्षा और अनुसंधान के बीच विभाजन मजबूत होता है, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में योगदान के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारत अब एक ऐसे महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ देश में (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश केवल चलन नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

प्रौद्योगिकी छात्रों और शिक्षकों के बीच सहयोग को सुगम बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और उपकरण परियोजनाओं पर वास्तविक समय में सहयोग को सक्षम करते हैं, टीमवर्क और संचार कौशल को प्रोत्साहित करते हैं। ये सहयोगात्मक अनुभव पेशेवर दुनिया में वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की सहयोगात्मक प्रकृति को दर्शाते हैं। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कई लाभ लाता है, यह चुनौतियों को भी सामने लाता है जिन्हें व्यापक परिवर्तन के लिए सम्बोधित करने की आवश्यकता है। डिजिटल डिवाइड एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिसमें प्रौद्योगिकी और इंटरनेट तक पहुँच में असमानताएँ हैं। इस अंतर को पाटना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि सभी छात्रों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। शिक्षकों को भी अपने शिक्षण विधियों में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करता है कि वे प्रौद्योगिकी के उपयोग को समझने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षा में प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग, जिसमें डेटा गोपनीयता और सुरक्षा शामिल है, जिसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

शिक्षण-केंद्रित संस्थानों के मूल्यांकन को अनुसंधान मेट्रिक्स से अलग करके, रैंकिंग अनुसंधान आउटपुट पर शिक्षण गुणवत्ता को प्रतिबिंबित कर सकती है, जिससे इन संस्थानों पर निम्न-गुणवत्ता वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। शिक्षण संस्थानों को मूलभूत कौशल को मजबूत करने के लिए विशेष रूप से प्रारंभिक वर्षों में, अनुसंधान पर शिक्षाशास्त्र को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक समर्पित ₹शिक्षण ट्रैक₹ शुरू किया जा सकता है, जिससे शिक्षाशास्त्र में रुचि रखने वाले संकाय सदस्यों को अकेले अनुसंधान आउटपुट के बजाय अपने शिक्षण कौशल के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति मिल सके। अनुसंधान संस्थान संयुक्त डिग्री कार्यक्रम बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी कर सकते हैं, जिससे उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अपना काम पूरा करने में मदद मिलेगी अनुसंधान-केंद्रित संस्थानों में अध्ययन। इस दृष्टिकोण का एक उदाहरण एनआईटी सूरत और आईआईटी बॉम्बे के बीच सहयोग है, जो छात्रों को एक प्रमुख संस्थान में उन्नत अध्ययन पूरा करने की अनुमति देता है। सरकारी फंडिंग को शिक्षण संस्थानों के भीतर शिक्षाशास्त्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिए। ये केंद्र शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम विकास और एसटीईएम शिक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं के केंद्र के रूप में काम करेंगे, जिससे बड़े अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता के बिना प्रणालीगत सुधार होंगे।

भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने आने वाली चुनौतियाँ एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं जिसमें पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण, अनुसंधान वित्त पोषण, संकाय विकास और विविधता पहल शामिल हैं। सरकार और उद्योग के सहयोग में वृद्धि से समर्थित नीतिगत सुधार, अधिक गतिशील, उद्योग-संरेखित और समावेशी एसटीईएम पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं।

भारत में शिक्षा प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा तक असमान पहुँच, पुराना पाठ्यक्रम और अपर्याप्त धन शामिल है। हालाँकि, इन चुनौतियों के बावजूद, देश में सम्मानित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की संख्या बढ़ रही है और सरकार ने शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। शिक्षा में निरंतर निवेश के साथ भारत में सीखने और ज्ञान का एक अग्रणी केंद्र बनने और अपने सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पत्नी को जलाने के आरोपी पूर्व एसडीओ भेजे गये जेल

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। पत्नी को जलाकर मारने के आरोप में फरार चल रहे हजारीबाग सदर के पूर्व एसडीओ अशोक कुमार को पुलिस ने 44 दिन बाद रविवार देर शाम रांची से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सोमवार को उन्हें हजारीबाग कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा भेज दिया गया। गिरफ्तारी से पहले अशोक कुमार ने मीडिया के सामने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी और खुद को बेगुनाह बताते हुए कहा कि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। हालांकि, उनकी गिरफ्तारी तक की कहानी कुछ और ही बयां कर रही थी—एक ऐसा अधिकारी जो खुद कानून का जानकार था, लेकिन गिरफ्तारी से बचने के लिए 44 दिनों तक छिपता रहा।

गिरफ्तारी ऐसे हुई—पुलिस ने लोकेशन ट्रैक कर पकड़ा : रांची के जगनाथपुर थाना क्षेत्र में अशोक कुमार एक पार्क में मास्क और टोपी लगाकर घूम रहे थे, जब पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। पुलिस को उनकी लोकेशन तक पहुंचने के लिए उनके रिश्तेदारों—जीजा, भांजा और बड़े भाई—से लंबी पूछताछ करनी पड़ी। उनकी गिरफ्तारी से पहले पुलिस ने उनके पिता दुर्योधन साव को हिरासत में लिया, जिसके बाद मोबाइल नंबरों की ट्रैकिंग से उनका ठिकाना पता चला। अशोक कुमार अपने एक मित्र के घर पर छिपे हुए थे।

गिरफ्तार भगोड़ा अफसर

सरकारी आवास में जली थी पत्नी, भाई ने दर्ज कराया था केस : 26 दिसंबर की सुबह अशोक कुमार की पत्नी अनिता कुमारी सरकारी आवास में संदिग्ध परिस्थितियों में जल गई थीं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद अनिता के भाई राजू कुमार गुप्ता ने एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया कि अशोक कुमार का दूसरी महिला से संबंध था और इसी वजह से पति-पत्नी में विवाद होता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अशोक ने पहले ही धमकी दी थी कि 'जहां जाना है, जाओ, कोई फर्क नहीं पड़ेगा।'

भागता रहा, लेकिन आखिर में पकड़ाया : एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही अशोक कुमार फरार था। कोर्ट ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका 31 जनवरी को खारिज कर दी थी, जिसके बाद से पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार कोशिश कर रही थी। लेकिन खुद एक प्रशासनिक अधिकारी होने के बावजूद, वह 44 दिनों तक एक अपराधी की तरह छिपता फिरा। अगर वह निर्दोष होता, तो कानून से भागने की बजाय सामने आकर अपनी सफाई देता। अब, अशोक कुमार जेल में है और कानूनी लड़ाई का सामना करेगा। उसका दावा है कि 'हर सिक्के के दो पहलू होते हैं,' लेकिन यह तय करना अब अदालत का काम है कि हकीकत क्या है।

स्पीड न्यूज

चलियाटांड जंगल में अज्ञात हमलावरों का आतंक

खबर मन्त्र संवाददाता

चरही। दिनांक 9 फरवरी 2025 की रात करीब 8:30 बजे बसबोनवा से तापिन बस्ती की ओर जा रहे तीन खाली ट्रैक्टरों पर चलियाटांड जंगल में अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। लगभग छह हमलावरों के इस गिरोह में से एक के पास देशी कट्टा था, जबकि अन्य लाठी-डंडों से लैस थे। हमलावरों ने ट्रैक्टरों को रुकवाकर ड्राइवरों के साथ मारपीट की और उनसे नकदी लूट ली। इसके बाद उन्होंने ट्रैक्टरों पर तेल छिड़ककर आग लगा दी, जिससे तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

क्षतिग्रस्त ट्रैक्टरों का विवरण:

1. वाहन संख्या जेएच02बीई-3236 (मालिकः जितेंद्र साव) : इंजन जलकर खाक।
2. वाहन संख्या जेएच02बीई-4989 (मालिकः जगन्नाथ साव) : आगे का टायर जलाया गया।
3. वाहन संख्या जेएच02बीई-8621 (मालिकः अनिल कुमार रवि) : सीट और वायरिंग जलकर नष्ट।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस हरकत में आई और 10 फरवरी 2025 को चरही थाना में कांड संख्या 15/25 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है, और ट्रैक्टर मालिकों व चालकों में भय व्याप्त है।

पदोन्नति में अनियमितता को लेकर तापीन साउथ परियोजना में आरसीएमयू (इंटक) की वार्ता

बैठक में शामिल लोग

चरही। तापीन साउथ परियोजना में हाल ही में हुई पदोन्नति में अनियमितताओं को लेकर कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त था। इस मुद्दे के समाधान हेतु दिनांक 10 फरवरी 2025 को आर.सी.एम.यू. (इंटक) के सीसीएल रीजनल सचिव कुमार महेश सिंह की अध्यक्षता में परियोजना पदाधिकारी और कार्मिक पदाधिकारी के साथ एक अहम वार्ता आयोजित की गई। बैठक के दौरान कर्मचारियों ने मांग की कि पदोन्नति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए और परीक्षा को निष्पक्ष तरीके से दोबारा आयोजित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को समाप्त किया जा सके। कर्मचारियों का कहना था कि यदि इस मुद्दे का समाधान जल्द नहीं किया गया, तो उनका आक्रोश और बढ़ सकता है। इस महत्वपूर्ण वार्ता में रमाकांत पाठक, वीरेंद्र कुमार, श्रीकांत पांडे, शंकर कुमार सिंह, धीरेंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, धीरज किशोर, दामोदर पांडे, आनंद शंकर सिंह, त्रिवेणी महतो, मंतोष सिंह, शशि कुमार सिंह, संतोष सिंह, मोहम्मद इकबाल, मनोज त्रिवेदी, रवि रजवार, भारती, कृष्ण सिंह, गिरिजा प्रसाद, शिवजी टुडू, अजीम अंसारी, मनोज मंडल, कैलाश गंजू, पारस पाठक, गोपी ओझा एवं फिरोज अंसारी सहित कई अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों की इस मांग को लेकर प्रबंधन ने उचित विचार-विमर्श करने का आश्वासन दिया है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस विषय पर ठोस निर्णय लिया जाएगा, जिससे कर्मचारियों की नाराजगी दूर हो सके।

बिगहा में शिव मंदिर में द्वितीय यज्ञ महोत्सव 23 फरवरी से

शनिवार को हुआ ध्वजारोहण, बड़ी संख्या में जुटे लोग

चौपारण, हजारीबाग। बिगहा स्थित शिव मंदिर प्रांगण में श्री श्री 1008 रुद्र पांच दिवसीय महायज्ञ सह द्वितीय यज्ञ महोत्सव 23 फरवरी से आरंभ होगा। यज्ञ महोत्सव को लेकर शनिवार को मंदिर प्रांगण में विशेष पूजा तथा ध्वजारोहण किया गया। इसके पूर्व प्रथम निमंत्रण तथा आशीर्वाद ईटखोरी माँ भद्रकाली मंदिर में पूजन तथा निमंत्रण पत्र अर्पित कर विशेष पूजा की शुरूआत किया गया। बाद में गढकाली मंदिर, शिव मंदिर, गढवाल बाबा मंदिर, हनुमान मंदिर तथा महंत फलाहारी बाबा के पूजन के बाद चंद्रवंशी भवन परिसर में मौजूद मंदिर में सुधीर पांडे द्वारा पूजा आरंभ की गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए राजेश रवानी तथा प्रदीप चंद्रवंशी ने बताया कि बीते साल की तरह इस बार भी यज्ञ का आयोजन होगा। शिवरात्रि पर विशेष पूजन किया जायेगा। इसमें हजारों की संख्या में लोग जुटेंगे। समस्त आयोजन अखिल भारत वर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के जिला हजारीबाग चतरा, शाखा बिगहा के तत्वावधान में आयोजित होगा। महोत्सव की तैयारी के लिए ईटखोरी, मयुरहंड, बरही, चौपारण में सैकड़ों सदस्य मेहनत कर रहे हैं। शनिवार को पूजा में मुख्य पुजारी शशि शेखर सपत्नीक शामिल हुए। इस दौरान अध्यक्ष छत्रधारी चंद्रवंशी, सचिव देवधारी चंद्रवंशी, राजेन्द्र चंद्रवंशी, अशोक चंद्रवंशी, यज्ञ समिति अध्यक्ष महेंद्र चंद्रवंशी, सचिव रामाधार चंद्रवंशी, करुणा चंद्रवंशी, लखन चंद्रवंशी, रामजीवन चंद्रवंशी, राजेश रवानी, आनंद चंद्रवंशी, छोटु चंद्रवंशी, राजु चंद्रवंशी, मदन चंद्रवंशी, बाबुलाल चंद्रवंशी, ज्ञानी चंद्रवंशी, चंदन चंद्रवंशी, प्रदीप चंद्रवंशी, उमेश चंद्रवंशी, दीपक प्रकाश सहित बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

हमारी एकता से ही हमारी मांग पूरी होगीः डॉ सुनील कश्यप

रामगढ़। झारोटेप ने अपनी मांगों को लेकर 10 फरवरी को एमएसीपी, शिशु शिक्षण भता, सेवा निवृत्ति का समय 62 साल करने , एनएसडीएल का पैसा वापस करने एवं अन्य मांगों के समर्थन में मांडू प्रखंड में प्लस टू उच्च विद्यालय मांडू में लगातार चौथे दिन हस्ताक्षर अभियान चलाया।

श्री अग्रसेन स्कूल में विद्यार्थियों ने देखी परीक्षा पे चर्चा

पीएम मोदी के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा को देखते विद्यार्थी

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में सोमवार को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा को क्लास 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने देखा। इसका प्रसारण कक्षाओं में लगे बड़े-बड़े डिजिटल बोर्ड पर किया गया था। बच्चों ने कहा कि प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। जिसमें परीक्षा को लेकर तनावमुक्त रहना और लीडरशिप प्रमुख रहा। प्रधानमंत्री ने गंभीर मुद्दों को बेहद सरलता से समझाया। हमें यह जानने का मौका मिला कि बेहतर लीडरशिप के लिए टीम वर्क सीखना जरूरी होता है। समय की पाबंदी और अपनी जिम्मेवारियों के प्रति संवेदनशील होना पड़ता है। पीएम ने अंदर की चुनौतियों से लड़ने की भी बात कही। कहा कि यदि पिछली बार 30 अंक आये थे, तो कोशिश करिए कि इस बार 35 अंक आये। ऐसा करके हमें अपने लक्ष्य सीमा को बढ़ाते रहना चाहिए। यह भी जाना कि सम्मान मांगने की चीज नहीं है, बल्कि सम्मान कमाने की चीज है। इसके लिए खुद को बदलना होगा। धैर्य बहुत आवश्यक होता है।

छात्रों ने देखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम

कार्यक्रम में शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रजरप्पा। कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्परीक्षा पे चर्चाश कार्यक्रम का सीधा प्रसारण छात्रों और शिक्षकों ने बड़ी उत्सुकता के साथ देखा। इस कार्यक्रम का आयोजन छात्रों को परीक्षा के तनाव से मुक्त करने और उन्हें आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करने हेतु किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वार्ता के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने परीक्षा के दौरान तनाव को दूर करने, समय प्रबंधन और पढ़ाई के प्रभावी तरीकों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने छात्रों को कहा कि परीक्षा को डर की बजाय एक अवसर के रूप में देखें और आत्मनिर्भरता के साथ तैयारी करें। विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद ने बताया कि इस कार्यक्रम से छात्रों को न केवल परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव मिले, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ा। छात्रों ने प्रधानमंत्री की बातचीत को प्रेरणादायक बताया और कहा कि यह कार्यक्रम उनकी परीक्षा की तैयारी में मदद करेगा। विद्यालय में इस कार्यक्रम को देखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।कार्यक्रम में मुख्य रूप से आचार्य शम्मी राज, अमरदीप नाथ शाहदेव, रेखा पाठक, शशि कान्त आदि उपस्थित थे।

जवाहर नगर में एमपीएल सीजन टू क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आगाज

भुरकुंडा (रामगढ़)। ज्वाहर नगर दुर्गा मंडप मैदान में मंडप प्रीमियर लीग सीजन-2 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। इसका शुभारंभ समाजसेवी श्रीनिवास अग्रवाल, बिट्टू दूबे, उपेंद्र शर्मा, दीपक कुमार और अप्पू मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर समाजसेवी श्रीनिवास अग्रवाल ने कहा कि खेल-कूद जीवन का अभिन्न अंग होता है। खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास तो होता ही है, यह हमसबों को अनुशासन की भी सीख देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पढ़ाई की तरह खेलों में भी करियर की असीम संभावनाएं हैं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन

माध्यमिक के लिए 53 एवं इंटर के लिए 40 केंद्रों पर आयोजित होगी परीक्षाएं

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। 11 फरवरी 2025 से शुरू होने वाली वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त आयोजन के मद्देनजर सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक अजय कुमार की उपस्थिति में समाहरणालय सभाकक्ष में स्थिर, गश्ती दण्डाधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य को जानकारी दी गई कि इस वर्ष रामगढ़ जिले में माध्यमिक परीक्षा के लिए 53 परीक्षा केंद्रों पर 12669 एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए 40 केंद्रों पर 12300 अभ्यर्थी परीक्षा में हिस्सा लेंगे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों को उनके उनके केंद्रों पर परीक्षाओं का आयोजन पूरी पारदर्शिता के साथ एवं कदाचार मुक्त तरीके से करने का निर्देश दिया वही उपायुक्त ने स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों के लिए जारी दिशा निर्देशों से संबंधित पुस्तिका को सभी स्थिर एवं गश्ती दण्डाधिकारियों को अच्छी तरह से पढ़ लेने एवं किसी भी प्रकार की कोई दुविधा होने पर त्वरित रूप से उन्हें दूर कर लेने का निर्देश दिया।

1 अप्रैल को भुरकुंडा में भव्य मंगला शोभा यात्रा

भुरकुंडा (रामगढ़)। भदानीनगर रेलवे स्टेशन के समीप श्री हनुमान मंदिर में सोमवार को बजरंग दल की बैठक हुई। इसमें भुरकुंडा क्षेत्र के प्रबुद्ध जन भी उपस्थित हुए। बैठक में भुरकुंडा में बजरंग दल के द्वारा आपसी सहमति के साथ रामनवमी में निकलने वाले मंगला शोभा यात्रा की तिथि तय की गई। इसके तहत आगामी 1 अप्रैल मंगलवार को भव्य मंगला शोभा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें भुरकुंडा के सभी अखाड़ा, गांव की सभी समिति तथा रामनवमी समिति को सम्मिलित किया जाएगा। मंगला शोभा यात्रा को भव्य बनाने के लिए भुरकुंडा के सभी सनातनी सहित भुरकुंडा के सभी मंदिर कमेटी के लोगों को भी सम्मिलित किया जाएगा।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का उपायुक्त ने किया शुभारंभ

अभियान के तहत जिले में 1082581 लोगों को खिलाई जाएगी फाइलेरिया रोधी दवाएं

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अंतर्गत फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का सोमवार को उपायुक्त चंदन कुमार ने शुभारंभ सदर अस्पताल रामगढ़ से किया। मौके पर उपायुक्त चंदन कुमार ने सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद सहित अन्य अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ फाइलेरिया रोधी दवाइयां खाकर अभियान का शुभारंभ किया। मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद द्वारा उपायुक्त को 10 फरवरी 2024 से 25 फरवरी 2024 तक रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाइयां खिलाने हेतु तैयार माइक्रो प्लान आदि की जानकारी दी। इस दौरान उपायुक्त ने सिविल सर्जन सहित अन्य सभी अधिकारियों, चिकित्सकों आदि को लोगों को अपने सामने ही फाइलेरिया रोधी दवाइयां खिलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने रोग से जुड़ी विभिन्न भ्रांतियों को दूर करने का भी कार्य किया। वहीं लोगों को फाइलेरिया रोग एवं इससे बचाव के प्रति जागरूक करने हेतु जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिला भीबीडी पदाधिकारी रामगढ़ डॉ अजय चौधरी के द्वारा बताया गया कि डीईसी एवं एल्बेन्डाजोल ये दोनों दवाइयाँ बिलकुल सुरक्षित है, मात्र संक्रमित व्यक्तियों में ही मामूली प्रतिकुल प्रभाव जैसे कि बुखार, चक्कर, उल्टी, सरदर्द इत्यादि हो सकते हैं जो कि मुख्यता फाइलेरिया के परजीवी के मरने के वजह से दिखाई देते है तथा यह 24 से 48 घंटे के बीच बीना किसी उपचार के ठीक हो जाता है। रामगढ़ जिलान्तर्गत सभी लक्षित 1082581 जनसमुदाय को फाईलेरिया रोधी दवा (डीईसी एवं एल्बेन्डाजोल) की एकल खुराक को खिलाई जानी है। दो साल से छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और अत्यंत बीमार व्यक्ति को इन दवाओं का सेवन नही करने की बात कही गई। उन्होने बताया कि डीईसी एवं एल्बेन्डाजोल दवाइयों के सेवन से फाइलेरिया जैसी बीमारी का बचाव एवं रोकथाम सम्भव है। कार्यक्रम में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, डॉ० स्वराज, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ० तुलिका रानी, जिला आर०सी०एच० पदाधिकारी डॉ० एहतेशामुद्दीन, उपाधीक्षक डॉ ठाकुर मृत्युन्जय, डॉ नितेश कुमार चिकित्सक, डॉ पल्लवी कौशल, बिजय कुमार डीपीएम , रशमी आनंद डीडीएम , जिला भी०बी०डी० सलाहकार संजना कुमारी, रवि कांत रवि लिपिक, रितेश कुमार एवं राजन कुमार ठाकुर प्रोग्राम ऑफिसर पीरामल , विमल केशरी डीपीएमयू कोर्डिनेटर , मो० मिन्हाज अंसारी एमपीडब्लू कम पीरामल फाउंडेशन की टीम वं सदर अस्पताल के सभी कर्मी उपस्थित हुए।

शुरूआत करते डीसी

एक नजर में

स्मार्ट सिटी ही नहीं, स्मार्ट विलेज भी जरूरीः प्रो. सुकल्याण मोइत्रा

प्रो. सुकल्याण मोइत्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मुकुंदगंज में संविधान गौरव अभियान के तहत लेक्चर सीरीज के चौथे दिन विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सुकल्याण मोइत्रा ने संविधान और क्षेत्रीय विकास पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने स्मार्ट सिटी के साथ-साथ स्मार्ट विलेज विकसित करने की वकालत की और कहा कि बौद्धिक चेतना ही संविधान की संकल्पना को साकार कर सकती है। प्रो. मोइत्रा ने अपने व्याख्यान में बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण क्षेत्रीय विकास असंतुलित हो गया है। उन्होंने कहा कि संविधान ने सभी को समान अधिकार दिए हैं, लेकिन उनका सही और समान रूप से क्रियान्वयन नहीं हुआ। अगर हर राज्य में शिक्षा और बुनियादी ढांचे का विकास समान रूप से किया जाता, तो आज क्षेत्रीय असमानता की यह समस्या नहीं होती। उन्होंने महात्मा गांधी की पुस्तक ह्यहिंद स्वराजह्न का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्राम स्वराज की अवधारणा पर गंभीरता से काम नहीं हुआ, जिसका परिणाम यह हुआ कि शहरी विकास पर जोर दिया गया, लेकिन गांव पिछड़ते चले गए। कुछ राज्यों जैसे केरल, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा में विकास हुआ, जबकि बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ अभी भी पिछड़े हुए राज्यों की श्रेणी में हैं। प्रो. मोइत्रा ने कहा कि अगर भारत के सभी 7.5 लाख गांव विकसित हो जाएं, तो देश आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा। उन्होंने राजीव गांधी सरकार के 73वें संविधान संशोधन का जिक्र करते हुए बताया कि पंचायती राज व्यवस्था के तहत गांवों के विकास की कोशिशें हुईं, लेकिन हाल के वर्षों में सिर्फ स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर ध्यान दिया गया, स्मार्ट विलेज की ओर नहीं। उन्होंने गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अभाव के कारण बढ़ते पलायन पर चिंता जताई और कहा कि बौद्धिक चेतना और राजनीतिक जागरूकता के जरिए ही इस असंतुलन को दूर किया जा सकता है। प्रो. मोइत्रा ने सुझाव दिया कि गांवों के विकास से ही भारत के समग्र विकास की नींव मजबूत होगी। उन्होंने स्मार्ट विलेज कॉन्सेप्ट को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई ताकि गांव भी शहरी सुविधाओं से लैस हों और वहां रहने वाले लोगों को बेहतर अवसर मिल सकें। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वसुंधरा कुमारी, सभी सहायक प्राध्यापक और प्रशिक्षु उपस्थित थे।

वार्षिक माध्यमिक/इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के मद्देनजर निषेधाज्ञा आदेश जारी

जानकारी देते हजारीबाग एसपी

परीक्षा केन्द्रों के आस-पास अभिभावकों/असमाजिक तत्वों एवं अन्य लोगों की भीड जमा होने से विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था भंग होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। उपरोक्त स्थिति में विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने तथा कदाचार/शांतिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराने के निमित सदर एवं बरही अनुमण्डल दण्डाधिकारी, द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दिनांक 10.02.2025 से दिनाक 04.03.2025 तक के लिए सदर एवं बरही अनुमण्डल अंतर्गत सभी परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा आदेश जारी की गई है। उक्त निषेधाज्ञा आदेश के तहत परीक्षा केन्द्रों एवं 100 मीटर की परिधि में निम्नांकित बिन्दुओं पर प्रतिबंध रहेगा।

1. 100 मीटर की परिधि में परीक्षार्थियों तथा परीक्षा में प्रतिनियुक्त कर्मियों/पदाधिकारीयों /दण्डाधिकारियों को छोडकर किसी अन्य का प्रवेश सख्त वर्जित रहेगा।
2. परीक्षा केन्द्र 100 मीटर की परिधि में किसी प्रकार के हरवे, हथियार एंव अग्नेयास्त्र का प्रर्दशन, परिवहन एवं परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा। (प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी/पुलिस कर्मियों को छोडकर)
3. सभी परीक्षार्थियों का अपने साथ प्रवेश पत्र तथा परीक्षा में उपयोग आने वाले कलम, इन्सट्रूमेंट के अलावे अन्य किसी प्रकार का कोई बैग, मोबाईल / टेबलेट / इलेक्ट्रोनिक घडी / इलेक्ट्रोनिक पेन / इलेक्ट्रोनिक उपकरण या अन्य सामान परीक्षा भवन के अन्दर ले जाना वर्जित रहेगा।
4. सभी परीक्षा केन्द्र के केन्द्राधीक्षक एवं वीक्षक सभी परीक्षार्थियों की विधिवत जांचोपरान्त ही परीक्षार्थियों को परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति देंगें।
5. परीक्षा केन्द्र के आस-पास (परीक्षा अवधि में किसी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग सख्त वर्जित रहेगा।
6. परीक्षा केन्द्र के आस-पास 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का एक साथ रहना एवं भ्रमण करना वर्जित रहेगा।
7. यह निषेधाज्ञा पुलिस बल / कर्मचारी/पदाधिकारी/शादी विवाह/शवयात्रा / सामाजिक संस्कार आदि पर लागु नहीं रहेगा।

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। वार्षिक माध्यमिक/इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 दिनांक 11.02.2025 से 03.03.2025 तक (प्रथम पाली 9:45 बजे पूर्वाहन से 1:00 बजे अपराह्न तक एवं द्वितीय पाली 02:00 बजे अपराह्न से 05:15 बजे अपराह्न तक) संचालित है। इस संबंध में उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय के निदेर्शानुसार अनुमंडल पदाधिकारी ने निषेधाज्ञा आदेश जारी किया है।

परीक्षा केन्द्रों के सभी संबंधित केन्द्रधीक्षक/प्रतिनियुक्त कर्मियों/ सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/ अंचल अधिकारी/थाना प्रभारी उचित माध्यम द्वारा निषेधाज्ञा आदेश का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश दिनांक 10.02.2025 के प्राप्तः 7:00 बजे से उपर्युक्त सभी परीक्षा केन्द्रों एवं उसके आस-पास 100 मीटर की परिधि में प्रभावी रहेगा। सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/सभी अंचल अधिकार सभी थाना प्रभारी एवं संबंधित केन्द्राधीक्षकों को एतत संबंधी आदेश निर्गत किया जाता है। परीक्षा को लेकर हजारीबाग एसपी अरविन्द कुमार सिंह ने लोगो से कहा कि वे सोशल मीडिया पर किसी तरह का अफवाह न फैलाये । पेपर लीक को लेकर सीजीएल एग्जाम के समय भी अफवाह फैलने से सवाल उठे थे । जबकि सच इसके विपरीत थी। परीक्षा को लेकर चाक चौबंद इंतजाम है। परीक्षार्थियों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी।

पूरे विश्व में भारत आस्था का केंद्र बना हुआ है : रोशन लाल चौधरी

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा से श्रद्धालुओं क जत्था सोमवार को महाकुंभ प्रयागराज के लिए रवाना हुआ। इन सभी को बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया। इस दौरान सयाल मोड़ से दर्जनों ग्रामीण प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ स्नान के लिए रवाना हुए। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने श्रद्धालुओं के जत्थे को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि आप श्रद्धा भाव से अपना पूजन कार्य करें।

धार्मिक चेतना पर प्रभाव, महाकुंभ के लाभ और संरक्षण!

- के. कृष्णमूर्ति, श्रीधाम वृंदावन

21वीं सदी का महाकुंभः आस्था और अध्यात्म बनाम मीडिया की ग्लैमरवादी प्रस्तुति।

सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का पवित्र महाकुंभ धार्मिक अनुष्ठानों, आध्यात्मिक जागरण और साधना का महत्वपूर्ण केंद्र है। यह पर्व आत्मशुद्धि, ध्यान और मोक्ष की साधना के लिए जाना जाता है। लेकिन आधुनिक मीडिया युग में महाकुंभ को आध्यात्मिकता के बजाय ग्लैमर-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया जा रहा है, जहां सेलिब्रिटी संस्कृति, बाहरी आकर्षण और दिखावे को अधिक महत्व दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप श्रद्धालु और साधक इस महान धार्मिक आयोजन के आध्यात्मिक लाभ से वंचित हो रहे हैं। इस परिवर्तन के पीछे मुख्य कारण निम्नलिखित हैं :-

1. टीआरपी और व्यावसायिक लाभ के लिए मीडिया आज के दौर में अधिकतम दर्शकों को आकर्षित करने पर केंद्रित है। अध्यात्म और आस्था जैसे विषय, जो गहरे आत्मिक पहलुओं को दशार्ते हैं, अक्सर जटिल और गंभीर होते हैं। इसके विपरीत, ग्लैमर, चकाचौंध और सनसनीखेज प्रस्तुतिकरण से दर्शकों का ध्यान खींचने का आसान तरीका बन गया है। यही कारण है कि इन तीन चेहरों पर ही मुख्य धारा की मीडिया एवं सोशल मीडिया ने लोगों का सारा कुंभ के आध्यात्मिक महत्व को खत्म कर दिया, क्या तन की खूबसूरती, आंखों की सुंदरता एवं एक क्कळ जैसे उच्च शिक्षा प्राप्त युवा का बाबा बनना आदि। क्या यही कुंभ की आध्यात्मिक, परंपरागत व ऐतिहासिक धरोहर रही है। एक बार गंभीरतापूर्वक जरूर विचार करें ...।

2. दुनिया के यह सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन दिव्य महाकुंभ के धार्मिक-आध्यात्मिक समंदर में हमने चुना भी तो क्या चुना? पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित ग्लैमर, चकाचौंध भरी दुनिया जिसे हम चौक-चौराहे पर भी खोज सकते थे। क्या उसे ही खोजने के लिए हमने मोक्षदाई महाकुंभ जैसे पवित्र स्थल को चुना?

3. मीडिया की इस ग्लैमर भरी दिखावे की बढ़ती परंपरा के कारण इस महाकुंभ में सनातन धर्म की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सबसे पौराणिक परंपराओं की जिस प्रकार से ह्रास हुई है। इसके लिए जितनी जिम्मेवार मीडिया है, उससे कहीं ज्यादा जिम्मेवार हम सब हैं। क्योंकि 21वीं सदी की विशेष कर युवा पीढ़ी आध्यात्मिक अनुष्ठान, शास्त्र व सत्संग की मूल सैद्धांतिक परंपराओं को अंधविश्वास के दृष्टिकोण से देखती है। धार्मिक गतिविधियों में आज की युवा पीढ़ी अगर भूमिका निभाती भी है तो, उसमें कहीं ना कहीं मीडिया फोबिया यानी दिखावे का प्रचलन ज्यादा दिखता है।

4. धार्मिक व सांस्कृतिक गहराई की समझ की कमी के कारण मीडिया महाकुंभ के आध्यात्मिक महत्व को नजरअंदाज कर साधु-संतों की वेशभूषा, विदेशी पर्यटकों और भव्यता को ही प्रमुखता देती है, जिससे आज की युवा पीढ़ी सनातन संस्कृति की मूल सैद्धांतिक पृष्ठभूमि से पूर्ण परिचित नहीं हो पा रही है।

5. मीडिया की बदलती प्राथमिकताओं के कारण आस्थावान श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक हानि तेजी से हो रही है, और नई पीढ़ी भारतीय सनातन धर्म की पौराणिक ऐतिहासिक परंपराओं से धीरे-धीरे विमुख होती जा रही है।

कुंभ व महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, आध्यात्मिक उन्नयन और मोक्ष प्राप्ति का महान अवसर है। सनातन धर्मावलंबी इससे निम्नलिखित प्रकार से लाभान्वित हो सकते हैं :-

1. कुंभ व महाकुंभ में पवित्र स्नान के माध्यम से आत्मशुद्धि व मोक्ष की प्राप्ति - महाकुंभ में गंगा, यमुना एवं सरस्वती जैसे पवित्र नदियों में स्नान करने मात्र से मनुष्य के जीवन में पापों के नाश और मोक्ष प्राप्ति हेतु विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, संगम पर स्नान करने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं और, आत्मा को दिव्य चेतना प्राप्त होती है, जिससे मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

2. वर्षों-वर्षों से मानव कल्याण एवं विश्व कल्याण हेतु हिमालय के कंदराओं में, अमरकंटक की गुफाओं में एवं कई पवित्र तीर्थ स्थानों पर गंभीर साधना रत संतों व महापुरुषों का सान्निध्य प्राप्त करना - कुंभ व महाकुंभ मेला में ऐसे हीं ईश्वरीय साधना रत संत-महात्माओं, आचार्यों और योगियों से प्रत्यक्ष रूप से दर्शन एवं उनके सत्संग का अवसर प्राप्त करने का संयोग मिलता है। साधु, संतों एवं महात्माओं के प्रवचनों, ध्यान-योग और साधना से धर्म, आध्यात्मिकता और भक्ति का गूढ़ ज्ञान प्राप्त होता है। साधकों को गुरुकृपा मिलती है, जिससे आत्मज्ञान और मोक्ष प्राप्ति की दिशा में विशेष मार्गदर्शन मिलता है।

कुंभ मेला सनातन संस्कृति व धर्म-अध्यात्म का गूढ़ ज्ञान आदि का एक साथ प्राप्त करने का संयोग प्रदान करता है - महाकुंभ सनातन संस्कृति, शास्त्रों, पुराणों और धर्मग्रंथों से जुड़े अनमोल ज्ञान को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है। साधु संतों द्वारा लगातार किए जा रहे प्रवचनों, कथा, कीर्तन और संत समागम से सनातन धर्म का महत्वपूर्ण गूढ़ ज्ञान प्राप्त कर मनुष्य अपने जीवन को धर्मपरायण बना सकता है।

3. कुंभ व महाकुंभ में दान, जप व तप द्वारा आत्मिक उन्नति का एक बेहतर अवसर - कुंभ व महाकुंभ में दान, जप, कल्पवास एवं तप का विशेष महत्व है। यहाँ किया गया दानझ जैसे अन्नदान, गौदान, वस्त्रदान झ कई गुना फलदायी होता है। नियमित मंत्रजप, ध्यान और तपस्या से व्यक्ति के भीतर सात्विकता बढ़ती है, जिससे उसकी आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है और वह मोक्ष मार्ग पर तेजी से अग्रसर होता है।

4. कुंभ मेला सनातन संस्कृति व धर्म-अध्यात्म का गूढ़ ज्ञान आदि का एक साथ प्राप्त करने का संयोग प्रदान करता है - महाकुंभ सनातन संस्कृति, शास्त्रों, पुराणों और धर्मग्रंथों से जुड़े अनमोल ज्ञान को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है। साधु संतों द्वारा लगातार किए जा रहे प्रवचनों, कथा, कीर्तन और संत समागम से सनातन धर्म का महत्वपूर्ण गूढ़ ज्ञान प्राप्त कर मनुष्य अपने जीवन को धर्मपरायण बना सकता है, जिससे उसकी ईश्वर प्रिय बनने व मोक्ष प्राप्ति की दिशा में तेजी से प्रगति होती है।

5. कुंभ मेला के आयोजन में भक्ति-भाव और साधना द्वारा अदृश्य महात्मा जैसे महावतार बाबा आदि एवं ईश्वर से साक्षात्कार करने हेतु एक विशेष अवसर का संयोग - महाकुंभ में भक्ति, कीर्तन, हवन-यज्ञ और विशेष पूजा-पाठ से मनुष्य की आस्था और आध्यात्मिक शक्ति प्रबल होती है। ध्यान व साधना से भाव व विचार शुद्ध होते हैं और, जिससे भक्त को ईश्वर के दिव्य अनुभव प्राप्त होने लगते हैं। इसलिए विशेष कर 144 वर्ष के अंतराल में लगने वाले महाकुंभ का यह पावन पुनीत दिव्य अवसर सकारात्मक शक्तियों के संचार एवं परमात्मा से साक्षात्कार और मोक्ष प्राप्ति का उत्तम अवसर प्रदान करता है।

पांच दिनी शहीद एतवा उरांव क्रिकेट टूनामेंट-2025 संपन्न

कुंदी की टीम बनी विजेता

मांडर प्रखंड अंतर्गत बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में सोमवार को पांच दिवसीय शहीद एतवा उरांव क्रिकेट टूनामेंट-2025 का खिताब कुंदी एलेवन की टीम ने 25 रन से जीतकर अपने नाम कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कुंदी की टीम 70 रन ही बना पायी। इसके जवाब में बुढ़मू की टीम मात्र 45 रन पर ही सिमट गई। टूनामेंट के फाइनल मैच का उद्घाटन प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष श्री बंधु तिर्की, बंझिला पंचायत की मुखिया सोहंती एक्का, तबारक खान, मो. मिस्टर, जेवियर खलखो, मो. शाकिब, गोपी नायक ने खिलाड़ियों से परिचय कर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों और समिति के सदस्यों का हौंसला बढ़ाया।

इससे पहले सोमवार को टूनामेंट का पहला सेमीफाइनल गोपी एलेवन और कुंदी एलेवन के बीच खेला गया। जिसमें कुंदी की टीम तीन रन जीतकर फाइनल में पहुंच गई। पहले बल्लेबाजी करते हुए कुंदी की टीम 95 रन का स्कोर खड़ा की। इसके जवाब में गोपी एलेवन की टीम 92 रन पर सिमट गई। वहीं दसरा सेमीफाइनल सोसई आश्रम और बुढ़मू एलेवन के बीच खेला गया। इसमें बुढ़मू की टीम आठ विकेट से जीतकर फाइनल में पहुंची। पहले बल्लेबाजी करते हुए सोसई की टीम 45 बन पर ही सिमट गई। इसके जवाब में बुढ़मू की टीम दो विकेट पर ही 46 रन बनाकर फाइनल में पहुंच गई।

विजेती टीम कुंदी को प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष श्री बंधु तिर्की ने 50 हजार नगद व बड़ा ट्राफी और उप विजेता बुढ़मू की टीम को मुखिया सोहंती एक्का, तबारक खान, मो. रशीद, मो. खालिद ने 30 हजार नगद व बड़ा ट्राफी देकर सम्मानित किया। साथ ही तीसरे स्थान पर रही सोसई आश्रम की टोम को कांग्रेस के अमित खलखो, मो. राजा 55 सौ नगद व ट्रॉफी और चौथे स्थान पर रही गोपी एलेवन की टीम को जेवियर खलको, मो. शाकिब, वसीम खान, नेसार खान ने पांच हजार नगद व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कुंदी की टीम के मिठ्ठू को तबारक खान ने मैन ऑफ द मैच और गोपी एलेवन के राहुल को मो. शाकिब ने मैच ऑफ द सिरीज का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मैच के अंपायर आशीष गुप्ता और राहुल शाही थे। पूरे टूनामेंट के सफल आयोजन में समिति के सचिव मो. शाकिब उर्फ छोटू के अलावा जेवियर खलको, लखो खलखो, नेसार खान, मुकेश खलखो, मो. आरिफ, मो. रशीद, विनोद खलखो, मो. मिनहाज सहित कई स्थानीय ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पोस्को अधिनियम में क्या है सजा का प्रावधान?

सोनाली भट्टाचार्य

किसी बच्चे को पोर्नोग्राफी के लिए इस्तेमाल करने का दोषी पाए जाने पर 5 साल तक की जेल और जुमार्ना हो सकता है।

अगर कोई बच्चा किसी बच्चे का इस्तेमाल दूसरी बार पोर्नोग्राफी के लिए करते हुए पकड़ा जाता है तो उसे 7 साल की जेल और अलग से जुमार्ना भरना पड़ सकता है। किसी बच्चे की अश्लील तस्वीरें एकत्र करने या उन्हें किसी के साथ साझा करने पर भी सजा का प्रावधान है।

पोक्सो अधिनियम की धारा 22 में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो धारा 3, 5, 7 और 9 के तहत अपराध के संबंध में किसी व्यक्ति के खिलाफ झूठी शिकायत करता है या झूठी सूचना देता है, केवल अपमानित करने, जबरन वसूली करने, धमकी देने या बदनाम करने के इरादे से, उसे छह साल तक के कारावास से दंडित किया जाएगा

सूचित किये जाने का अधिकार.

सुनने का अधिकार तथा विचार एवं चिंताएं व्यक्त करने का अधिकार।

प्रभावी सहायता का अधिकार.

गोपनीयता का अधिकार.

न्याय प्रक्रिया के दौरान कठिनाई से सुरक्षा का अधिकार।

सुरक्षा का अधिकार.

मुआवजा पाने का अधिकार.

पोस्को अधिनियम की विशेषताएं

लिंग-तटस्थ कानून: पोस्को अधिनियम अठारह वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को नाबालिग के रूप में पहचान कर बाल यौन शोषण पीड़ितों के लिए लिंग-तटस्थ विधायी संरचना स्थापित करता है। यह कानून बाल यौन शोषण के पुरुष और महिला अपराधियों के बीच कोई अंतर नहीं करता है, और कुछ मामलों में, न्यायालय प्रणालियों ने महिलाओं को समान अपराधों का दोषी पाया है।

इस अधिनियम में कई तरह की सजाओं का प्रावधान किया गया है. इसमें दोषी को 20 साल की जेल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा जुमार्ना भी भरना पड़ सकता है। आइए अब जानते हैं कि किस अपराध के लिए क्या सजा का प्रावधान किया गया है।किसी बच्चे को पोर्नोग्राफी के लिए इस्तेमाल करने का दोषी पाए जाने पर 5 साल तक की जेल और जुमार्ना हो सकता है।

अगर कोई बच्चा किसी बच्चे का इस्तेमाल दूसरी बार पोर्नोग्राफी के लिए करते हुए पकड़ा जाता है तो उसे 7 साल की जेल और अलग से जुमार्ना भरना पड़ सकता है।

किसी बच्चे की अश्लील तस्वीरें एकत्र करने या उन्हें किसी के साथ साझा करने पर भी सजा का प्रावधान है।

पोक्सो एक्ट की कुछ तथ्य

यह कानून 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए है।

यह कानून लिंग-तटस्थ है, यानी इसमें लड़के और लड़कियों दोनों की सुरक्षा का प्रावधान है।

इस कानून में बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों को परिभाषित किया गया है।

इस कानून में इन अपराधों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है।

इस कानून में बाल पीड़ितों की सहायता के लिए प्रावधान हैं।

इस कानून में बाल पीड़ितों की रिपोर्टिंग, जांच, और परीक्षण के लिए प्रावधान हैं.

इस कानून में बाल पीड़ितों के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने का प्रावधान है.

इस कानून में पीड़ित की पहचान की गोपनीयता बनाए रखने का प्रावधान है.

इस कानून में झूठी शिकायत करने पर सजा का प्रावधान है.

ऐसे मामलों में दोषी को तीन साल की जेल या जेल और जुमार्ना दोनों की सजा हो सकती है.

यदि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे पर प्रवेशन यौन उत्पीड़न का दोषी पाया जाता है, तो सजा 20 साल की जेल से लेकर आजीवन कारावास तक है।

हालांकि, अगर इस मामले में किसी नाबालिग की मौत हो जाती है तो दोषी को मौत की सजा भी दी जा सकती है।

दुर्व्यवहार की रिपोर्ट न करना अपराध हैः धारा 19 के तहत स्थापित अनिवार्य प्रकटीकरण आवश्यकता ढडउरड अधिनियम का सबसे प्रमुख और संभवतः सबसे विवादास्पद तत्व है। किसी संगठन के

पॉक्सो एक्ट यानी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है. यह कानून, बच्चों के हितों की रक्षा के लिए सभी चरणों में काम करता है. इस कानून के तहत, 18 साल से कम उम्र के सभी बच्चों को सुरक्षा मिलती है.

पॉक्सो एक्ट के तहत, बच्चों के खिलाफ यौन अपराध करने वालों को कड़ी सजा दी जाती है. इस कानून में, गंभीर यौन हमलों के मामलों में मौत की सजा का भी प्रावधान है.

पॉक्सो एक्ट के तहत, पुलिस की ज़िम्मेदारियां:

शिकायत मिलने पर तुरंत शिकायत दर्ज करना

पीड़ित या गवाह के बयान दर्ज करना

शिकायत के 24 घंटे के अंदर पीड़िता की मेडिकल जांच कराना

अपराध के सबूत इकट्ठा करना

अपराधियों का मुकदमा समयबद्ध तरीके से चलाना

पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित करना

पॉक्सो एक्ट के तहत, बच्चों के पुनर्वास के लिए विशेष सेवाएं और सहायता की व्यवस्था की गई है.

बच्चे के लिये सहायक व्यक्तिः

ढडउरड नियम उहउ को जाँच और परीक्षण प्रक्रिया के दौरान बच्चे की सहायता के लिये एक सहायक व्यक्ति प्रदान करने का अधिकार देता है।

सहायता करने वाला व्यक्ति बच्चे के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिये जिम्मेदार है, जिसमें शारीरिक, भावनात्मक एवं मानसिक कल्याण, चिकित्सा देखभाल, परामर्श तथा शिक्षा तक पहुँच शामिल है।

वह बच्चे एवं उसके माता-पिता या अभिभावकों को मामले से संबंधित अदालती कार्यवाही और विकास के बारे में भी सूचित करेगा।

18 साल से कम के बच्चों का संरक्षण

पॉक्सो एक्ट यानी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है। यह कानून, बच्चों के हितों की रक्षा के लिए सभी चरणों में काम करता है। इस कानून के तहत, 18 साल से कम उम्र के सभी बच्चों को सुरक्षा मिलती है।

पॉक्सो एक्ट के तहत, बच्चों के खिलाफ यौन अपराध करने वालों को कड़ी सजा दी जाती है। इस कानून में, गंभीर यौन हमलों के मामलों में मौत की सजा का भी प्रावधान है।

विशेष राहत का तत्काल भुगतान:

पोस्को नियमों के अंतर्गत बाल कल्याण समिति (उहउ) जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (उछरअ), जिला बाल संरक्षण इकाई (उऌढव) या फंड का उपयोग करके भोजन, कपड़े और परिवहन जैसी आवश्यक जरूरतों के लिये तत्काल भुगतान की सिफारिश कर सकती है। इसे किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के अंतर्गत बनाए रखा गया।

भुगतान उहउ की अनुशंसा प्राप्त होने के एक सप्ताह के अंदर किया जाना चाहिये।

पॉक्सो एक्ट, 2012 में कई धाराएं हैं. इनमें से कुछ धाराओं के नाम ये रहेः

धारा 4 और 6 के तहत पीड़ितों की देखभाल और सहायता के लिए योजना है.

धारा 22 के तहत झूठी शिकायत करने पर सजा का प्रावधान है.

धारा 13 के तहत बच्चों को अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने पर सजा का प्रावधान है.

धारा 3 के तहत भेदनात्मक यौन हमले का प्रावधान है.

धारा 5 के तहत गंभीर प्रवेशन यौन हमले का प्रावधान है.

धारा 7 के तहत यौन हमले का प्रावधान है.

धारा 9 के तहत उग्र यौन हमले का प्रावधान है.

धारा 11 के तहत बच्चे का यौन उत्पीड़न का प्रावधान है.

पॉक्सो एक्ट में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए सजा का प्रावधान है. इस एक्ट में संशोधन करके बाल यौन अपराधों से निपटने के लिए कठोर उपाय किए गए हैं.

लैंगिक हमला (धारा 7)- कम से कम 3 वर्ष का कारावास, जिसे 5 वर्ष तक के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है एवं जुमार्ना (धारा 8) गुरूत्तर लैंगिक हमला (धारा 9)- कम से कम 5 वर्ष का कारावास, जिसे 7 वर्ष तक के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है, व जुमार्ना (धारा 10) लैंगिक उत्पीडन (धारा 11)- 3 वर्ष का कारावास की सजा तथा जुमार्ना (धारा

पॉक्सो एक्ट में बच्चों को अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने के खिलाफ सख्त प्रावधान किए गए हैं। बच्चों को अश्लील उद्देश्यों/पोर्नोग्राफी के लिए इस्तेमाल करने पर धारा 13 में 5 साल की कैद और धारा 14(1) में बाद में अपराध करने पर 7 साल की कैद और जुमार्ने का प्रावधान

पॉक्सो एक्ट के तहत, बच्चों के खिलाफ यौन अपराध करने वालों को कम से कम तीन साल से लेकर उम्रकैद या मौत की सजा हो सकती है. इस एक्ट में अपराध की गंभीरता के आधार पर सजा का प्रावधान है.

पॉक्सो एक्ट के तहत सजा का प्रावधानः

धारा 3 के तहत प्रवेश लैंगिक हमले के लिए कम से कम 10 साल की सजा हो सकती है. इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है.

धारा 5 के तहत गंभीर प्रवेश लैंगिक हमले के लिए कम से कम 20 साल की सजा हो सकती है. इसे आजीवन कारावास या मौत की सजा तक बढ़ाया जा सकता है.

धारा 6 के तहत गंभीर पेनेट्रेटिव यौन हमले के लिए 20 साल की सजा हो सकती है. इसे उम्रकैद या मौत की सजा तक बढ़ाया जा सकता है.

धारा 11 के तहत लैंगिक उत्पीड़न के लिए तीन साल की सजा हो सकती है. धारा 13 के तहत बच्चों का अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने पर पांच साल की सजा हो सकती है. धारा 14-2 के तहत बच्चों का अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते समय यौन प्रताड़ना के गंभीर मामले लगते हैं।

(अधिवक्ता झारखंड हाई कोर्ट रांची)

जॉब खो जाने के डर से कर रहे हैं ये काम तो..

यदि आपको कभी लगता है कि आपकी कंपनी आपको नौकरी से निकाल सकती है तो ऐसा मत मानिये कि किसी प्रकार का नौकरी लॉस इंश्योरेंस आपको नई नौकरी पाने के दौरान कुछ महीनों तक सहारा देता रहेगा।

इस बात के आसार भी हो सकते हैं कि आप इसकी पात्रता भी ना रखते हों। टेक्नॉलॉजी सेक्टर में छंटनी का दौर चल रहा है। ऐसे में कर्मचारी ऐसे किसी विकल्प की तलाश में हैं जिससे उन्हें नौकरी खोने का भी बीमा मिल सके। आइये इसके बारे में कुछ और बातें जानते हैं...

- स्टैंड अलोन जॉब लॉस कवर उपलब्ध नहीं हैं। किसी भी प्रकार की बीमा कंपनी ऐसी पॉलिसी नहीं चलाती है। अन्य पॉलिसियां जो एक्सीडेंट और गंभीर बीमारी को कवर करती हैं, उसमें यह उपलब्ध है।
- यह केवल उन तीन सबसे बड़ी ईएमआइ के लिए हैं जो कि अपनी आय का पचास प्रतिशत किश्त में चुकाते हैं।
- एक से तीन महीने का समय वेटिंग पीरियड में आता है, इसका क्लेम केवल उसी समयावधि के लिए किया जा सकता है।
- छंटनी के मामले में पॉलिसी तभी लागू होती है जब नियोक्ता विलय या अधिग्रहण के चलते आपकी छंटनी कर दे। इसके लिए आपको छंटनी का लिखित प्रमाण चाहिये। बिना प्रमाण के लिए यह क्लेम मान्य नहीं होगा।
- कई पॉलिसियां ऐसी होती हैं जो कि इस तरह के क्लेम को मान्य नहीं करती। इसके अलावा विभिन्न बीमा में छंटनी को एक सूची के जरिये देखा जाता है।
- यदि नौकरी के रिस्क को लेकर कोई क्लेम पेश किया जाता है तो इसमें बहुत सारी शर्तें देखना होंगी।
- नौकरी के लॉस कवर का सीमित क्षेत्र देखते हुए इसका कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है।
- छंटनी का प्रमाण रखना बेहद जरूरी है क्योंकि वही चीज आपके काम आएगी यदि आपको क्लेम करने की पात्रता है।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

लौहनगरी जमशेदपुर के सबसे बड़े खेल आधारभूत संरचना जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कंपलेक्स जहां खेल गतिविधियों के लिए जाना जाता है। वहीं यहां लगी कलाकृतियां भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। यह शानदार और मनमोहन कलाकृति धावक की शक्ति का प्रतीक दिखायी देती है।

देवी श्री और देवी भू के साथ भगवान श्री वैकुंठनाथ का विवाह संपन्न

- श्री वैकुंठनाथ मंदिर ब्रह्मोत्सव के चौथे एवं अंतिम दिन का भव्य समापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। श्री वैकुंठनाथ मंदिर, शास्त्रीनगर में चार दिवसीय भव्य ब्रह्मोत्सव का समापन अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। अंतिम दिवस का शुभारंभ भगवान के दिव्य अभिषेक और नवकलश तिरुमंजनम के साथ हुआ। शास्त्रोक्त विधियों के अनुसार भगवान को विभिन्न पवित्र जलों, दुग्ध, पंचामृत और सुगंधित द्रव्यों से स्नान कराया गया, जिससे मंदिर प्रांगण में भक्तों ने दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

कार्यक्रम के दौरान श्री वैकुंठनाथ परिवार व उपस्थित पुजारीगण।

द्वादश आराधना और भोग अर्पण : इसके पश्चात भगवान की द्वादश आराधना संपन्न हुई, जिसमें भगवान को 56 भोग का विशेष अर्पण किया गया। इन भोगों का निर्माण दक्षिण भारत से आए विशेष रसोइयों ने किया, जो विशेष रूप से भगवान श्री वैकुंठनाथ के लिए पारंपरिक विधियों से प्रसाद तैयार करने हेतु आमंत्रित किए गए थे। 56 भोग में विभिन्न प्रकार की मिठाइयाँ, फल, विशेष खिचड़ी, विभिन्न व्यंजन और पारंपरिक प्रसाद सम्मिलित थे। भक्तों ने इन दिव्य प्रसादों को श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया और भगवान के प्रति अपनी असीम भक्ति प्रकट की। मंदिर प्रांगण में भोग अर्पण के समय वातावरण अत्यंत भक्तिमय और भावनात्मक था, जहां उपस्थित श्रद्धालु भगवान की महिमा का गुणगान कर रहे थे।

भगवान श्री वैकुंठनाथ का भव्य विवाह उत्सव : इस पावन अवसर पर भगवान श्री वैकुंठनाथ का विवाह देवी श्री और देवी भू के साथ संपन्न हुआ। विवाह उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें भगवान के विवाह के मंगल गीत गाए गए और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उत्सव का आयोजन किया गया। विवाह अनुष्ठान को संपन्न कराने के लिए कांचीपुरम से आमंत्रित 11 विद्वान पुरोहितों ने वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ इस पवित्र अनुष्ठान को संपन्न कराया। वेदों की ध्वनि, शंखनाद और भक्तों की जय-जयकार से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

बैंड वादकों द्वारा विशेष रागों की प्रस्तुति : ब्रह्मोत्सव के चारों दिनों में विशेष बैंड वादकों ने विभिन्न रागों की मधुर प्रस्तुति दी, जिससे संपूर्ण वातावरण दिव्यता से भर उठा। उत्सव के प्रत्येक दिन विशिष्ट समय पर अलग-अलग रागों की मनमोहक ध्वनि गूँजती रही। भगवान के विवाह उत्सव के दौरान बैंड वादकों ने विशेष रूप से मंगलकारी और मांगलिक रागों की प्रस्तुति दी, जिससे समूचा वातावरण एक अलौकिक और आध्यात्मिक अनुभव में परिवर्तित हो गया। विवाह संस्कार के दौरान श्रीनिवास कल्याणम् राग की प्रस्तुति ने सभी भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। इसके अतिरिक्त, नादस्वरम् और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों द्वारा मधुर धुनें बजाई गईं, जिससे भगवान श्री वैकुंठनाथ के विवाह का भव्य आयोजन और अधिक दिव्य प्रतीत हुआ।

भक्तों की भक्ति और ब्रह्मोत्सव का समापन : भक्तों ने भगवान के विवाह उत्सव का आनंद लेने के बाद उत्सव में सामूहिक रूप से विवाह गीत गाए और मंदिर परिसर में भक्ति भाव से झूम उठे। इस पावन अवसर पर सभी भक्तों ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

आज, ब्रह्मोत्सव के अंतिम दिन, सभी अनुष्ठानों की पूर्णता के पश्चात पुरोहितों ने ब्रह्मोत्सव के यजमान श्री मुरलीधर और उनके पूरे परिवार को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर भक्तों की उपस्थिति और उनकी असीम श्रद्धा ने ब्रह्मोत्सव को अत्यंत दिव्य और सफल बनाया।

इस प्रकार, चार दिवसीय श्री वैकुंठनाथ ब्रह्मोत्सव का समापन अत्यंत भक्तिमय और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ, जिससे समस्त भक्तगण ईश्वरीय आनंद और कृपा से अभिभूत हुए।

स्पीड न्यूज

कोल्हान विवि : पीएफ घोटाले की जांच के खिलाफ एजेंसी हाईकोर्ट की शरण में

जमशेदपुर। कोल्हान विश्वविद्यालय के आउटसोर्स एजेंसी सुपरस्टार सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पीएफ घोटाले की जांच चल रही थी, जिसमें बार-बार पीएफ विभाग धनबाद द्वारा उन्हें नोटिस देने के बावजूद दस्तावेजों को नहीं दिया जा रहा था। उक्त शिकायत जमशेदपुर कोऑपरेटिव लॉ कॉलेज के पूर्व छात्र अमर कुमार तिवारी ने की थी। इसके बाद सुपरस्टार कंपनी ने कार्यवाही से बचने के लिए झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दायर की है और मांग की है कि नीचे हो रहे कार्यवाही को रद्द कर दें जिसमें पीएफ विभाग धनबाद रांची समेत शिकायतकर्ता अमर तिवारी को प्रतिवादी बनाया गया है। शिकायतकर्ता अमर तिवारी ने बताया है कि अगर शिकायत गलत है तो एजेंसी क्यों नहीं मांगी गई दस्तावेज को विभाग को प्रस्तुत करता है, विश्वविद्यालय की मिली भगत के कारण और लापरवाही के कारण सैकड़ो कर्मचारियों का पीएफ अब तक भुगतान नहीं हो पाया है और उसमें घोटाला भी किया गया है ।

बोलबम के नारे के साथ बाबाधाम रवाना हुए मिथिला विकास मंच के लोग

गम्हरिया। मिथिला विकास मंच के दर्जनों सदस्य बोलबम के नारे के साथ सोमवार को देवघर के लिए रवाना हुए। मिथिला विकास मंच के अध्यक्ष फुलकांत झा ने सभी सदस्यों को रवाना किया। इससे पूर्व सभी सदस्य दुर्गा पूजा मैदान में एकत्रित होकर पूजा अर्चना की। झा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मंच के सदस्यों का काफिला देवघर जाकर पूजा अर्चना करते हैं। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर सवा लाख शिवपूजन पूजन के लिए उनके द्वारा गंगा जल लाया जाता है। यह कार्यक्रम मिथिला समाज की ओर से गम्हरिया स्थित दुर्गा पूजा मैदान में किया जाता है। मौके पर करीब 50 से अधिक महिला और पुरुष देवघर के लिए रवाना हुए।

गोविंदपुर आवास बोर्ड के क्षेत्र का होगा कायाकल्प: संजय पासवान

- वीर कुंअर सिंह स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर बनेगा विवाह मंडप, सिवेज सिस्टम अन्य काम भी होंगे
- हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने किया गोविंदपुर का दौरा

खबर मन्त्र ब्यूरो

गोविंदपुर हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र का स्थल निरीक्षण करते बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान व उपस्थित अन्य।

इन सुविधाओं पर मिला आश्वासन

1. सरकारी हाट बाजार में बाजार कॉम्प्लेक्स का निर्माण
2. वीर शिवाजी पार्क की चारदीवारी कर पार्क का निर्माण
3. वीर कुंवर सिंह स्टेडियम के दक्षिण छोर पर विवाह मंडप का निर्माण
4. गोविंदपुर में हाउसिंग बोर्ड के ऑफिस का निर्माण
5. सीवरेज सिस्टम का पुनः निर्माण आदि मांगों को कहा।

जमशेदपुर। झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय लाल पासवान जी के जमशेदपुर आगमन पर स्थानीय जिला परिषद डॉ परितोष के अनुरोध पर अध्यक्ष के द्वारा गोविंदपुर में हाउसिंग बोर्ड के खाली पड़े भू परिसंपदाओं का निरीक्षण किया गया।

सर्वप्रथम गोविंदपुरा आगमन पर जिला परिषद सदस्य डॉक्टर परितोष के द्वारा पुष्प कुछ एवं अंग वस्त्र देकर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया एवं उनके द्वारा असहाय व्यक्तियों के बीच कंबल वितरण भी किया गया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने अध्यक्ष महोदय से खाली पड़े भू परीसंपदाओं के अतिक्रमण के बारे में बताएं जिसके पश्चात उन्होंने खुद स्वयं जाकर सभी जगह का निरीक्षण किया।

हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने सभी जगह का स्वयं निरीक्षण किया एवं कार्यपालक अभियंता को सभी जगह पर स्थानीय जनों के सुविधा अनुसार प्रपोजल बना कर बोर्ड पर जमा करने का निर्देश दिया।

ईस्ट बंगाल एफसी अंडर 21 में दीपक दर्पण मार्डी हुए चयनित

अपने समर्थकों के साथ दीपक दर्पण मार्डी।

खबर मन्त्र ब्यूरो

चांडिल। तिलका कल्याण समिति गांगुडीह पुनर्वास ने चांडिल के समाजसेवी श्यामल मार्डी के पुत्र दीपक दर्पण मार्डी का ईस्ट बंगाल एफसी अंडर 21 में सिलेक्शन होने पर माला पहनाकर सम्मानित किया। दीपक के पिता श्यामल मार्डी ने अपने बेटे के उज्ज्वल भविष्य का कामना किया। उन्होंने कहा आने वाले दिनों में भारत के लिए खेले यही कामना है। दीपक दर्पण मार्डी ने कहा उनका अगला मैच 18 फरवरी को मोहन बगान से होगा।

संगठन विस्तार का काम जल्द पूरा करें आजसू के सभी जिलाध्यक्ष: सुदेश महतो

- आजसू की कोल्हान प्रमंडल स्तरीय बैठक दलमा हिल टॉप में संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

दलमा में आयोजित प्रमंडलीय बैठक को संबोधित करते आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो।

जमशेदपुर। सोमवार को दलमा हिल टॉप में कोल्हान प्रमंडल स्तरीय संगठन विस्तार को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, हरेलाल महतो, स्वप्न कुमार सिंहदेव, हसन अंसारी, प्रवीण प्रभाकर, सिद्धार्थ महतो, चंद्रगुप्त सिंह, सागेन हांसदा, संजय मेहता, सत्यनारायण महतो, डोमन टुडू , कन्हैया सिंह, नंदू पटेल, रविशंकर मौर्या, अशोक मांझी, दीपक अग्रवाल, अमित महतो, आरती सिंह मुंडा, मंजू राज उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण बैठक में सरायकेला खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिम सिंहभूम जिले के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए। तीनों जिले के केंद्रीय, जिला, नगर, प्रखंड पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में भाग लिया। बैठक के अंत में पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

चंपई सोरेन का अपमान बर्दास्त नहीं किया जायेगा: रामदास टुडू

- सुप्रियो भट्टाचार्य की बयानबाजी के खिलाफ कोल्हान में भारी आक्रोश

खबर मन्त्र ब्यूरो

आदिवासी नेता रामदास टुडू।

जमशेदपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बारे में दिए गए बयान के बाद कोल्हान के मजदूरों, किसानों एवं आदिवासियों में भारी नाराजगी है। इस मुद्दे पर जिले के वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं आदिवासी सांवता सुशार अखाड़ा के संयोजक रामदास टुडू एवं सोनाराम मार्डी ने झामुमो प्रवक्ता पर हमला बोलते हुए कहा, सरायकेला में झामुमो प्रत्याशी की हार से बौखलाये सुप्रियो भट्टाचार्य यह भूल रहे हैं कि कोल्हान समेत पूरे झारखंड में झामुमो का संगठन बनाने में पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन जी का सबसे बड़ा योगदान है।

झारखंड आंदोलन के समय, उन्होंने संगठन के लिए जंगलों, पहाड़ों एवं गांवों में लगातार कई-कई महीनों तक रहे। उस समय ना कोई पद था, ना झारखंड राज्य था और ना ही सत्ता में आने की कोई उम्मीद थी। लेकिन उस समय भी उन्होनें हजारों मजदूरों को इकट्ठा कर आंदोलन किया।

कल सोहदा में आदिवासी भूमिज समाज का विदिदिरि झंडा दिवस

- झारखंड, बंगाल और उड़ीसा की 60 सांस्कृतिक टीमें लेंगी हिस्सा

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

जादूगोड़ा। जादूगोड़ा से सटे सोहदा फुटबॉल मैदान में सोमवार को आदिवासी भूमिज समाज की बैठक हुई। बैठक में आगामी 12 फरवरी को विदिदिरि झंडा दिवस मनाने का फैसला लिया व कार्यक्रम की रेखा तैयार की गई।इस कार्यक्रम में झारखंड, बंगाल व उड़ीसा से 60 सांस्कृतिक टीमें हिस्सा लेगी। इधर बैठक के बाद आदिवासियों भूमिज समाज के सलाहकार सिदेश्वर सरदार व जयपालसिंह ने कहा कि सुबह 10.30 बजे विदिदिरि झंडोतोलन के साथ कार्यक्रम का शुभारभ होगा जबकि दोपहर 2 बजे माघ बुरु सुसुन अखाड़ा व अंत में सुसन गांवता को सांत्वना पुरस्कार के साथ सम्मानित करने का कार्यक्रम रखा गया है।

शहर में पहली बार सामूहिक विवाह : 12 को 11 जोड़ियों के हाथ पीले करवायेगा सोनार समाज

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। आगामी 11 एवं 12 फरवरी को कन्नौजिया सोनार समाज के लोगों का जुटान होगा,पूरे भारत वर्ष से समाज के लोग 11 एवं 12 फरवरी को आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे। उक्त बातें राष्ट्रीय कन्नौजिया सोनार महापरिवार के राष्ट्रीय प्रमुख रंजीत कुमार बर्मन, राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय बर्मन एवं राष्ट्रीय महासचिव आनंद बर्मन ने कही। उन्होंने कहा कि लौहनगरी जमशेदपुर में पहली बार सोनार समाज के लोगों का जुटान एवं 11 जोड़ियों को सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। जुगसलाई के सेवा सदन रोड स्थित श्री राजस्थान शिव मंदिर प्रांगण एवं महेश्वरी धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस मौके पर विभिन्न राज्यों एवं जिला से आये वर-वधू पक्ष के लोगों के लिए निःशुल्क रहने एवं भोजन की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि 11 फरवरी को संध्या 6 बजे मेंहदी एवं संगीत कार्यक्रम होगा एवं दूसरे दिन 12 फरवरी को सुबह 10 बजे से बारात भ्रमण के उपरांत वरमाला एवं पंडित-समूहों द्वारा शादी संपन्न कराया जायेगा। संध्या में विदाई होगी जिसमें नव दंपत्तियों को घर बसाने हेतु लगभग सभी सामग्री उपहार सहित प्रदान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह पांचवां सामूहिक विवाह समारोह है, इससे पूर्व रांची, आसनसोल, देवघर एवं पटना में सामूहिक विवाह हो चुका है। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय कन्नौजिया सोनार महापरिवार के द्वारा समाज में कई तरह के सामाजिक कार्य किये जाते हैं।

तैयारी बैठक में उपस्थित कन्नौजिया सोनार समाज के पदाधिकारीगण।

एक नजर में

चाईबासा : डीसी-एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिले के डीसी कुलदीप चौधरी और एसपी आशुतोष शेखर के द्वारा कल से आयोजित हो रही मैट्रिक और इंटर परीक्षा के सफल आयोजन हेतु संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला डीसी के द्वारा केन्द्रों में अधिष्ठापित सीसीटीवी, सभी रूम में सीटिंग प्लान की जांच, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, समुचित लाइटिंग की व्यवस्था, शौचालय, साफ-सफाई सहित अन्य बिंदुओं का जांच करते हुए संबंधित पदाधिकारी को उचित दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों में छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। मौके पर उप विकास आयुक्त, प्रशिक्षु आईएएस, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर अंचलधिकारी सहित अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इंडियन ओवरसीज बैंक का स्थापना दिवस मानगो शाखा में मनाया गया

जमशेदपुर। इंडियन ओवरसीज बैंक का 89वां स्थापना दिवस बैंक के मानगो शाखा परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, समाजसेवी राजकुमार सिंह, समाजसेवी उपेन्द्र सिंह मस्तान, शिक्षाविद् श्रीमन नारायण त्रिगुण, शिक्षाविद् विकास कुमार सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में पंकज सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। इंडियन ओवरसीज बैंक के कर्मचारी बेहतर ग्राहक सेवा के माध्यम से एवं अपने विभिन्न बैकिंग उत्पाद को समाज के अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचा सके यह प्रयास होना चाहिए। धन्यवाद ज्ञापन विवेक पराशर सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक अरुण कंडुलना, उप प्रबंधक संजय हांसदा, रंजीत बिन्धानी, हीरामती हेम्बरम, प्रियंका अग्रवाल, पूतूल लकड़ा सेवानिवृत सदस्यों में स्वर्णकमल दासगुप्ता, कृष्ण मोहन पाण्डेय, पी के बनर्जी, बाबुलाल आदि थे।

श्री साईनाथ देवस्थानम् में 25 से दो दिवसीय महा शिवरात्रि महोत्सव

जमशेदपुर। साईं परिवार विश्व सेवा संसथान, जमशेदपुर के तत्वाधान में श्री साईनाथ देवस्थानम, घोड़ाबांधा, टेल्को स्थित श्री शिवालय में 25 एवं 26 फरवरी को दो दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। महोत्सव के प्रथम दिन 25 फरवरी को संध्या 6 बजे से शहर के जाने माने कलाकार प्रेम अग्रवाल के द्वारा भजन संध्या में भजन पेश किया जाएगा एवं शिव विवाह की झांकी निकाली जाएगी। महोत्सव के मुख्य दिन 26 फरवरी को प्रातः 5 बजे से शाम 5 बजे तक विशेष पूजन एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया जायेगा। सायं 7.30 बजे से अगले दिन 27 फरवरी प्रातः 4 बजे तक नमक चमक रुद्राभिषेक, रूद्र हवन, पुष्पांजलि एवं महाआरती होगी।

कांग्रेस नेता विजय यादव की पत्नी के निधन पर परिजनों से मिले संजय लाल पासवान

जमशेदपुर। झारखंड आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान के शहर आगमन पर गोविंदपुर स्थित कांग्रेस नेता विजय यादव की धर्मपत्नी का विगत दिनों देहांत हो गया था। आज उनके आवास में विजय यादव से मिलकर उनके पत्नी के मृत्यु पर अत्यंत दुख जाहिर किया एवं शोक व्यक्त किया। उनके आवास में विजय यादव से मिलने वाले में कांग्रेस प्रदेश महासचिव परविंदर सिंह, प्रदेश सचिव एवं जिला पार्षद परितोष सिंह, कांग्रेस प्रदेश प्रतिनिधि संजय यादव, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रजनीश सिंह, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय पूर्व सचिव ज्योतिष यादव, देवशरण सिंह, अनिल यादव, हरेंद्र मिश्रा, नरेश गौड़ा, अरविंद साहू, भोला यादव, रवि यादव, अशोक सिंह, रविंद्र प्रसाद, सुधीर राय उपस्थित थे।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में बजट सत्र पर परिचर्चा का हुआ आयोजन

जमशेदपुर। सोमवार को जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के बिष्टुपुर कैम्पस के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा बजट सत्र पर परिचर्चा का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम माननीय कुलपति महोदया प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता के मार्गदर्शन से किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष एवं आईक्यू एसी डायरेक्टर डॉ रत्ना मित्रा के सहयोग से इस बजट सत्र पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें अर्थशास्त्र सहित सभी विभाग की छात्राएं उपस्थित हुई। अर्थशास्त्र विभाग की शोधार्थियों के द्वारा बजट सत्र पर परिचर्चा हुई। अर्थशास्त्र विभाग की छात्रा श्वेता कुमारी, सुमेधा, साईं भारती तथा रितु रानी ने बजट से संबंधित विविध पहलुओं पर अपने वक्तव्य रखें। उन्होंने बजट के पक्ष एवं विपक्ष में अपने-अपने विचार रखे। विद्यार्थियों के लिए यह परिचर्चा उपयोगी, सार्थक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

टेम्पो जप्त करते हुए चालकों पर होगी कानूनी कारवाई: मनोज कुमार

बरवाडीह। बरवाडीह अंचल अधिकारी मनोज कुमार और थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार ने सोमवार को बरवाडीह प्रखण्ड मुख्यालय के आदर्श नगर मोड़ के समीप लगने वाले टेंपो स्टेंड को उक्त स्थल से हटाने का सख्त निर्देश स्टेंड संचालक को दिया है। मामले के संबंध में स्थानीय निवासी सह सॉफ्टवेयर इंजीनियर अरविंद कुमार द्वारा बरवाडीह अंचल अधिकारी को लिखित शिकायत दी गई थी। अरविंद कुमार ने बताया कि उनके आवास के आसपास पूरे दिन टेम्पो का जमावड़ा लगा रहता है। टेंपू चालकों द्वारा नशीली पदार्थों का सेवन भी किया जाता है। जिस कारण महिलाओं का घर से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं, अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। जिसके बाद अंचलाधिकारी ने थाना प्रभारी के साथ स्टेंड पर पहुंच टेम्पो को बस स्टेंड में लगाने के निर्देश दिए।

खबर का असर: चिराईकटवा टोला में खराब पड़े जलमीनार की अधिकारियों ने की जांच

शरारती तत्वों द्वारा सोलर में किया गया है बाईपास कनेक्शन: प्रशांत पाण्डेय

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। हेहेगडा के चिराईकटवा टोला में पांच महीने से जलमीनार खराब, नामक शीर्षक से सोमवार को खबर मंत्र में प्रमुखता से खबर प्रकाशित किए जाने पर विभाग हरकत में आया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहायक अभियंता प्रशांत पाण्डेय ने मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए कनीय अभियंता पीयूष रंजन के नेतृत्व में एक जांच टीम का गठन कर सोमवार को ही खराब पड़े जलमीनार का निरीक्षण करते हुए जांच की गई। टीम ने जांच के क्रम में पाया कि स्टार्टर में सोलर के

जांच करते कनीय अभियंता

माध्यम से बाईपास कनेक्शन कर मोबाइल चार्जिंग में इसका उपयोग किया जा रहा था। जिस कारण इसका स्टार्टर खराब हो गया है। जहां सहायक अभियंता प्रशांत पाण्डेय ने बताया कि वर्ष 2017 - 18 में इस जलमीनार का निर्माण पीटीजी योजना के तहत कराया गया था। इसका मेंटेनेंस पीरियड दो वर्षों का था जो कि समाप्त हो गया है। मेंटेनेंस पीरियड समाप्त होने के बाद इसकी देख रेख की जिम्मेवारी ग्राम जल स्वच्छता समिति की होती है। बताया कि उक्त जलमीनार के स्टार्टर को गांव के ही कुछ शरारती तत्वों के द्वारा सोलर से बाईपास कनेक्शन कर खराब कर दिया गया है। इसकी सूचना वरीय अधिकारियों को दे दी गई है। वहीं इसके मरम्मती के संबंध में पूछे जाने पर श्री पाण्डेय ने बताया कि इसकी मरम्मती के लिए प्राक्कलन तैयार कर विभाग को भेजा जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि सोलर और स्टार्टर सिस्टम के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें इससे जलमीनार खराब होने के साथ पेयजल आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित होती है। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों से इस प्रकार की शिकायतें आती रहती है। कई जगहों पर बाईपास कनेक्शन से स्टार्टर खराब पाया गया है और कई जगहों पर असामाजिक तत्वों द्वारा चंद पैसों के लालच में स्टार्टर ही चोरी कर ली जा रही है। उन्होंने ऐसे लोगों पर कानूनी कारवाई करवाने की बात कही है।

एक नजर में

बालूमाथ में मैट्रिक की परीक्षा में 1648 और इंटर की परीक्षा में 1133 बच्चे लेंगे भाग

खबर मन्त्र संवाददाता

बालूमाथ। झारखंड अधिविध परिषद द्वारा आज से आयोजित मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में बालूमाथ के विभिन्न विद्यालयों से 1648 परीक्षार्थी मैट्रिक की परीक्षा देंगे वही 1133 परीक्षार्थी इंटरमीडिएट की परीक्षा देंगे। मैट्रिक की परीक्षा को लेकर चार केंद्र बनाए गए हैं। जिसमे झाबर उच्च विद्यालय,प्रोजेक्ट इंदिरा गांधी स्कूल केंद्र में राजकीय कृत उच्च विद्यालय के 365 बच्चे,उच्च विद्यालय शेरेगडा के 146 बच्चे,उच्च विद्यालय गणेशपुर के 62 बच्चे,वही उच्च विद्यालय सेमरशोत के 133 बच्चे भाग लेंगे इसके अलावा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में उच्च विद्यालय मासीयातू के 88 बच्चे, उच्च विद्यालय झाबर के 183 बच्चे, उच्च विद्यालय बालू के 96 बच्चे, राजकीय कृत उच्च विद्यालय बालूमाथ में प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल के 215 बच्चे,उच्च विद्यालय मुरपा के 285 बच्चे,कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के 75 बच्चे मैट्रिक परीक्षा में भाग लेंगे । वही इंटरमीडिएट की परीक्षा में चार केंद्र बनाए गए हैं जिसमें प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल बालूमाथ में राजकीय कृत उच्च विद्यालय बालूमाथ के 185 बच्चे,कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के 22 बच्चे,मॉडल स्कूल बालूमाथ के दो बच्चे,वही राजकीय कृत उच्च विद्यालय केंद्र में राजकीय कृत उच्च विद्यालय के 600 बच्चे वही गर्ल्स मॉडल स्कूल बालूमाथ में राजकीय कृत उच्च विद्यालय के 140 बच्चे वहीं परीक्षा केंद्र उच्च विद्यालय झाबर में राजकीय कृत उच्च विद्यालय के 184 बच्चे इंटर की परीक्षा में भाग लेंगे।

बाराखार व नावाडीह जाने के लिए अबतक नहीं बना सड़क

जर्जर पगडंडी के सहारे चलते हैं ग्रामीण

जर्जर सड़क

संजय राम

बारियातू। प्रखंड के सिबला पंचायत अंतर्गत बेसरा ग्राम के टोला बाराखार व मकरा ग्राम के टोला नवाडीह जाने के लिए सड़क नहीं बनने के कारण जर्जर पगडंडी के सहारे ग्रामीणों आवगमन करते हैं जिससे काफी परेशानी हो रही है। सड़क नहीं बनने के कारण मुख्यालय सहित विद्यथीर्यों को विद्यालय जाने मे काफी कठिनाई होती है। बाराखार व नवाडीह मिलाकर लगभग 200 घरों मे गंझु अनुसूचित जन जाति के लोग निवास करते हैं। ग्रामीण राजेंद्र गंझु, कुलदीप गंझु, टेंपा गंझु, घिरण गंझु, रघुनाथ गंझु, बुधन गंझु, सुधन गंझु, महेंद्र गंझु बाराखार व नावाडीह के कई अन्य ग्रामीण बताते हैं की उक्त दोनों टोले मे सड़क नहीं बने रहने के कारण कोई जल्दी शादी विवाह नहीं करना चाहते हैं। बहुत मुश्किल से यहाँ शादी बिवाह किया जाता है। सड़क के आभाव मे बाराखार मे चपानल बोरिंग नहीं हो पा रहा है जिससे पेयजल के लिए भी काफी कठिनाई होती है। बाराखार व नावाडीह से मकरा तक लगभग चार किमी दूर तक बीमार व्यक्ति या गर्वती महिला को जुगाड़ कर ले जाते हैं तो किसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँच पाते हैं। सड़क के आभाव मे यहां के लोगों को काफी दंस झेलना पड़ रहा है। ग्रामीण बताते हैं की हमलोग पीढ़ी दर पीढ़ी से इस टोले मे निवास करते आ रहे हैं। लेकिन आज तक यहाँ सड़क नहीं बना है । सड़क इतना जर्जर है की दिन मे तो किसी तरह चल लेते हैं परन्तु रात्रि मे चलना खतरे से खाली नहीं है। किसान कृषि उत्पादन करते हैं लेकिन सड़क के आभाव मे शब्जी को बाजार ले जाने मे लोहे की चना चबाने जैसा महशुस होता है। चुनावी माहौल मे कई नेता बाबुओ ने सड़क बनवाने का वायदे किए और वोट भी लिए लेकिन अपना काम बनता भांड मे जाये जनता का कहावत चरितार्थ हो रहा है। ग्रामीणों मे उपायुक्त, सांसद व विधायक से उक्त दोनों टोला मे सड़क बनवाने की गुहार लगाई है।

ग्रामीणों ने बीडीओ को आवेदन सौंप लगाई न्याय की गुहार

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखण्ड के चुंगरू पंचायत में सरकार द्वारा पीटीजी परिवार जनमन योजना के तहत दिए जाने वाले आवास में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से निकासी करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले के संबंध में पंचायत के ओपाग ग्राम निवासी सह झामुमों नेता बिपिन बिहारी सिंह ने बीडीओ रेशमा रेखा मिंज को लिखित शिकायत की है। दिए गए आवेदन में श्री सिंह ने बताया है कि ओपाग ग्राम में आवास मित्र के रूप में संतोष कुमार सिंह पिता लीलनाथ सिंह कार्य कर रहा है। जनमन आवास योजना का लाभ गांव के कई गरीब लोगों को मिला है। जिसमें सात लाभुकों को मनरेगा से मिलने वाले राशि की निकासी फर्जी तरीके से कर ली गई है। उन्होंने फर्जी निकासी का आरोप प्रखण्ड कॉर्डिनेटर और आवास मित्र की मिली भगत से किए जाने का आरोप लगाया है। बिपिन बिहारी सिंह ने बताया कि इसके पूर्व उन्होंने मामले की लिखित शिकायत जिले के उपायुक्त महोदय से की है लेकिन आज तक कोई कारवाई नहीं हुई। जिसके उपरांत सोमवार को प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को आवेदन देकर मामले में उचित कारवाई और न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में बीडीओ से जानकारी लेने के लिए दूरभाष पर संपर्क किया गया पर उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं आवास योजना के प्रखण्ड समन्वयक दीपक कुमार का मोबाइल ऑफ बताया।

चंदवा के डुमारो में झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ की बैठक सम्पन्न

पंचायत कमिटी गठित, अध्यक्ष बने राजकुमार प्रजापति, महिला अध्यक्षा बनी किरण देवी

खबर मन्त्र संवाददाता

बैठक करते लोग

चंदवा। प्रखंड के सुदूरवर्ती डुमारो ग्राम पंचायत में झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ चंदवा की पंचायत स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रखण्ड अध्यक्ष गुलाब प्रजापति व संचालन मोहन प्रजापति ने की। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि महासंघ के अध्यक्ष भुनेश्वर प्रजापति, विशिष्ट अतिथि समाज के वरिष्ठ अभिभावक रामवृक्ष प्रजापति, हरिवंश प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, अधिवक्ता रमन महतो मौजूद थे। बैठक में इन्होंने समाज को संगठित होने पर बल देते हुए कहा कि जबतक समाज संगठित नही होगा हम सभी उपेक्षा के शिकार होते रहेंगे, इसलिए महासंघ प्रखण्ड के लेकर पंचायत स्तर तक कमिटी बना रही है, ताकि समाज के हक एवं अधिकार की लड़ाई लड़ी जाए।

इस दौरान इन्होंने समाज मे व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प दिलाया साथ ही सर्वसम्मति से पुरुष के साथ महिला पंचायत कमिटी का गठन भी कराया। पुरुष कमिटी में अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति, उपाध्यक्ष संतोष प्रजापति, सचिव दीपक प्रजापति, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर प्रजापति, सह कोषाध्यक्ष किशुन प्रजापति, सह सचिव संजय प्रजापति, मीडिया प्रभारी मोहन प्रजापति, संरक्षक परमेश्वर प्रजापति को बनाया गया है, साथ विनोद, सचिन, अभय व तुलशी को सदस्य बनाया गया है, जबकि महिला कमिटी में अध्यक्षा किरण देवी, सचिव पानो देवी, कोषाध्यक्ष रेखा देवी वहीं सदस्य मुनिया देवी व सुनीता देवी को बनाया गया है। मौके पर यदु प्रजापति, बिजय प्रजापति, पंकज प्रजापति समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

मंत्री चमरा लिंडा ने नर्सिंग कौशल कॉलेज का किया निरीक्षण

स्मृति चिन्ह भेंट करते उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा का सोमवार को परिसदन लातेहार में आगमन हुआ। इस दौरान जिले के वरीय अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा मंत्री को स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट किया गया। इसके पश्चात राजहरा स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज का निरीक्षण किया गया। मंत्री ने नर्सिंग कौशल कॉलेज में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम व प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षुओं के प्लेसमेन्ट के बारे में जानकारी लेते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम से अवगत हुए। मंत्री के द्वारा प्रशिक्षण कक्ष का अवलोकन कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया। इसके अलावे जनजातीय कल्याण ग्रामीण अस्पताल, मननचोटाग का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की जानकारियां ली गई। इस दौरान दवाइयों की व्यवस्था सहित विभिन्न आवश्यक एवं उपयोगी सामग्रियों के बारे में जायजा लिया गया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया।

रेन्ची में अंचल द्वारा आहूत ग्राम सभा में नही पहुंचे ग्रामीण, सभा स्थगित

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। तेनुघाट विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को प्रस्तावित रजवार कोल ब्लॉक से प्रभावित हो रहे रैयतों के जमीन संबंधी समस्याओं के निराकरण को लेकर आहूत ग्राम सभा स्थगित हो गयी। आहूत ग्राम सभा मे अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक, राजस्व कर्मचारी जनेश्वर राम एवं कम्पनी प्रबंधन के लोग पहुंचे लेकिन ग्रामीणों की उपस्थिति न के बराबर हुई जिस कारण सभा को अगली तिथि के लिए स्थगित कर दिया गया।

विदित हो कि 10 फरवरी को आहूत ग्राम सभा के निमित रविवार को ग्रामीणों ने बैठक की थी जिसमें 10 फरवरी को होने वाली ग्राम सभा की तिथि को बढ़ाने की बात कही गयी थी।

अंचलाधिकारी ने बताया कि जल्द ही ग्राम सभा को लेकर अगली तिथि घोषित की जाएगी एवं रैयतों की जो भी परेशानी है उसे सुना जाएगा और समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

संत क्लारेट स्कूल की छात्रा वृद्धि श्री ने इसईसी राष्ट्रीय छत्रवृति परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर लाई 8वीं रैंक

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड के लेदगांई में स्थित संत क्लारेट स्कूल की क्लास टू की छात्रा वृद्धि श्री ने वर्ष 2024 में आयोजित इसईसी राष्ट्रीय छत्रवृति परीक्षा में भाग ली थी जिसमे वृद्धि श्री ने राष्ट्रीय स्तर पर ग्रेड एड्ड8वीं रैंक लाई है। वहीं सोमवार को स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के तहत स्कूल के फादर जॉर्ज के द्वारा वृद्धि श्री की प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया।

सदस्यता अभियान का किया गया शुरूआत

राज्य भर में 50 लाख सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य : सिकंदर बाड़ा

सदस्यता अभियान में उपस्थित लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

मनिका। मनिका प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के निदेर्शानुसार दिन सोमवार को झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सिखेश्वर राम के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सदस्यता अभियान की शुरूआत किया गया। इस अभियान के माध्यम से पहले ही दिन सैंकड़ों लोगों ने झामुमो का सदस्यता ग्रहण किया। वहीं झामुमो का दामन थामने वाले लोगों ने बताया कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्यहित के प्रति विकास कार्यों को देखते हुए सभी लोग झामुमो में शामिल हुए हैं। मौके पर युवा नेता सिकंदर बाड़ा ने कहा कि सदस्यता अभियान के तहत बहुत ही तेजी से झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ लोग जुड़ रहे हैं जिससे कि आने वाले दिनों में झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी काफी मजबूत स्थिति पर पहुंचेगी। उन्होंने हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले महागठबंधन सरकार की योजनाओं को भी गिनाया। साथ ही योजना का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान के माध्यम से पूरे राज्य भर में झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के साथ 50 लाख सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूजा कुमारी,सचिन,सरिता देवी,समेत कई लोग उपस्थित थे।

एसबीआई शाखा प्रबंधक पर अमानवीय व्यवहार का आरोप, ग्राहकों में आक्रोश

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखण्ड मुख्यालय के भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक प्रवीण किशोर पर ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का गंभीर आरोप लगा है। बरवाडीह निवासी सह भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष सूरज कुमार ने सोमवार को धनबाद निवासी शिवांगी कुमारी के आवेदन की स्थिति जानने बैंक पहुंचे। जहां प्रबंधक ने आवेदन की जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया और कथित तौर पर उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। सूरज ने बताया कि उन्होंने बैंक के सभी नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्वक लाइन में खड़े होकर बैंक मैनेजर से शिवांगी कुमारी के आवेदन के बारे में जानकारी मांगी।

शिवांगी कुमारी ने 8 जनवरी 2025 को धनबाद से भारतीय स्टेट बैंक, बरवाडीह शाखा को एक आवेदन स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा था। भारतीय डाक विभाग के ट्रैकिंग विवरण के अनुसार, यह आवेदन 14 जनवरी 2025 को एसबीआई शाखा को सफलतापूर्वक प्राप्त हो चुका था। जब सूरज कुमार ने अपनी बहन के आवेदन की स्थिति जाननी चाही, तो बैंक मैनेजर प्रवीण किशोर ने आवेदन प्राप्त होने से साफ इनकार कर दिया। जब डाक

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बरवाडीह

विभाग से स्पीड पोस्ट कंसाइनमेंट नंबर के माध्यम से यह पुष्टि हुई कि आवेदन बैंक में पहले ही पहुंच चुका है, तब भी बैंक प्रबंधन ने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। जब दोबारा आवेदन की स्थिति पूछी गई, तो बैंक मैनेजर ने अभद्र और कठोर भाषा में जवाब देते हुए कहा कि कोई आवेदन मेरे पास नहीं आया और उन्हें बैंक से बाहर निकालने का आदेश दे दिया। इस घटना के बाद बैंक उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। सूरज कुमार ने कहा कि यदि बैंक प्रबंधक एक पत्रकार और संगठन के प्रतिनिधि के साथ इस तरह का व्यवहार कर सकते हैं, तो रोजाना बैंक आने वाले आम ग्राहकों के साथ उनका रवैया कैसा होगा, इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। स्थानीय नागरिकों और उपभोक्ताओं का कहना है कि बैंक कर्मचारियों का गैर-जिम्मेदाराना रवैया, ग्राहकों को बार-बार गुमराह करना और उनके साथ दुर्व्यवहार करना अब आम हो गया है। यदि कोई व्यक्ति अपनी समस्या लेकर बैंक जाता है, तो उसे बार-बार टाल दिया जाता है, झूठी जानकारी दी जाती है या फिर बैंक मैनेजर और अन्य कर्मचारी दुर्व्यवहार करने लगते हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है जब बैंक उपभोक्ताओं को उनकी जरूरत की सेवाओं से वंचित किया गया हो। बरवाडीह क्षेत्र के कई लोगों ने पहले भी शिकायत की है कि बैंक में सही समय पर काम नहीं होते, ग्राहकों को घंटों लाइन में खड़ा रखा जाता है और उनके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जाता। सूरज कुमार और अन्य उपभोक्ताओं ने बैंक मैनेजर के व्यवहार की कड़ी निंदा की है और इस मामले में उच्च अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में दो छात्र घायल

चंदवा। थाना क्षेत्र के गैरेज लेन के समीप दो बाइकों की टक्कर में दो छात्र घायल हो गए। जानकारी के अनुसार शाहनवाज आलम (पिता साबिर आलम) व अबू साद (पिता वहाजुल हक) मैट्रिक की परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड लेने स्कूल गए थे। वहां से लौटने के क्रम में गैरेज लेन के समीप दूसरे बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे वो घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को चंदवा सीएचसी पहुंचाया। जहां मेडिकल टीम द्वारा उनका इलाज किया गया। दुर्घटना की वजह अनियंत्रित गति से बाइक परिचालन बताया गया।

छोटू कंप्यूटर सह प्रज्ञा केंद्र का हुआ उद्घाटन

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्तिथ मथुरा कॉम्प्लेक्स में छोटू कंप्यूटर सह प्रज्ञा केंद्र का उद्घाटन मुखिया नरेश लोहरा, भाजपा नेता अमित कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। वहीं इस प्रज्ञा केंद्र में आधार कार्ड, ऑनलाइन के साथ ही वीडियो कैमरा के लिए भी यहां पर बुकिंग किया जाता है। इसकी जानकारी देते हुए प्रज्ञा केंद्र की मालिक छोटू कुमार ने बताया कि यहां पर सभी तरह की कंप्यूटर ऑनलाइन से संबंधित सारे कार्य यहां किए जाते हैं और यहां पर शादी विवाह के लिए वीडियो कैमरा भी बुकिंग किया जाता है।

बालिका उच्च विद्यालय में 10वीं की छात्राओं के बीच कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला में उपस्थित लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। स्थानीय गर्ल्स हाई स्कूल प्रांगण में सोमवार की सुबह मैट्रिक की परीक्षा देने वाली सभी छात्राओं के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानाध्यापिका दोरथिया खलको कर रही थी। सभी शिक्षिकाओं ने बच्चियों को परीक्षा को लेकर मन मे बने डर एवं तनाव को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। बगैर तनाव लिए परीक्षा हॉल में प्रवेश करने की बात कही। इस दौरान फाइल देकर मैट्रिक की परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें 9 वीं व आठवीं की बच्चियों ने परीक्षा देने वाली सभी सीनियर को बधाई दी व एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मौके पर शिक्षिका अंजू कुमारी, केरी लकड़ा, शबनम कुजूर, शांति देवी, सीआरपी विकास कुमार, लिपिक उज्जवल सिंह समेत बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थी।

भाजपा कार्यकर्ता ने किया सक्रिय सदस्य का जांच

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी का भाजपा कार्यालय में सक्रिय सदस्यों का जांच एवं सत्यापन, भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के द्वारा नियुक्त सत्यापन पदाधिकारी रघुराज पांडेय एवं सह सत्यापन पदाधिकारी विष्णु देव प्रसाद गुप्ता के द्वारा किया गया। मौके पर उपस्थित थे। मौके पर जिला अध्यक्ष पंकज सिंह समेत कई लोग उपस्थित रहे।

फाइनेंस की बाइक जब्त करने के दौरान रेपो ने हंसडीहा में फार्माकर्मी व एसआइ के साथ की मारपीट

पहले फार्मा कंपनी के कर्मी से रुपये छीन कर पीटा, सूचना पर पहुंची हंसडीहा थाना के एसआई के साथ की मारपीट

खबर मन्त्र संवाददाता

सरैयाहाट। फाइनेंस कंपनी के द्वारा देवघर के युवक की बाईक को जब्त करने के दौरान रुपए छीनने और मारपीट की सूचना पर पहुंचे हंसडीहा थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर धीरज कुमार के साथ भी कुछ युवकों के द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। रविवार की रात मारपीट में घायल बाईक सवार फार्मा कंपनी में कार्यरत युवक साजन कुमार विलियम टाउन देवघर और एसआई धीरज कुमार का सीएचसी सरैयाहाट में प्राथमिक उपचार कराया गया।

बताया जाता है कि हंसडीहा में वाहन फाइनेंस कंपनी के द्वारा रेपो एजेंसी के द्वारा उन वाहनों को जब्त किया जाता है, जो समय पर कंपनी में स्टॉलमेंट की राशि जमा नहीं करते हैं। रविवार को भी रेपो कर्मी के द्वारा देवघर के रहने वाले व्यक्ति से बकाया राशि की बात कह बाईक को जब्त किया जा रहा था।

इसी दौरान रेपो कर्मियों के द्वारा युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी गई। जिसके बाद सूचना पर जब हंसडीहा थाना के एसआई धीरज कुमार पहुंचे तो युवकों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इस पूरे मामलें में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। विलियम टाउन देवघर निवासी साजन कुमार ने प्राथमिकी में साठ हजार रुपए छीनने और मारपीट की बात कह हंसडीहा के पगवारा निवासी श्रवण यादव और चंदन यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है।

जबकि हंसडीहा थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर धीरज कुमार ने अपनी प्राथमिकी में कहा है कि उन्हें सूचना मिली थी कि देवघर रोड बजरंग टेलीकॉम के समीप जब पुलिस बल के साथ गए तो एक व्यक्ति को 15-20 लोग मारपीट कर रहे थे। जब वे मारपीट करने वालों का वीडियो बना रहे थे, तो प्रीतम यादव, चंदन यादव, श्रवण यादव और आदित्य कुमार सहित दर्जनों युवकों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। पुलिस सभी आरोपियों की धड़-पकड़ में पुलिस जुट गई है। 4 नामजद सहित 20 अज्ञात पर मामला दर्ज किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण संस्थान ने प्रकृति संरक्षण को लेकर सतनपुर पहाड़ी का किया निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो के चास प्रखंड अंतर्गत सतनपुर पहाड़ी श्रृंखला के बारी कोऑपरेटिव कॉलोनी के सामने स्थित सिद्धिदात्री पहाड़ी भाग के पास स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा लगभग 20 से 25 वर्षों पहले लगाए गए आम जामुन बेल कटहल सहित अन्य वृक्षों एवं पहाड़ी का निरीक्षण किया गया। पाया गया कि बेल के कई वृक्षों पर फल लगे हुए हैं तथा आम के भी कई वृक्षों पर मंजर लगी हुई है। संस्थान द्वारा इस सिद्धिदात्री पहाड़ी पर पीपल बरगद नीम सहित दर्जनों लगे वृक्ष और पास में स्थित पर्यावरण-मित्र बाग में लगे दर्जनों आम जामुन बेल आदि के पेड़ देखरेख के अभाव में न सिर्फ कुपोषित हो रहे हैं, बल्कि यहां नशे बाजों का अड्डा बन गए हैं। आसपास की सौ एकड़ वनभूमि को भी भू माफियाओं द्वारा नाजायज कागजात बनाकर कब्जा किया जा रहा है। राज्य सरकार व वन विभाग और जिला प्रशासन से कई बार इस पहाड़ी को और आसपास के क्षेत्र को संरक्षित करते हुए इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु आग्रह किया गया है मगर अभी तक इनके द्वारा कोई भी सार्थक कदम नहीं उठाना चिंतनीय ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण से खिलवाड़ भी है। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान-संबद्ध विभाग को इस पहाड़ी के विकास व वन भूमि के संरक्षण एवं लगे पौधों की रक्षा के लिए समुचित मदद कर सकता है। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा मुकुल ने निरीक्षण के बाद संस्थान के सभी पदाधिकारियों को जल जंगल जमीन और पर्वत सहित प्रकृति की रक्षा हेतु कमर कसने का आह्वान किया। मौके पर निरीक्षण टीम में संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा, मुकुल उपाध्यक्ष अखिलेश ओझा, सलाहकार राजेश्वर, वृक्षारोपण प्रकोष्ठ के संयोजक वीरेंद्र चौबे, कार्यसमिति सदस्य मनीष कुमार एवं अंकित मिश्रा सम्मिलित रहे।

एक नजर में

बेरमो विधायक ने किया संघ का पुनर्गठन, सदन कुमार सिंह बनाये गये कार्यकारी अध्यक्ष

बेरमो। इंटक से संबद्ध डीवीसी कर्मचारी संघ केंद्रीय कमेटी की बैठक बेरमो विधायक एवं डीवीसी कर्मचारी संघ के केंद्रीय अध्यक्ष कुमार जयमंगल सिंह की अध्यक्षता में बीते 11 जनवरी को हुई थी। बैठक में बेरमो विधायक सह संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सिंह ने केंद्रीय कमिटी का विस्तार एवं पुनर्गठन करते हुए अधिसूचना जारी कर दी। यहां डीवीसी कर्मचारी संघ के केंद्रीय अध्यक्ष ने केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सदन कुमार सिंह को मनोनीत किया। इसके अलावे डीवीसी बोकारो थर्मल शाखा उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह, दशरथ राम को हजारीबाग शाखा महासचिव, अरिंदम बनर्जी को डीवीसी मेजिया प्लांट के सहायक सचिव, विकाश कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष, उमेश कुमार शर्मा व डीवीसी के विभिन्न परियोजनाओं से भी अन्य सदस्यों को संगठन में जिम्मेदारी दी गई है।

बेरमो : एसडीओ से मिला नायक घासी कल्याण महासमिति का प्रतिनिधि मंडल

बेरमो/फुसरो। नायक घासी कल्याण महासमिति का एक प्रतिनिधि मंडल बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ से मिला। जहां उन्होंने शॉल व बुके देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान सामाजिक उत्थान की पहल करने की बात को लेकर बातें की गयी। बताया गया कि एसडीओ ने हामी भरते हुए इस बात को लेकर जल्द ही पहल करने की बात कही। मौके पर प्रतिनिधि मंडल में बासुदेव राम घासी, दशरथ राम घासी, राजू नायक, राजेंद्र घासी, गुदरी देवी, उत्तम कुमार, चमन राम, भुवन नाग, नीतीश नायक, सूरज घासी, संयोग राम घासी मुख्य रूप से मौजूद थे।

सामाजिक उत्थान व उन्नति के लिए फाइलेरिया मुक्त होना बहुत जरूरी : प्रमुख

बोकारो/कसमार। राष्ट्रीय फाइलेरया नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सर्वजन दवा सेवन अभियान का शुरूआत कसमार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रमुख नियोती कुमारी व चिकित्सा प्रभारी डॉ प्रफुल्ल महतो ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान प्रमुख नियोती कुमारी ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है जो मच्छर के काटने से फैलती है। यह बीमारी शरीर के अंगों में सूजन और विकृति पैदा कर सकती है जिससे व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। समाज को उत्थान और उन्नति के लिए फाइलेरिया मुक्त होना बहुत जरूरी है। देश में अपंगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण फाइलेरिया है। सरकार ने इस बीमारी के उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की शुरूआत की है। इसका लक्ष्य अधिक लोगों तक एडबेंडाजोल दवा पहुंचाना है जिससे फाइलेरिया को जड़ से समाप्त किया जा सके। वहीं चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रफुल्ल महतो ने कहा कि सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत खुद भी फाइलेरिया रोधी दवा खानी है और अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी इसके उपयोग के लिए समझाना है। लगातार पांच साल खाने से बीमारी के झंझट से ही मुक्ति मिल जायेगा। मौके पर डॉ राहुल प्रियदर्शी डॉ तनवीर फातमा, बंकीम चंद्र महतो, आलोक चंद्र झा, अविनाश कुमार, शैलेश कुमार, संतोष महतो, हरेंद्र, कविता टैगौर, नाजिया सुमन, अरफा साबरी, अमित, रमेश महाराज मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

फुसरो में पत्रकार को मातृ शोक

बेरमो/फुसरो। फुसरो नप क्षेत्र के करगली बाजार निवासी दैनिक अखबार आज के बेरमो के चीफ ऑफ ब्यूरो रघुवीर प्रसाद की माता शांति देवी (81वर्षीय) का रविवार शाम तबियत बिगड़ने से दिल्ली में निधन हो गया। वे कुछ दिनों से बीमार थीं। दिल्ली के शारदा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वे पांच पुत्र और एक पुत्री समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गयी। उनके पार्थिव शरीर को आज करगली बाजार लाया जायगा। इसके पश्चात बेरमो स्थित दामोदर नदी घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जायगा। उनके निधन पर कई जनप्रतिनिधि, सामाजसेवियों समेत पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया।

बोकारो : 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में छात्रों एवं अभिभावकों के हित में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 14 दिसंबर 2024 से लेकर 14 जनवरी 2025 के बीच विद्यालय में कई गतिविधियों के माध्यम से चलाया गया। जिसका उद्देश्य था परीक्षा के कारण छात्रों में उपजे नकारात्मक प्रभाव को समाप्त करना। छात्रों एवं अभिभावकों में परीक्षा के प्रति उत्साहपूर्ण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना। परीक्षा के कारण छात्रों में उपजे मानसिक तनाव से भी निपटना। परीक्षा के संबंध में छात्रों की भ्रांतियां एवं दुष्चिन्ताओं को दूर करना। इस अभियान में छात्र-छात्राओं के माता-पिता सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं सभी छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। विद्यालय प्राचार्य सूरज शर्मा के निर्देशन में क्विज आलेख-लेखन काव्य-लेखन व चित्रकला का आयोजन किया गया।

झामुमो कार्यकर्ता के निधन पर परिजनों को मिला आर्थिक सहयोग

बेरमो। नावाडीह प्रखंड के पोखरिया पंचायत के झामुमो कार्यकर्ता काली गांझू का बीते दिनों अकास्मिक निधन हो गया। इस घटना को देखते हुए सोमवार को उनके आश्रित यानी उनकी पत्नी को पार्टी के अन्य कार्यकताओं द्वारा आर्थिक मदद पहुंचाई गई। मिली जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति के निधन के बाद परिजनों को 2100सौ रुपया का सहयोग झा मु मो पंचायत अध्यक्ष भैरो महतो समाज सेवी बुधन मुर्मू, धनश्याम गांझू, मनोज कुमार महतो, राजू रजक के द्वारा संयुक्त रुप से मदद पहुंचाई गई।

जिला समन्वय समिति की बैठक कर दुमका डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने दिये कई निर्देश, कहा

योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें

बैठक करते डीसी आंजनेयुलु दोड्डे व अन्य।

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक सोमवार को आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डीसी आंजनेयुलु दोड्डे की। बैठक में विभिन्न विभागों के कल्याणकारी योजनाओं के अधतन स्थिति की समीक्षा कर पदाधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में डीसी ने मनरेगा की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के तहत जिन कूप का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उनका अविलंब भुगतान सुनिश्चित करें। मनरेगा के तहत पूर्ण हो चुके आंगनबाड़ी केंद्रों का हैंडओवर करें। साथ ही वैसे सभी आंगनबाड़ी केंद्र जिनका निर्माण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है, को चिन्हित करते हुए मिशन मोड में पूरा करें। कहा कि 2021-22 के सभी पुराने योजनाओं को को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। डीसी ने कहा कि मनरेगा से 230 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण किया जाना है। निर्देश दिया कि बीडीओ,सीओ एवं सीडीपीओ समन्वय स्थापित करते हुए स्थान चिन्हित करते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध करायें। जेएसएलपीएस की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि विभिन्न बैंकों में लंबित क्रेडिट लिंकेज के आवेदनों की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाये। सभी बीडीओ सूची प्राप्त कर बैंकों में लंबित क्रेडिट लिंकेज से संबंधित आवेदनों की जानकारी प्राप्त करते हुए आवेदनों का निष्पादन कराना सुनिश्चित करें। डीसी ने कहा कि स्थानीय से समन्वय स्थापित करते हुए भीड़ भाड़ वाले जगह पर जेएसएलपीएस के द्वारा दीदी का ढाबा खोला जाये। डीसी ने कहा कि 15 वीं वित्त आयोग की राशि से चापाकल, जलमीनार की रिपेयरिंग कराया जाये। अपने प्रखंड में खराब पड़े चापाकल, जलमीनार की सूची प्राप्त कर प्राथमिकता के आधार पर 15 वीं वित्त आयोग की राशि से उक्त का मरम्मती का कार्य किया जाये। जिससे आमजनों को पेयजल की समस्या नहीं हो। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त लक्ष्य को पूरा करें। कहा कि शेड निर्माण में किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी नहीं हो इसे सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने झारखंड कृषि ऋण माफी योजना,50 प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण,किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिया। आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए आधार सीडिंग के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। कहा कि राशन का वितरण ससमय एवं सही मात्रा में हो इसे सुनिश्चित करें। 6 माह तक अगर किसी व्यक्ति तक राशन का उठाव नहीं किया गया है, तो ऐसे लाभुकों को चिन्हित करते हुए उनका नाम डिलीट किया जाये। ऑफलाइन वितरित किये गए राशन का ऑनलाइन निश्चित रूप से किया जाये। उन्होंने कहा कि डाकिया योजना का राशन लाभुकों के घर तक पहुंचाया जाये। उक्त योजना के शत प्रतिशत लाभुकों को राशन ससमय मिले इसे सुनिश्चित करें। धोती साड़ी वितरण योजना के शत प्रतिशत लाभुकों को योजना का लाभ मिले इसका विशेष ध्यान रखा जाये। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लाभुकों को चिन्हित करते हुए योजना का लाभ दिया जाये। एक भी योग्य लाभुक वंचित नहीं रहे, इसे सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार के किसी भी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ दिलाने के लिए अगर किसी के भी द्वारा पैसे की उगाही की जाती है, तो ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि मईया सम्मान योजना के लाभुकों का वेरिफिकेशन करा लाभुकों के आधार सीडिंग का कार्य भी जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में बीडीओ, सीओ एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड +2 शिक्षक संघ के अध्यक्ष ने जैक अध्यक्ष से की शिष्टाचार भेंट

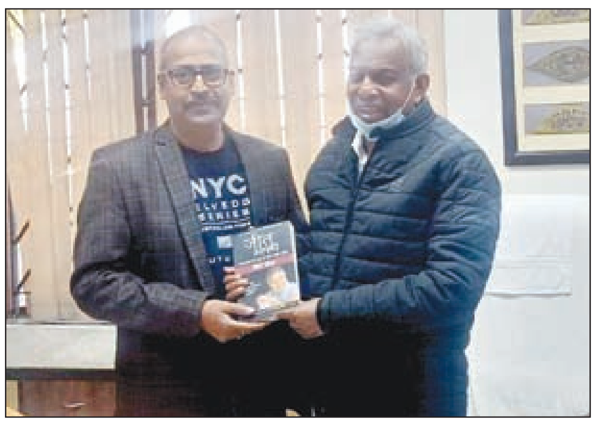

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। झारखंड +2 शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ठाकुर ने झारखंड अधिविद्य परिषद कार्यालय रांची में परिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ नटवा हांसदा से शिष्टाचार भेंट की एवं उन्हें राज्य में माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था से संबंधित विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया।

ठाकुर ने डॉ हांसदा को झारखंड +2 शिक्षक संघ की तरफ से प्रसिद्ध लेखक शिव खेड़ा रचित पुस्तक जीत आपकी भेंट कर नूतन कार्यकाल हेतु मंगलमय शुभकामनाएं दीं। डॉ हांसदा ने छात्र एवं शिक्षक हित में परिषद द्वारा विभिन्न कदम उठाए जाने का भरोसा दिया। प्रांतीय अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ठाकुर द्वारा झारखंड अधिविद्य परिषद अध्यक्ष डॉ हांसदा से शिष्टाचार मुलाकात करने पर झारखंड +2 शिक्षक संघ बोकारो के संरक्षक डॉ अजय कुमार पाठक अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह एवं सचिव डॉ अवनीश कुमार झा ने स्वागत किया है।

ढोरी फुटबॉल ग्राउंड में बनाए जा रहे स्टेडियम को ढोरी ग्राम के आम ग्रामीणों रैयतो ने काम रोकवाया

रैयतों ने कहा कि 7 जनवरी को तेनुघाट न्यायलय से धारा 163 लगाने का आदेश भी हो गया है, इसके बावजूद उक्त जमीन में स्टेडियम बनवाने का काम चल रहा है

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/फुसरो। ढोरी ग्राम के आम ग्रामीणों रैयतो के द्वारा सीसीएल ढोरी क्षेत्र अंतर्गत ढोरी फुटबॉल ग्राउंड को बनाए जा रहे स्टेडियम के काम को धारा 163 लगा बताकर काम रोकवाया। रैयतो में कमलेश कुमार महतो ने कहा कि सात जनवरी को तेनुघाट न्यायलय से धारा 163 लगाने का आदेश भी हो गया है, इसके बावजूद उक्त जमीन में स्टेडियम बनवाने का काम चल रहा है। कहा कि संबंधित संवेदक न्यायलय के आदेश को नही मान रहे है, जबरन काम करा रहे है। इसके पूर्व उक्त जमीन को स्वंतत्र अमीन के द्वारा मापी की गयी है। बताया कि 866.50 एकड के अंदर लगभग 8 एकड जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि पूर्व में बेरमो विधायक ने रैयतो को मौखिक आश्वासन दिए थे कि जब तक मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक कार्य नहीं किया जाएगा, जिस पर ग्रामीण के सामने बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने बेरमो सीओ से बातचीत भी हुई थी, लेकिन यह कार्य संवेदक द्वारा जबरन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब किसी प्रकार के कार्य मौखिक नहीं किया जाएगा। रैयतों ने कहा कि हमलोग स्टेडियम निर्माण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन आरआर पॉलिसी के तहत नियोजन और मुआवजा का सीसीएल भुगतान करे, इसके बाद ही स्टेडियम निर्माण की अनुमति दे। आज भी बन रहे स्टेडियम की जमीन का मालगुजारी रसीद हमलोगों के पूर्वजों के नाम पर कट रहा है। मौके पर रैयतो में नुनुचंद महतो, महेंद्र महतो, सोनू महतो, मुन्नीलाल महतो, संजय चौधरी, मिथिलेश महतो, सूरजमल महतो, सोनू कुमार, लालू कुमार महतो, अघनु महतो आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

बोकारो : श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्रों के लिए आशीर्वाद सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उन्हें श्री अय्यप्पा मंदिर का प्रसाद आशीर्वाद के रूप में वितरित किया गया। विद्यार्थियों ने ड्रेस कोड की सूचना के तहत सूट एवं परम्पारिक परिधान साड़ी में इस समारोह में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गान दीप प्रज्जवलन एवं गणेश वंदना से की गई। विद्यालय की प्राचार्या पी शैलजा जयकुमार उपप्राचार्य सुरेश नायर उपप्राचार्या राजलक्ष्मी एवं शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित किया। छात्रों ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्र-छात्राओं के अच्छे परीक्षा फल एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। छात्रों को विद्यालय की तरफ से भेंट स्वरूप मोमेंटो भी दिया गया। पी राजगोपाल मोहनन आर नायर ससींद्रन करात ईएस सुसीलन बाबूराज आर सुरेश कुमार केए बी शाजिन और अयप्पा सेवा संगम के सदस्यों ने आगामी बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के लिए छात्रों को शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेजा। अंत में विद्यालय की प्राचार्या पी शैलजा जयकुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि- छात्र जीवन एक सुनहरा जीवन होता है और अनुशासन इसकी महत्वपूर्ण कड़ी होती है। विद्यालय में छात्रों को अनुशासन के साथ-साथ जीवन में आने वाली हर परिस्थिति का सामना करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने के गूढ़ रहस्य सिखाए जाते है।

फाइलेरिया की दवा सभी को खिलाई जायेगी : डॉ जितेंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। 15 दिवसीय फाइलेरिया पाक्षिक दवा वितरण कार्यक्रम की सफलता के लिए तुपकाडीह की तीन पंचायतों में स्वास्थ्य उपकेंद्र के कर्मियों के द्वारा गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। रेफरल अस्पताल के प्रभारी डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि फाइलेरिया दवा को घर-घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति को देने का काम आंगनबाड़ी की सेविका- सहिया और कर्मी करेंगे।

गर्भवती महिला और छोटे बच्चों को दवा नहीं दी जाती है। मौके पर एमपीडब्लू दिनु दास सीएचओ प्रियंका मुर्मू मनोज दास लोकनाथ महतो विधान महतो समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

पेज एक का शेष

आपात स्थिति में ...

अगर सड़क पर कोई दुर्घटना होती है तो एंबुलेंस सेवा के लिए भी इस बॉक्स का इस्तेमाल हो सकता है। पीड़ित या वहां मौजूद कोई भी व्यक्ति इसकी सूचना कमांड सेंटर को दे सकता है। आंधी तूफान में तार, बिजली के खंभे गिरने और सड़क पर मृत मवेशियों के पड़े होने पर भी अगर सूचना मिलती है तो इसकी कमांड सेंटर को दी जा सकती है। कई जगह फ्लाईओवर या सड़कों की चौड़ीकरण के कारण कुछ बॉक्स अभी हटाये गये हैं। काम संपन्न होते ही बॉक्स को पुनः लगा दिया जायेगा।

मैट्रिक और इंटर ...

परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था : सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने और इसकी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। परीक्षार्थियों के लिए पेयजल की व्यवस्था, कमरे में पर्याप्त लाइट की व्यवस्था, शौचालय और अन्य भौतिक सुविधाएं सुनि्रित करने का निर्देश दिया गया है।

परीक्षार्थियों की संख्या बढ़ी : इस वर्ष मैट्रिक और इंटर दोनों परीक्षाओं में परीक्षार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। दोनों परीक्षा में कुल 7,83,711 परीक्षार्थी भाग लेंगे। पिछले वर्ष 2024 की तुलना में, मैट्रिक में 12,208 और इंटर के तीनों संकायों में 5,267 परीक्षार्थियों की संख्या अधिक है।

कुंभ से लौट रहे ...

प्रारंभिक जांच के अनुसार हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ। वहीं चरही इलाके में अक्सर सड़क किनारे भारी संख्या में ट्रक खड़े रहते हैं, जिससे छोटे वाहनों को निकलने में परेशानी होती है और ऐसे हादसे होते रहते हैं। सड़क किनारे खड़े ट्रकों की वजह से यातायात में दिक्कतें आती हैं। लोगों ने प्रशासन से इस समस्या का समाधान निकालने की मांग की जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

बैटर सिर्फ बॉल ...

उन्होंने कहा कि लीडर के लिए टीम वर्क सीखना बहुत जरूरी है।

चुनौतियों से लड़ना सीखें : ाीएम मोदी ने छात्रों को चुनौतियों से लड़ने का मंत्र भी दिया। बोले, आपके अपने अंदर की चुनौतियों से लड़ना होगा। मान लीजिए, अगर पिछली बार आपके 30 अंक आये थे, तो आपको इस बार कोशिश करनी चाहिए कि आप इस बार 35 अंक आये। ऐसा करके आपको अपने लक्ष्य की सीमा को बढ़ाना चाहिए। यह आपके लिए एक चुनौती है। इसके लिए आपको खुद की चुनौतियों से लड़ना होगा। ऐसा करके आप खुद को आगे बढ़ा सकेंगे।

अभिभावकों को भी दिये कुछ टिप्स : उन्होंने छात्रों को सलाह दी, आपको अपने मन को स्थिर रखना है। अगर आप अपने मन को स्थिर रखेंगे, तो निश्चित तौर पर आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि पेरेंट्स को यह समझना चाहिए कि उनके बच्चे की दिलचस्पी किसमें है। अगर उनके बच्चे का खेल में इंटरेस्ट है, तो पेरेंट्स को कोशिश करनी चाहिए कि उसे किसी खेल इवेंट में ले जाएं। अपने बच्चों की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए बल्कि उनका समर्थन करना चाहिए।

मन की बात खुलकर करें : पीएम मोदी ने सलाह दी कि वह अपने मन की बात अपने पेरेंट्स से खुलकर करें। उन्होंने कहा कि अगर आप अपनी चिंताओं को अपने माता-पिता या किसी अपने से साझा करते हैं, तो तनाव कभी नहीं होगा। अगर किसी पल को आपने महसूस नहीं किया, तो वह पल चला जायेगा, फिर वह वापस नहीं आयेगा, इसलिए उस पल को पूरी तरह से जी लो। उन्होंने कहा पहले हमारे समाज में एक मजबूत व्यवस्था थी। हमारा परिवार ही हमारी यूनिवर्सिटी था। नाना-नानी, दादा-दादी, पापा-मम्मी से बातें करते थे। यह वे लोग थे, जिनसे हमें मार्गदर्शन मिलता था और लगता था कि कोई हमारे बारे में सोचता है।

समय की कीमत पहचानें : संवाद के दौरान पीएम मोदी ने समय की कीमत का मंत्र भी। उन्होंने कहा, आजकल लोग अपनी दिनचर्या में समय का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। कोई दोस्त के साथ गपशप करने में समय बर्बाद कर देता है, जबकि कोई पढ़ाई में लगकर समय का सही उपयोग करता है। हमें यह सोचना चाहिए कि अपने समय का अधिकतम उपयोग कैसे करें। अगर आप दिन भर का कार्यक्रम सही से बनाते हैं, तो पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के लिए समय निकाल सकते हैं।

ज्ञान और परीक्षा अलग-अलग : मोदी ने छात्रों से कहा कि ज्ञान और परीक्षा दो अलग अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी परीक्षा को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। अपने समय, अपने जीवन पर नियंत्रण रखने, वर्तमान में जीने, सकारात्मकता की तलाश करने और पोषण जैसे मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, नेतृत्व थोपा नहीं जाता, आपके आस-पास के लोग आपको स्वीकार करते हैं।

खुद को उदाहरण बनायें : नेता की परिभाषा के बारे में पूछे जाने पर पीएम मोदी ने छात्रों से कहा, आज नेता की परिभाषा क्या है, कुर्ता-पायजामा पहनने वाला, जैकेट पहनने वाला, विभिन्न मंचों पर भाषण देने वाला... लेकिन ऐसा नहीं होता। अगर कोई नेता बनता है तो उसका काम दूसरों की गलतियों को सुधारना नहीं है। उसका काम खुद को एक उदाहरण बनाना है।

स्पीड न्यूज

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को अलग-अलग मुठभेड़ों में सात आतंकवादी मारे गए और एक सैनिक शहीद हो गया। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, सुरक्षा बलों ने 8 और 9 फरवरी की रात को इलाके में हथियारबंद लोगों की मौजूदगी की सूचना पर डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में खुफिया ऑपरेशन शुरू किया। डान समाचार पत्र के अनुसार, इस्माइल खान जिले के खुफिया ऑपरेशन में तीन आतंकवादी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। तीनों आतंकवादी तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) और बम बनाने में विशेषज्ञ थे। इसके बाद आतंकवादियों के खिलाफ एक और ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली तहसील में चलाया गया। सुरक्षा बलों ने यहां चार आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। इस बीच, पेशावर और कोहाट के बीच सीमा पर हसन खेल उपखंड में आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में एक सैनिक शहीद हो गया और तीन अन्य घायल हो गए।

ढाका में बंगबंधु के ध्वस्त किए आवास पर पहुंची सीआईडी

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और मुल्क के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के ध्वस्त किए गए आवास (धानमंडी-32) का जायजा लेने आज सीआईडी ??क्राइम सीन यूनिट पहुंची। यूनिट की मदद के लिए धानमंडी पुलिस स्टेशन की टीम को तैनात किया गया। सीआईडी ??क्राइम सीन यूनिट धानमंडी-32 सुबह आठ बजे पहुंचीं। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, सीआईडी क्राइम सीन यूनिट ने ध्वस्त आवास से अहम साक्ष्य जुटाए। उल्लेखनीय है कि अनियंत्रित भीड़ ने पांच फरवरी को पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के ऑनलाइन भाषण के बाद बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के घर को ध्वस्त करते हुए आग लगा दी थी। यही नहीं भीड़ ने शेख हसीना के पति के आवास को भी फूंक दिया था। बांग्लादेश के संस्थापक राष्ट्रपति शेख मुजीब को बंगबंधु (राष्ट्रपिता) के नाम से जाना जाता है।

सेंसर बोर्ड ने विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' के कई डायलॉग बदले

विक्की कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' 14 फरवरी को बड़ी स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रशंसक वर्तमान में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, फिल्म के कलाकारों और भव्य सेट की सराहना कर रहे हैं। हालांकि, सेंसर बोर्ड ने निमार्ताओं को फिल्म रिलीज से पहले कुछ बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। कुछ जरूरी बदलावों के बाद अब 'छावा' की आधिकारिक रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। जब 'छावा' का ट्रेलर रिलीज हुआ तो उसमें कई संवाद ध्यान खींचने वाले थे। 'मुगल सलतनत का जहर' को 'उस समय कई शाशक और सलतनत खुद को जिंदा रखने की कोशिश कर रहे थे।' इसके बाद 'खून तो आखिर मुगलों का ही है' डायलॉग को 'खून तो है औरंग का ही' से बदला गया है।

वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत के साथ जुड़ें वैश्विक मूल उपकरण निर्माता: राजनाथ

बेंगलुरू। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक मूल उपकरण निमार्ताओं (ओईएम) को व्यापक भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के अवसरों का इस्तेमाल करने और मौजूदा अस्थिर भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण उभर रही चुनौतियों के समाधान और उपाय खोजने के लिए आमंत्रित किया है। श्री सिंह सोमवार को यहां एयरो इंडिया के हिस्से के रूप में आयोजित मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की गोलमेज बैठक को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि नाजुक वैश्विक सुरक्षा स्थिति के बीच, जहां नियम-आधारित व्यवस्था को चुनौती दी जा रही है वहीं प्रौद्योगिकि नए अवसर और कमजोरियां पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की स्थिति में लगातार समाधान और सुधार की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, आज सैन्य अभियानों में संचार और डेटा साझा करने की प्रकृति बहुत अधिक जटिल होती जा रही है। अंतरिक्ष-आधारित नेविगेशन सिस्टम, संचार और निगरानी पर निर्भरता का तात्पर्य है कि ऐसी संपत्तियों को हमारी परिचालन योजनाओं में एकीकृत करना होगा। हाल के संघर्षों में ड्रोन का उपयोग संकेत देता है कि भविष्य मानवयुक्त, मानवरहित और स्वायत्त युद्ध प्रणालियों के एकीकृत प्रयासों पर निर्भर करेगा। इसलिए, हमारे रक्षा विनिर्माण को इन उभरती चुनौतियों के उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

श्री सिंह ने महान भारतीय रणनीतिकार कौटिल्य का हवाला देते हुए कहा, ह्लशत्रुतापूर्ण माहौल में अपने लोगों और क्षेत्र की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इसे हासिल करने के लिए, हम अपने सशस्त्र बलों को सुसज्जित करने और एक मजबूत, कुशल, लचीले और भविष्य के लिए तैयार रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना के माध्यम से देश को रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल नियमन, प्रक्रियाएँ और नीतियाँ लागू की हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा प्रदान अवसर रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की नीतियों से प्रेरित है । उन्होंने 2047 तक भारत को विकासशील से विकसित देश बनाने के लिए घरेलू रक्षा उद्योग को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए परिवर्तनकारी कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हमने नए रक्षा लाइसेंस चाहने वाली कंपनियों के लिए स्वचालित मार्ग के माध्यम से 75 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी है, जबकि सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत शत-प्रतिशत तक की अनुमति है। आज तक रक्षा क्षेत्र में कुल 46 संयुक्त उद्यमों और कंपनियों को विदेशी निवेश की मंजूरी दी गई है।

श्री सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में स्थापित रक्षा औद्योगिक गलियारों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए अब तक 250 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

उन्होंने छह से आठ ग्रीनफील्ड परीक्षण और प्रमाणन सुविधाएं स्थापित करने के लिए एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना का उल्लेख किया। रक्षा एक्जिम पोर्टल ने निर्यात प्राधिकरण प्रक्रिया को सहज बना दिया है। उन्होंने कहा, भारत के रक्षा निर्यात केंद्र के रूप में उभरने के प्रमाण के रूप में, भारत ने वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में पिछले 10 वर्षों में उत्पादों के निर्यात में 31 गुना वृद्धि देखी है।

मोदी फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर रवाना

भारत-अमेरिका दोस्ती और प्रगाढ़ होगी : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। फ्रांस और अमेरिका की चार दिन की यात्रा पर सोमवार को रवाना होते समय पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर, मैं 10 से 12 फरवरी तक फ्रांस की यात्रा करूंगा। फ्रांस से ही वह अमेरिका जायेंगे और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भेंट होगी। इससे भारत और अमेरिका को दोस्ती और पघगाढ़ होने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, पेरिस में, मैं एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता के लिए तत्पर हूं, जो विश्व के नेताओं और वैश्विक तकनीकी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों का सम्मेलन है। वहां हम समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार और बड़े सार्वजनिक भलाई के लिए एआई प्रौद्योगिकी के लिए सहयोगी दृष्टिकोण पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा, यात्रा का द्विपक्षीय खंड मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारत-फ्रांस रणनीतिक साझीदारी के लिए 2047 होराइजन रोडमैप पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगा। हम फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने के लिए ऐतिहासिक फ्रांसीसी शहर मार्सिले की भी यात्रा करेंगे और अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर परियोजना का भी दौरा करेंगे, जिसमें भारत वैश्विक भलाई के लिए ऊर्जा का उपयोग करने के लिए फ्रांस सहित साझीदार देशों के संघ का सदस्य है। मैं उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा जिन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मजारगुए युद्ध कब्रिस्तान में अपने प्राणों की आहुति दी। फ्रांस की यात्रा के बाद मोदी अमेरिका रवान होंगे।

भारत अमेरिकी संबंध और बढ़ेंगे : पीएम मोदी ने सोमवार को कहा, वाशिंगटन डीसी में, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं। यह यात्रा भारत-अमेरिका की दोस्ती को मजबूत करेगी और विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देगी। मुझे प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ उनके पहले कार्यकाल के दौरान काम करना अच्छी तरह याद है। मुझे यकीन है कि हमारी बातचीत उस समय की गई चर्चाओं पर आधारित होगी। पीएम मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत करेंगे।

इस संबंध में पीएम मोदी ने कहा कि वह दोनों देशों की अपनी यात्रा से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं। फ्रांस की यात्रा समाप्त करने के बाद वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने और अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत करने के लिए अमेरिका रवाना होंगे। प्रधानमंत्री मोदी 12 से 14 फरवरी तक अमेरिका में रहेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी जून 2017 में अमेरिका गये थे और फरवरी 2020 में राष्ट्रपति ट्रंप की भारत की राजकीय यात्रा की मेजबानी की थी।

10 से 12 तक फ्रांस में रहेंगे मोदी

राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10-12 फरवरी तक फ्रांस में रहेंगे, जहां वे एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह यात्रा उनके पहले कार्यकाल में हमारे सहयोग की सफलताओं पर निर्माण करने और प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन के क्षेत्रों सहित हमारी साझेदारी को और अधिक बढ़ाने तथा गहरा करने के लिए एक एजेंडा विकसित करने का अवसर होगा। हम दोनों देशों के लोगों के आपसी लाभ के लिए मिलकर काम करेंगे और दुनिया के बेहतर भविष्य को आकार देंगे।

महाकुंभ जाने वाले हर रास्ते में लगा है महाजाम

प्रयागराज में दो दिन में पहुंचे 2.5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु। 7 एंट्री मार्गों पर 30 किलोमीटर तक लंबा जाम लगा हुआ है। 10-12 लाख लोग यहां-वहां रास्ते में भूखे प्यासे फंसे हुए हैं। प्रशासन लगातार आनेवाले लोगों से गुजारिश कर रहा है, कृपया, वापस लौट जाये। अभी महाकुंभ मत आयें। एक अनुमान के मुताबिक रविवार को करीब दो करोड़ लोगों ने डुबकी लगायी। अनुमान है कि सोमवार को भी गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 2 करोड़ तक भी जा सकती है।

चिदंबरम ने सरकार की आर्थिक सोच पर सवाल उठाया, कहा कर छूट ही पर्याप्त नहीं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार की आर्थिक सोच पर सवाल उठाते हुए सोमवार को 2025-26 के बजट में पूंजीगत और सामाजिक क्षेत्र के बजट में कटौती कर के राजकोषीय घाटे को सीमित करने का प्रयास तो किया गया है पर इस बजट से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की संभावना नहीं दिखती।

उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के एक फरवरी को लोक सभा में प्रस्तुत बजट में आयकर में छूट से उपभाग और आर्थिक गति विधि में तेजी की संभावना को क्षींण बताते हुए कहा कि बजट में व्यक्तिगत आय कर में एक लाख करोड़ रुपये की छूट भारत के 324 लाख करोड़ रुपये के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मात्र 0.3 प्रतिशत के बराबर है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि क्या इतनी भर छूट से अर्थव्यवसथा को बल मिलेगा? उन्होंने कहा आर्थिक दर्शन के बिना आर्थिक नीति नहीं बनती।
उन्होंने वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण को पूर्व प्रधान मंत्री और 1991 में भारत में आर्थिक सुधारों की शुरूआत करने वाले तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह से सीख लेने का सुझाव देते हुए कहा, ह्य 1991 में भारत के सामने चुनौतियां आज से बड़ी थी। उन्होंने इसी संदर्भ में यह भी सवाल किया कि सरकार (स्वर्गीय) डॉ मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने का विचार क्यों नहीं करती।
उन्होंने कहा कि कर में कटौती का एक बड़ा हिस्सा बैंकों में जमा, विदेश यात्राओं , विदेशों में पढ़ाई आदि में चला जाएगा और घरेलू वस्तु तथा सेवाओं के उपभोग को कोई खास बढ़ावा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री को निर्यात और निवेश के इंजन को भी गति देनी चाहिए थी।

खुले में शौच मुक्त की घोषणा गांव करता है: मंत्री

नयी दिल्ली। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने आज राज्यसभा में कहा कि देश में जितने गांव खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) हैं वे सभी स्वयं को इसके लिए तैयार करते हैं और इसके लिए आवश्यकत काम भी स्वयं गांव ही करता है और जब तैयारियां पूरी हो जाती है तो जिलास्तर से होते हुये उसकी जानकारी केन्द्र सरकार के स्तर तक पहुंचायी जाती है तब फिर गांव को खुले में शौच मुक्त घोषित होता है। श्री पाटिल ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि ओडीएफ की एक प्रक्रिया है और ग्राम पंचायत इसको प्रभावी करता है। ग्राम पंचायत को ही इसके लिए आवश्यक पहल करनी होती है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान 2014 में शुरू किया गया और उसी के तहत लोगों को शौचालय बनाने के लिए सहायता दी गयी है। इसके लिए जिनते लोगों ने आवेदन किये थे सभी को शौचालय की सुविधा प्रदान की जा चुकी है और नये बने 3.5 लाख घरों में शौचालय बनाने के आवदेन भी आ चुके हैं और प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट देनी होती है और उसी के अनुरूप मंजूरी और धनराशि जारी की जाती है। एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जल की समस्या और स्वच्छता अभियान दोनों साथ साथ चल रहे हैं।

सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों का शीघ्र निपटारे पर मुख्य न्यायाधीश करेंगे फैसला

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के मामले में सुनवाई पर मुख्य न्यायाधीश कोई फैसला ले सकते हैं। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने निर्देश दिया कि इस मुद्दे को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष बड़ी पीठ द्वारा विचार के लिए रखा जाए। पीठ ने यह निर्देश देते हुए कहा इस मसले को दो न्यायाधीशों की पीठ द्वारा फिर से खोलना अनुचित होगा, क्योंकि तीन न्यायाधीशों की पीठ ने पहले ही अपने फैसले में इस मामले

में सुनवाई की थी। शीर्ष अदालत अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर 2016 की जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका से दोषी व्यक्तियों की एक समान अयोग्यता की मांग की गई थी। साथ ही, उन आपराधिक मामलों के फैसले के लिए एक साल की समयसीमा निर्धारित करने की मांग की गई है।

अदालत के समक्ष न्याय मित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने राजनेताओं के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों पर एक अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई अदालती आदेशों के बावजूद, 42 फीसदी मौजूदा लोकसभा सदस्य अभी भी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

सोनिया ने जनगणना प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की

नयी दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस की सोनिया गांधी ने जनगणना में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे लाखों भारतीयों की खाद्य सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। श्रीमती गांधी ने सदन में शून्यकाल के दौरान सभापति की अनुमति से उठाये गये मामले के अंतर्गत सरकार से जनगणना प्रक्रिया में तेजी लाने और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सभी पात्र नागरिकों के अधिकार सुनिश्चित करने को कहा। श्रीमती गांधी का सदन में यह पहला वक्तव्य है। वह अप्रैल 2024 में सदन की सदस्य बनी थी।

बेतिया एवं मुजफ्फरपुर स्टेशनों के चल रहे पुनर्विकास कार्यों का रेलवे ने लिया जायजा

एजेंसी

पटना। बेतिया में समपार सं. 02 पर नवनिर्मित सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) का राष्ट्र को समर्पण हेतु आयोजित समारोह में अश्विनी वैष्णव, रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा नारी शक्तिस्वरूप महिलाओं के माध्यम से आरओबी का राष्ट्र को समर्पित कराया गया । इस दौरान उपस्थित माननीय सांसदगण एवं जनसमूह द्वारा बेतिया के रास्ते गोरखपुर और पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की भारी मांग पर उन्होंने विचार करने का आश्वासन दिया और कहा कि जल्द ही पूरे भारत में कई वंदे भारत ट्रेनें चलायी जाएगीं । माननीय रेल मंत्री द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किये जा रहे बेतिया स्टेशन के 3डी मॉडल का भी अवलोकन किया गया । इस अवसर पर बेतिया में आयोजित समारोह में कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार सतीश चंद्र दुबे, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, सांसद सुनील कुमार, सांसद गोपालजी ठाकुर एवं विधायकगण सहित कई अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। समारोह के उपरांत बेतिया स्टेशन पर आयोजित प्रेस वार्ता में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के बीच बिहार में रेलवे के विकास के लिए प्रतिवर्ष औसतन 1,132 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल के बजट में बिहार को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 10 हजार 66 करोड़ रुपए का बजट दिया है । यानी पिछली सरकार की तुलना में करीब-करीब नौ गुना अधिक बजट आवंटित किया है। इसी रिकॉर्ड बजट का परिणाम है कि बिहार में नई रेल लाइनों के निर्माण, विद्युतीकरण, नई ट्रेनों का संचालन, स्टेशनों का विकास, यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी के कार्य रिकॉर्ड स्तर पर किए जा रहे हैं । उन्होंने कहा कि बिहार में रेलवे के समग्र विकास हेतु 95 हजार 566 करोड़ रूपए का इंवेस्टमेंट किया जा रहा है जिससे अगले 05 वर्षों में बिहार में रेलवे का नेटवर्क का कम्पलीट ट्रांसफॉर्मेशन होने वाला है ।